RNI No: DELMUL/2012/47011

04 अक्टूबर, 2026 बुधवार

नई दिल्ली
मूल्य : 01 रुपए
पृष्ठ : 08
वर्ष : 14
अंक : 216

अनोखे अंदाज और निराले तेवर के साथ इन्साफ की डगर पर

टाइम्स ऑफ़ पीडिया

www.timesofpedia.com Email: timesofpedia@gmail.com



न्यूजीलैंड दौरे के लिए ऋषभ फिटनेस टेस्ट में रहे असफल 07

संक्षिप्त वार्ता

उज्बेकिस्तान में पढ़ रहे विद्यार्थियों का शोषण रोकने सरकार प्रतिबद्ध



नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि सरकार उज्बेकिस्तान में चिकित्सा की पढ़ाई कर रहे भारतीय विद्यार्थियों का शोषण रोकने के लिए प्रतिबद्ध है। नई दिल्ली में मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि केन्द्र सरकार भारतीय विद्यार्थियों से जुड़े मुद्दों पर उज्बेकिस्तान की सरकार के साथ लगातार संपर्क में है। उन्होंने बताया कि ताशकंद स्थित भारतीय दूतावास ने विद्यार्थियों के हित में कई परामर्श जारी किए हैं। श्री जायसवाल ने विदेश में चिकित्सा शिक्षा हासिल करने की योजना बना रहे विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग की ओर से जारी दिशा-निर्देशों और परामर्शों का भी उल्लेख किया। उन्होंने विद्यार्थियों से विदेश में उच्च शिक्षा लेने से पहले इन दिशा-निर्देशों को ध्यान से पढ़ने की अपील की।

पंजाब के मुख्य सचिव को अवमानना नोटिस

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने मंगलवार को पंजाब के मुख्य सचिव केएपी सिन्हा को सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लंबित महंगाई भत्ता (डीए) के बकाया भुगतान के संबंध में न्यायिक निर्देशों का पालन न करने के लिए अवमानना नोटिस जारी किया। अदालत ने अपने पूर्व आदेशों के निरंतर अनुपालन न होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए सिन्हा को 17 नवंबर तक अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया, जिसमें सरकार द्वारा निर्देशों के कार्यान्वयन के लिए उठाए गए कदमों का स्पष्टीकरण देना होगा। यह घटनाक्रम सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों द्वारा दायर अवमानना याचिका की सुनवाई के दौरान हुआ, जिसमें आरोप लगाया गया था कि स्पष्ट न्यायिक निर्देशों के बावजूद सरकार ने उनके बकाया महंगाई भत्ता (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) की किस्तें जारी नहीं की हैं।

हरिद्वार में बेटे को 23 साल बाद मिले बिछड़े पिता

हरिद्वार,एजेंसी। गंगा स्नान कर पुण्य कमाने बिहार से हरिद्वार आए एक युवक की तीर्थयात्रा का फल किसी वरदान से कम नहीं रहा। हरिद्वार में गंगा स्नान और मंदिर दर्शन के दौरान 23 साल से लापता पिता अचानक दक्षेश्वर महादेव मंदिर में बेटे के सामने आ गए। पल भर में 23 साल की दूरी, बेबसी और इंतजार खत्म हो गया। वाकया बिहार के औरंगाबाद जिले के वेलसार गांव का है। 70 वर्षीय जवाहर मिस्त्री साल 2003 में अचानक घर छोड़कर चले गए थे। उस वक्त बेटा शशि कुमार शर्मा छोटा था। दो दिन पहले शशि कुमार शर्मा अपने कुछ परिजनों के साथ तीर्थयात्रा पर हरिद्वार आए। कनखल स्थित पौराणिक दक्षेश्वर महादेव मंदिर में दर्शन के दौरान उनकी नजर मंदिर परिसर में बैठे एक बुजुर्ग पर पड़ी। पास पहुंचे और गौर से देखा तो वही आंखें, वही चेहरा जिसे वह 23 साल से यादों में देखते आए थे।

श्रीनगर से नेकां सांसद रूहुल्लाह देंगे इस्तीफा



बड़गाम,एजेंसी। नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) से श्रीनगर के सांसद आगा सैयद रूहुल्लाह मेहदी ने मंगलवार को पार्टी और लोकसभा की सदस्यता से एक साथ इस्तीफ़ा देने का ऐलान करके सबको हैरत में डाल दिया। उन्होंने पार्टी पर जनता के जनादेश के साथ विश्वासघात करने और चुनावी वादों को पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाया। बडगाम के बहिश्त-ए-ज़हरा पार्क में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने इस्तीफा देने की घोषणा की। अपने पिता आगा सैयद मेहदी की पुण्यतिथि पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए रूहुल्लाह ने एनसी नेतृत्व के साथ अपने मतभेदों को दोहराया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया पुणे मेट्रो पिंक लाइन का उद्घाटन... बोले

कॉम्पिटिटिवनेस और ईज ऑफ लिविंग बनी शहरों की नई पहचान

बारह वर्ष में मेट्रो ट्रांसपोर्ट का हुआ कायाकल्प

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को पुणे मेट्रो की पिंक लाइन का उद्घाटन किया।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि त्योहारों की खुशियां तब और बढ़ जाती हैं जब जीवन में कोई नई सुविधा जुड़ती है। आज पुणेवासियों के लिए ऐसा ही सुखद अवसर है। मुझे खुशी है कि आज पुणे मेट्रो की एक और लाइन का लोकार्पण हो रहा है।





पुणे बनेगा विकसित भारत की नई ऊर्जा का केंद्र

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पुणे हमेशा से ऐसे विचारों का केंद्र रहा है, जिन्होंने राष्ट्र और समाज को नई दिशा दी है। आज यह शहर विकसित भारत की नई ऊर्जा को भी दिशा दे रहा है। आईटी, ऑटोमोबाइल, फार्मा, स्टार्टअप्स, इनोवेशन और मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में पुणे युवाओं के सपनों और संकल्प का स्थान है। मजबूत होती मेट्रो कनेक्टिविटी शहर के विकास को नई रफ्तार देगी। पीएम मोदी ने बताया कि पहले शहरों की पहचान उनके उद्योगों, खान-पान या फसलों से होती थी। अब दो नई कसौटियां जुड़ गई हैं—शहर कितना कॉम्पिटिटिव है और वहां ईज ऑफ लिविंग का स्तर क्या है। मेट्रो प्रोजेक्ट इन दोनों मोर्चों पर शहर को मजबूत बनाता है। समय बचने से उत्पादकता बढ़ती है, अर्थव्यवस्था को गति मिलती है और गरीब व मध्यम वर्ग दोनों को फायदा होता है।

हिंजवड़ी आईटी हब को मिली बेहतर कनेक्टिविटी

पीएम मोदी ने याद दिलाया कि 10 साल पहले उन्होंने पुणे मेट्रो के पहले चरण का शिलान्यास किया था। अब हिंजवड़ी से शिवाजीनगर के बीच मेट्रो शुरू होने से शहर के बड़े आईटी हब को मजबूत कनेक्टिविटी मिलेगी। नई लाइन से पुणे के पुराने और नए इलाकों के बीच जुड़ाव और बेहतर होगा। उन्होंने पुणे और महाराष्ट्र के सभी लोगों को बधाई दी।

2014 से पहले सिर्फ पांच शहरों में थी मेट्रो

प्रधानमंत्री ने कहा कि 2014 तक देश में महज पांच शहरों में मेट्रो सेवा थी। पुरानी सोच और कार्य संस्कृति से पुणे में मेट्रो पहुंचने में कई दशक और लग जाते। 2014 में एनडीए सरकार आने के बाद संकल्प लिया गया कि मिडिल क्लास की ईज ऑफ लिविंग और ईज ऑफ ट्रांसपोर्टेशन सुधारी जाए। पिछले 12 वर्षों में मेट्रो ट्रांसपोर्ट का पूरा कायाकल्प हो चुका है।

भारतीय मेट्रो नेटवर्क दुनिया के टॉप-3 में

पीएम मोदी ने बताया कि अब रोजाना एक करोड़ से ज्यादा लोग मेट्रो से यात्रा करते हैं। भारतीय मेट्रो नेटवर्क दुनिया के शीर्ष तीन मेट्रो नेटवर्क में शामिल हो गया है। विकसित भारत के निर्माण में देश के हर नागरिक का आत्मविश्वास झलक रहा है। बीते 12 वर्षों में गांव की सड़कों, हाईवे, एक्सप्रेसवे, रेलवे विद्युतीकरण, सुरंगों और पुलों जैसे अनेक बड़े प्रकल्प साकार हुए हैं।

अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में दांव पर ट्रम्प का बहुमत

उमड़े वोटर्स, फ्लोरिडा में बाढ़ के चलते 19 बूथ बदले... ट्रम्प हारे तो पॉवरलेस प्रेसिडेंट होंगे

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका में मिडटर्म चुनाव के लिए मंगलवार को मतदान हुआ। भारतीय समयानुसार शाम 4:30 बजे सबसे पहले 8 राज्यों में पोलिंग बूथ खुल गए थे, जहां पूरे समय मतदान जारी रहा।

वहीं, फ्लोरिडा में भारी बाढ़ के कारण 7 काउंटियों के 19 मतदान केंद्रों की जगह बदलनी पड़ी है। यह फैसला मतदान शुरू होने से करीब 45 मिनट पहले लिया गया। न्यू हैम्पशायर राज्य के न्यूफील्ड्स में, ओहायो के लोगन और कोलंबस में मतदान केंद्र पर कोई बच्चों को लेकर पहुंचे तो कोई लाइन में लगे नजर आए। वोट डालने के लिए



मतदाताओं की कतार लगी रही। जॉर्जिया राज्य के अटलांटा में वोट डालने के लिए पोलिंग बूथ पर वोटर्स की लाइन लगी हुई है।

5.7 करोड़ लोग वोट कर चुके

मतदान शुरू होने से पहले ही 5.76 करोड़ लोग अर्ली वोटिंग के जरिए वोट डाल चुके हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ फ्लोरिडा के आंकड़ों के मुताबिक, इस बार शुरुआती वोटिंग 2022 के मिडटर्म चुनाव से आगे निकल गई है। 2022 में करीब 4.59 करोड़ लोगों ने अर्ली वोटिंग की थी। इस बार अर्ली वोटिंग में डेमोक्रेटिक पार्टी के समर्थकों की हिस्सेदारी ज्यादा रही है। हालांकि, रिपब्लिकन समर्थक आमतौर पर चुनाव के दिन मतदान करना पसंद करते हैं।

रिपब्लिकन को बहुमत खोने का है डर

इन चुनावों में अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स की सभी 435 सीटों और उच्च सदन सीनेट की 35 सीटों पर वोट डाले जा रहे हैं। अमेरिका में राष्ट्रपति के चुनाव के ठीक दो साल बाद मिडटर्म चुनाव कराए जाते हैं। इसमें संसद की सीटों और कुछ राज्यों में गवर्नर के पदों के लिए मतदान होता है। फिलहाल ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी के पास संसद के दोनों सदनों में बहुमत है। अगर पार्टी इनमें से किसी एक सदन में भी बहुमत खो देती है, तो ट्रम्प के लिए अपने एजेंडे से जुड़े कानून पास कराना मुश्किल हो जाएगा।

भारतीय कमांडो ने समुद्री लुटेरों से जहाज 'अजिनी' छुड़ाया

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय नौसेना ने सोमालिया के तट के पास 48 घंटे से अधिक समय तक चले ऑपरेशन में कमांडो कार्रवाई करके सशस्त्र समुद्री लुटेरों के कब्जे से मछली पकड़ने वाले अपहृत जहाज 'अजिनी' को मुक्त कराया है।

जहाज पर सवार चालक दल के सभी 20 सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया गया और ऑपरेशन के दौरान किसी कोई नुकसान नहीं पहुंचा। दरअसल, पिछले महीने की शुरुआत में सोमालिया के उत्तर-पूर्वी तट के पास सशस्त्र समुद्री लुटेरों के एक समूह ने नौसेना को मछली पकड़ने वाले जहाज 'अजिनी' का अपहरण कर लिया था। यह हाईजैकिंग बड़ा समुद्री सुरक्षा खतरा था, जिसमें इस बात



की संभावना थी कि इस जहाज का इस्तेमाल इस इलाके में मर्चेंट शिपिंग पर और समुद्री डाकुओं के हमले करने के लिए 'मदर शिप' के तौर पर किया जा सकता है। इसकी सूचना मिलने पर भारतीय नौसेना ने मिशन पर तैनात एक युद्धपोत को कार्रवाई के लिए तत्काल रवाना किया। इसमें एक समुद्री निगरानी विमान का भी सहयोग लिया गया।

नौसेना के कैप्टन विवेक मधवाल ने बताया कि आपसी तालमेल से लगातार निगरानी के बाद जहाज का पता लगाया गया और उसकी गतिविधियों पर नजर रखी गई। नौसेना ने अपहृत जहाज की गतिविधि को सीमित करने और उसे भागने से रोकने के लिए सुनियोजित गैर-घातक उपाय अपनाया। भारतीय नौसेना ने त्वरित और सुव्यवस्थित सामरिक कमांडो कार्रवाई करते हुए जहाज को अपने नियंत्रण में लिया।

250 रुपए के स्मारक सिक्के का लोकार्पण

नई पीढ़ी अपनी जड़ों, भाषा के साथ ही शास्त्रीय परंपराओं से जुड़े : सीतारमण

बीएचयू में मुत्तुस्वामी दीक्षितर की 250वीं जयंती पर वित्त मंत्री ने किया संबोधित



वाराणसी, एजेंसी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि नई पीढ़ी को अपनी जड़ों, भाषा और शास्त्रीय परंपराओं की ओर लौटना चाहिए। भारत की विविधता और एकता को बनाए रखने के लिए अपनी सांस्कृतिक विरासत को समझना और उसे अगली पीढ़ी तक पहुंचाना बेहद जरूरी है। उन्होंने युवाओं और विद्यार्थियों से भारतीय शास्त्रीय संगीत की गहराइयों को समझने तथा देश की गौरवशाली परंपराओं को सहेजने का आह्वान किया।

केंद्रीय वित्त मंत्री मंगलवार को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के स्वतंत्रता भवन सभागार में कर्नाटक संगीत के महान संगीतकार मुत्तुस्वामी दीक्षितर की 250वीं जयंती पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रही थीं। इस अवसर पर उन्होंने महान संगीतकार के सम्मान में 250 रुपये के स्मारक सिक्के का लोकार्पण किया। कार्यक्रम का आयोजन आईआईटी बीएचयू के भारतीय ज्ञान परंपरा उत्कृष्टता केंद्र (सीओई-आईकेएस) की ओर से किया गया। वित्त मंत्री ने बीएचयू के कुलपति प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया।

दीक्षितर की रचनाओं में भारतीय तीर्थों और मंदिरों का जीवंत चित्रण

निर्मला सीतारमण ने मुत्तुस्वामी दीक्षितर की संगीत रचनाओं की विशिष्टता, आध्यात्मिकता और विद्वत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनकी कृतियां केवल संगीत रचनाएं नहीं हैं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक और भौगोलिक विरासत का विस्तृत परिचय भी कराती हैं। उन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से देश के विभिन्न तीर्थस्थलों और मंदिरों की विशेषताओं को स्वर दिया।

राजनाथ ने रक्षा पैनल में कहा- नए दौर में युद्ध के लिए आधुनिक सेना जरूरी

जैसलमेर, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को राजस्थान के जैसलमेर में रक्षा मंत्रालय की सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में उन्होंने साफ कहा कि बदलते वैश्विक सुरक्षा माहौल में सशस्त्र बलों का तेजी से आधुनिकीकरण बेहद जरूरी है। उन्होंने सरकार की पहलों, वित्तीय संसाधनों, तकनीक और नए सैन्य ढांचे पर विस्तार से चर्चा की। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, रक्षा



सचिव राजेश कुमार सिंह, तीनों सेनाओं के उप-प्रमुख, वरिष्ठ अधिकारी और विभिन्न राजनीतिक दलों के सांसद मौजूद रहे। इनमें तरुण चुघ, संदीप पाठक, पवन खेड़ा, तिरुचि शिवा, सुदीप बंद्योपाध्याय, सौगत रॉय और नवीन जिंदल शामिल थे। रक्षा मंत्री ने कहा, 'आज की बैठक का मुख्य फोकस सशस्त्र बलों का आधुनिकीकरण है। बदलती वैश्विक परिस्थितियों ने हमारी सुरक्षा प्राथमिकताओं को और महत्वपूर्ण बना दिया है। ड्रोन, मिसाइल और एयर डिफेंस सिस्टम की भूमिका तेजी से बढ़ रही है। हमारी सेना को भविष्य के लिए तैयार रहना चाहिए। राजनाथ सिंह ने आधुनिकीकरण के तीन अहम स्तंभ वित्तीय संसाधन, तकनीक और निजी क्षेत्र की भागीदारी, मानव संसाधन और नए सैन्य ढांचे को बताया।

रणनीतिक स्वायत्तता पर जोर

रक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया, 'आधुनिकीकरण का मतलब सिर्फ नए हथियार खरीदना नहीं है। इसका मतलब है बलों की युद्ध-तैयारी मजबूत करना, उन्हें आधुनिक तकनीक से लैस करना और देश के भीतर ऐसी क्षमताएं विकसित करना जिन पर लंबे समय तक भरोसा किया जा सके। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए रणनीतिक स्वायत्तता और स्वदेशी तकनीकी क्षमताएं बेहद जरूरी हैं।'

पंचायतों की योजनाओं का लाभ देने बदलेगा तरीका आधार की जगह अब वोटर आईडी होगा अहम

गंगटोक, एजेंसी

केंद्र सरकार पंचायत राज से जुड़ी योजनाओं में लाभार्थियों की पहचान का तरीका बदलने की तैयारी कर रही है। अब सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए आधार कार्ड को पहचान का प्राथमिक दस्तावेज नहीं माना जाएगा। इसकी जगह वोटर आईडी कार्ड यानी एपिक नंबर को पहचान का आधार बनाया जाएगा। लाभार्थियों को इसके साथ बायोमेट्रिक सत्यापन भी कराना होगा। केंद्रीय पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने मंगलवार को इसकी



जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नई व्यवस्था के तहत इसी पहचान के आधार पर लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं का भुगतान किया जाएगा। मंत्री ने गंगटोक में मीडिया से बातचीत के दौरान इस बदलाव की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पंचायत राज से जुड़ी योजनाओं में आधार को पहचान का प्राथमिक माध्यम नहीं माना जाएगा। लाभार्थियों को अपना वोटर आईडी नंबर यानी एपिक देना होगा। पहचान की पुष्टि के लिए बायोमेट्रिक सत्यापन भी जरूरी होगा। इसी जानकारी के आधार पर लाभार्थियों की पहचान और भुगतान किया जाएगा।

देश की अदालतों में मुकदमों की पहचान होगी आसान : सुको

एक समान न्यायिक व्यवस्था की मांग ई-कमेटी तक पहुंची

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक याचिकाकर्ता को अनुमति दी कि वह देश भर के हाई कोर्ट में मामलों के नामकरण, पंजीकरण की प्रक्रियाओं और न्यायिक शब्दावली में एकरूपता लाने के लिए कोर्ट की ई-समिति को अपना पक्ष (रिप्रेजेंटेशन) सौंप सकता है। कोर्ट ने कहा कि न्यायिक आंकड़ों

तक पहुंच को बेहतर बनाने के लिए सुप्रीम कोर्ट की ई-समिति पहले से ही मामलों के वर्गीकरण को मानकीकृत (स्टैंडर्डाइज) करने की पहल पर काम कर रही है। इसे देखते हुए सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची तथा जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने इस मुद्दे पर अश्विनी उपाध्याय द्वारा दायर जनहित याचिका (पीआईएल) पर न्यायिक पक्ष से सुनवाई करने से इनकार कर दिया।

केंद्र और बिहार सरकार के बीच हुआ एमओयू

नदियों से निकली 243 लाख घन मीटर गाद से बनेंगी सड़कें

नई दिल्ली,एजेंसी

बिहार में नदियों की जल-वहन क्षमता बढ़ाने और बाढ़ के जोखिम को कम करने के साथ राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण में गाद का उपयोग होगा। इसके लिए केंद्र सरकार और बिहार सरकार के बीच मंगलवार को समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में हुई इस पहल के तहत राज्य की 16 निर्माणाधीन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में नदियों से निकाली गई 243 लाख घन मीटर गाद का नि:शुल्क उपयोग किया जाएगा। भविष्य की 27 परियोजनाओं में भी अनुमानित 835 लाख घन मीटर गाद के उपयोग का प्रस्ताव है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की उपस्थिति में यहां आज ताज होटल में आयोजित कार्यक्रम नदी से गाद निकालने और राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण में उसके उपयोग को लेकर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।इस अवसर पर एनएचएआई के चेयरमैन संतोष कुमार यादव, महानिदेशक सुदीप चौधरी, एनएचएआईडीसीएल के प्रबंध निदेशक कृष्ण कुमार तथा बिहार सरकार के सचिव पंकज पाल और अतुल कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।



केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार, इस पहल को 'नदी संजीवनी

नदी पुनर्जीवन, सड़क नवनिर्माण' नाम दिया गया है। इसके तहत नदियों से गाद निकालकर उनकी जल-वहन क्षमता में सुधार किया जाएगा। निकाली गई उपयुक्त गाद का इस्तेमाल राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण में किया जाएगा। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) आधुनिक और वैज्ञानिक तरीकों से गाद निकासी की प्रक्रिया का नेतृत्व करेगा। बिहार में इस समय एनएचएआई की 1,561 किलोमीटर लंबाई की 39 परियोजनाएं 58,340 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन हैं।

मन की शांति में ही जीवन की सच्ची समृद्धि

जीवन की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि मनुष्य ने संसार को सुविधाओं से भर दिया, लेकिन स्वयं के भीतर सुकून के लिए जगह कम कर ली। आज हमारे पास समय बचाने के असंख्य साधन हैं, पर समय का अभाव है, संवाद के अनगिनत माध्यम हैं, पर आत्मीयता का अकाल है, भौतिक समृद्धि के नए प्रतिमान हैं, लेकिन मानसिक शांति निरंतर दूर होती जा रही है। आधुनिक मनुष्य की इस विरोधाभासी स्थिति का सबसे बड़ा नाम है-तनाव। तनाव अब केवल मन की बेचैनी नहीं, बल्कि हमारे समय की एक गंभीर सामाजिक, पारिवारिक, आर्थिक और वैश्विक चुनौती बन चुका है। इसी चुनौती के प्रति चेतना जगाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय तनाव जागरूकता दिवस मनाया जाता है। वर्ष 2026 में इसकी थीम है- ''तनाव-मुक्ति और कल्याण के भविष्य को आकार देना तथा कार्यस्थल को फिर से मानवीय बनाना।'' यह विषय हमें याद दिलाता है कि कार्यस्थल केवल उत्पादन और उपलब्धियों का केंद्र नहीं, बल्कि मनुष्य की संवेदनाओं, गरिमा और मानसिक स्वास्थ्य का भी स्थान होना चाहिए। आज का मनुष्य सुबह आंख खुलने से लेकर रात आंख बंद होने तक एक अदृश्य दौड़ में शामिल है। नौकरी की असुरक्षा, व्यवसाय की प्रतिस्पर्धा, आर्थिक अपेक्षाएं, पारिवारिक जिम्मेदारियां, बच्चों की शिक्षा, युवाओं के भविष्य की चिंता, बुजुर्गों का अकेलापन और सामाजिक प्रतिष्ठा बनाए रखने का दबाव उसके मन को लगातार मथता रहता है। शिक्षा के क्षेत्र में अंक और प्रतियोगिता बच्चों के बचपन पर भारी पड़ रहे हैं। कार्यस्थलों पर लक्ष्य, समय-सीमा और प्रदर्शन का दबाव व्यक्ति को मशीन में बदलने लगा है। परिवारों में संवाद की जगह मोबाइल ने और आत्मीयता की जगह औपचारिकताओं ने ले ली है।

इस व्यक्तिगत तनाव के ऊपर वैश्विक परिस्थितियों का बोझ भी कम नहीं है। युद्ध, आतंकवाद, हिंसा, राजनीतिक अस्थिरता, आर्थिक अनिश्चितता, जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और प्राकृतिक आपदाओं की खबरें मनुष्य के भीतर भय और असुरक्षा का वातावरण निर्मित करती हैं। दुनिया के किसी कोने में होने वाला संघर्ष अब केवल उस क्षेत्र की समस्या नहीं रहता, बल्कि संचार माध्यमों के कारण पूरी मानवता की



सामूहिक चिंता बन जाता है। इस प्रकार तनाव की सीमाएं घर की चारदीवारी से निकलकर राष्ट्रों और महाद्वीपों तक फैल गई हैं। तनाव को यदि समय रहते समझा और नियंत्रित नहीं किया जाए तो यह शरीर और मन दोनों की कार्यक्षमता को प्रभावित कर सकता है। लगातार तनाव से नींद में गड़बड़ी, उच्च रक्तचाप, हृदय संबंधी समस्याएं, पाचन संबंधी परेशानियां, चिड़चिड़ापन, अवसाद और एकाग्रता में कमी जैसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। तनाव मनुष्य की निर्णय क्षमता को कमजोर करता है और उसके संबंधों में कटुता घोल देता है।

आजम खान की गिरफ्तारीः कानून का तकाजा या सियासी टकराव का नया अध्याय?

जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद आजम खान को गाजियाबाद की विशेष पीएमएलए अदालत ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। उन्हें डासना जेल में रखा जाएगा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) अब उनसे पुलिस कस्टडी में पूछताछ के लिए रिमांड लेने की तैयारी कर रहा है। जांच एजेंसी का आरोप है कि जौहर यूनिवर्सिटी के निर्माण और उसके वित्तीय प्रबंधन में सरकारी धन के कथित दुरुपयोग तथा वित्तीय अनियमितताओं की आशंका है। आजम खान की गिरफ्तारी ने एक बार फिर देश की राजनीति में जांच एजेंसियों की भूमिका, राजनीतिक जवाबदेही और कानून के निष्पक्ष इस्तेमाल को लेकर बहस छेड़ दी है। लोकतंत्र में कानून का शासन सर्वोपरि होता है। किसी व्यक्ति का राजनीतिक कद कितना भी बड़ा क्यों न हो, यदि उसके विरुद्ध वित्तीय अनियमितताओं या भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं तो जांच होनी चाहिए। सार्वजनिक जीवन में रहने वाले व्यक्तियों की जवाबदेही आम नागरिकों से कम नहीं, बल्कि अधिक होनी चाहिए। लेकिन इसके साथ ही यह भी उतना ही आवश्यक है कि जांच की प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और संविधान की मर्यादाओं के अनुरूप हो। किसी व्यक्ति को राजनीतिक पहचान के आधार पर न तो अपराधी माना जा सकता है और न ही राजनीतिक सहानुभूति के आधार पर आरोपों से मुक्त किया जा सकता है।



आजम खान उत्तर प्रदेश की राजनीति का एक चर्चित और प्रभावशाली चेहरा रहे हैं। रामपुर की राजनीति से राष्ट्रीय स्तर तक अपनी पहचान बनाने वाले आजम खान समाजवादी पार्टी के प्रमुख नेताओं में शामिल रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री और सांसद के रूप में उनकी राजनीतिक भूमिका भी महत्वपूर्ण रही है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में उनके विरुद्ध दर्ज विभिन्न मुकदमों और कानूनी कार्रवाइयों ने उनके राजनीतिक जीवन को लगातार प्रभावित किया है। अब जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की कार्रवाई ने उनके सामने एक नई कानूनी चुनौती खड़ी कर दी है। इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि आजम

सौरभ वार्ष्णेय

खान लगभग 11 महीने जेल में रहने के बाद शनिवार को रामपुर जेल से बाहर आए थे। लेकिन उनकी रिहाई की खुशी अधिक समय तक नहीं टिक सकी और प्रवर्तन निदेशालय ने उन्हें दूसरे मामले में हिरासत में ले लिया। रविवार को गाजियाबाद की विशेष अदालत ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अब ईडी उनसे जौहर यूनिवर्सिटी की स्थापना, उसके निर्माण में इस्तेमाल धन, फंडिंग के स्रोत और कथित मनी ट्रेल के संबंध में पूछताछ करना चाहती है। यह पूरा घटनाक्रम कई गंभीर सवाल खड़े करता है।

सबसे पहला सवाल जौहर यूनिवर्सिटी के वित्तीय प्रबंधन का है। किसी भी शैक्षणिक संस्थान की स्थापना और संचालन के लिए धन की आवश्यकता होती है। यदि किसी संस्थान को सरकारी सहायता, निजी दान या अन्य वित्तीय स्रोतों से धन मिला है तो उसका पूरा हिसाब-किताब सार्वजनिक और कानूनी मानकों के अनुरूप होना चाहिए। आखिर धन कहां से आया, किस उद्देश्य से प्राप्त हुआ और उसका उपयोग किन कार्यों में किया गया? इन सवालों का जवाब दस्तावेजों और वित्तीय साक्ष्यों के आधार पर सामने आना चाहिए। यदि सरकारी धन के दुरुपयोग या अवैध लेन-देन के प्रमाण मिलते हैं तो दोषियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन केवल आरोपों के आधार पर किसी को दोषी ठहराना न्याय के सिद्धांतों के विरुद्ध होगा। दूसरा महत्वपूर्ण प्रश्न जांच एजेंसियों की निष्पक्षता और उनकी कार्यप्रणाली से जुड़ा है। पिछले कुछ वर्षों में विपक्षी दलों के अनेक नेताओं पर केंद्रीय जांच एजेंसियों की कार्रवाई को लेकर राजनीतिक विवाद सामने आते रहे हैं। विपक्ष अक्सर आरोप लगाता है कि जांच एजेंसियों का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों को दबाने के लिए किया जा रहा है, जबकि सरकार और जांच एजेंसियां इन कार्रवाइयों को कानून के तहत की गई जांच बताती हैं। ऐसे में जनता के मन में उठने वाले संदेहों को दूर करना भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की जिम्मेदारी है। इसका सबसे प्रभावी तरीका यही है कि जांच एजेंसियां अपने प्रत्येक कदम को ठोस साक्ष्यों और कानूनी प्रक्रिया के आधार पर उचित ठहराएं। आजम खान के मामले में भी समाजवादी पार्टी की ओर से राजनीतिक प्रतिशोध के आरोप लगाए जा सकते हैं, लेकिन इन आरोपों की सत्यता का फैसला अदालत और उपलब्ध साक्ष्य ही करेंगे। इसी तरह ईडी के आरोपों को भी अंतिम न्यायिक निष्कर्ष नहीं माना जा सकता। जांच और मुकदमे के बीच अंतर समझना जरूरी है। न्यायिक हिरासत में भेजे जाने का अर्थ दोष सिद्ध होना नहीं है। भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को निष्पक्ष सुनवाई और कानूनी बचाव का अधिकार देता है। आजम खान को भी यह अधिकार पूरी तरह मिलना चाहिए।

इस प्रकरण का एक व्यापक पक्ष शिक्षा और सार्वजनिक संस्थानों की विश्वसनीयता से भी जुड़ा है। जौहर यूनिवर्सिटी जैसे संस्थान केवल किसी व्यक्ति या राजनीतिक दल की संपत्ति नहीं होते, बल्कि उनसे हजारों विद्यार्थियों और कर्मचारियों का भविष्य जुड़ा होता है। यदि वित्तीय अनियमितताओं के कारण किसी विश्वविद्यालय की गतिविधियां प्रभावित होती हैं तो सबसे अधिक नुकसान विद्यार्थियों को उठाना पड़ता है। इसलिए जांच के दौरान यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि शिक्षा व्यवस्था और विद्यार्थियों के हित अनावश्यक रूप से प्रभावित न हों।

किसान परिवारों के लिए पुरस्कारों की घोषणा उनकी प्रतिभा को पहचान देने वाली पहल

सीएम डॉ. मोहन यादव की अनूठी पहल ने किसान पुत्रों का जीता दिल, वीर भारत न्यास ने रचा सम्मान का नया अध्याय

जाहिद हुसैन

मध्यप्रदेश के 70वें स्थापना दिवस पर एक ऐसी पहल सामने आई, जिसकी कल्पना शायद ही किसी किसान ने कभी की होगी। जिस सरकार से किसान अपनी फसल, सिंचाई, खाद-बीज और खेती की लागत से जुड़ी समस्याओं के समाधान की अपेक्षा करता है, उसी सरकार की पहल पर अब किसान के ज्ञान को भी सम्मान मिल रहा है। वह भी ऐसा सम्मान, जिसमें पुरस्कार के रूप में ट्रैक्टर, बुलेट मोटरसाइकिल और ई-स्कूटी जैसे आकर्षक उपहार शामिल हैं।

खेती-किसानी के लिए संघर्ष करने वाले किसान परिवारों के लिए यह केवल पुरस्कारों की घोषणा नहीं, बल्कि उनके ज्ञान, प्रतिभा और स्वाभिमान को पहचान देने वाली पहल है।

मध्यप्रदेश में अनेक मुख्यमंत्री हुए। किसानों के हितों की चिंता करने वाले नेतृत्व ने खेती-किसानी के लिए योजनाएं बनाईं, सुविधाएं दीं और उनके जीवन को बेहतर बनाने के प्रयास किए। लेकिन किसानों के लिए एक ऐसी प्रतियोगिता आयोजित करना, जिसमें भाग लेकर वे अपने ज्ञान के बल पर बड़े पुरस्कार जीतने का अवसर प्राप्त करें, निश्चित रूप से एक अलग सोच का परिचायक है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस दिशा में अपनी विशिष्ट पहल से ध्यान आकर्षित किया है।

किसान पुत्रों के लिए भी होगी क्विज, यह किसने सोचा था!

आमतौर पर क्विज प्रतियोगिताओं का नाम आते ही स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थी, सामान्य ज्ञान की परीक्षाएं और पुरस्कारों की कल्पना सामने आती है। लेकिन खेती-किसानी में जुटे किसान और उनके परिवारों के युवा भी ज्ञान की ऐसी प्रतियोगिता का हिस्सा बनेंगे, यह विचार अपने आप में अभिनव है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता वाले वीर भारत न्यास ने किसान कल्याण स्वाभिमान पर्व के अंतर्गत प्रदेश के किसानों के लिए ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता आयोजित की। इसका उद्देश्य किसानों को जानकारी और जागरूकता से जोड़ने के साथ उनकी सहभागिता को प्रोत्साहित करना भी था। इस पहल ने किसान पुत्रों को यह अवसर दिया कि वे अपनी जानकारी परखें, प्रतियोगिता में भाग लें और अपनी प्रतिभा के बल पर सम्मान प्राप्त करें।

प्रतियोगिता में करीब 40 हजार किसानों ने हिस्सा लिया। 24 प्रश्नों की इस क्विज में 15,298 प्रतिभागियों ने पूरे अंक हासिल किए। इसके बाद लॉटरी के माध्यम से 165 विजेताओं का चयन किया गया। इनमें 55 किसानों को ट्रैक्टर, 55 को बुलेट मोटरसाइकिल और 55 को ई-स्कूटी प्रदान की जाएगी।

पुरस्कार नहीं, किसान के आत्मविश्वास का सम्मान

जरा उस किसान परिवार की कल्पना कीजिए, जिसके लिए ट्रैक्टर खरीदना एक बड़ा आर्थिक निर्णय होता है। उस युवा की खुशी का अनुमान लगाइए, जिसे बुलेट या ई-स्कूटी जैसा पुरस्कार जीतने का अवसर मिलता है।



उसके लिए यह सिर्फ एक वाहन प्राप्त करने की बात नहीं, बल्कि इस एहसास की बात भी है कि उसकी जानकारी और उसकी भागीदारी का भी मूल्य है।

यही इस पहल की सबसे बड़ी खूबी है। सरकारें अक्सर किसानों को लाभार्थी के रूप में देखती हैं, लेकिन यहां किसान को एक प्रतियोगी के रूप में सामने लाया गया है। उसे अपनी योग्यता प्रदर्शित करने का अवसर मिला है और उसके ज्ञान को बड़े पुरस्कारों से जोड़कर प्रोत्साहित किया गया है।

निश्चित रूप से, किसी भी प्रतियोगिता में पुरस्कार जीतने वाले सीमित होते हैं, लेकिन ऐसी पहल से पैदा होने वाला उत्साह कहीं अधिक व्यापक हो सकता है। प्रदेश के हजारों किसान इस प्रक्रिया से जुड़े। उन्होंने सवालों के जवाब दिए, अपनी जानकारी परखी और एक ऐसी गतिविधि का हिस्सा बने, जिसमें किसान स्वयं केंद्र में था।

मोहन यादव की सोच में क्यों दिखती है अलग बात?: डॉ. मोहन यादव की इस पहल का महत्व केवल इसलिए नहीं है कि इसमें महंगे पुरस्कार दिए जा रहे हैं। इसका महत्व इस बात में है कि खेती-किसानी को लेकर सरकारी सोच में जागरूकता, ज्ञान और सहभागिता को भी स्थान दिया जा रहा है। किसान को केवल सहायता प्राप्त करने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि जानकारी से संपन्न, जागरूक और विकास की प्रक्रिया में भागीदार नागरिक मानना एक सकारात्मक दृष्टिकोण है।

वीर भारत न्यास ने इस आयोजन के माध्यम से किसानों को एक मंच पर जोड़ने का प्रयास किया है। ऐसी पहलें यदि निरंतर आगे बढ़ती हैं, तो किसानों को सरकारी योजनाओं, कृषि संबंधी जानकारियों और नई संभावनाओं से जोड़ने के लिए भी उपयोगी माध्यम बन सकती हैं।

स्थापना दिवस पर किसानों के नाम एक अलग संदेश

मध्यप्रदेश का 70वां स्थापना दिवस प्रदेश की सात दशक की विकास यात्रा को याद करने का अवसर है। इस यात्रा में किसान का योगदान सबसे महत्वपूर्ण रहा है। खेतों में पसीना बहाने वाले अन्नदाताओं ने प्रदेश की अर्थव्यवस्था, खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण जीवन को आधार दिया है। इसलिए स्थापना दिवस पर किसानों के सम्मान से जुड़ी यह पहल एक विशेष संदेश देती है कि प्रदेश का विकास तभी सार्थक है, जब उसके अन्नदाता और उनके परिवार भी इस विकास यात्रा में सम्मानित भागीदार बनें।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता वाले वीर भारत न्यास ने किसानों के ज्ञान को प्रोत्साहन देकर सम्मान की एक नई परिकल्पना प्रस्तुत की है। ट्रैक्टर, बुलेट और ई-स्कूटी जैसे पुरस्कारों ने इसे आकर्षक बनाया, लेकिन इसकी असली उपलब्धि किसानों को यह अनुभव कराना है कि वे भी ऐसी प्रतियोगिताओं के केंद्र में हो सकते हैं, जिनकी कल्पना अब तक उनके जीवन से दूर मानी जाती थी। किसान के पसीने का सम्मान तो बहुत हुआ, अब उसके ज्ञान का सम्मान भी जरूरी है। मध्यप्रदेश के 70वें स्थापना दिवस पर सामने आई यह पहल इसी विचार को आगे बढ़ाती है।

प्रधानमंत्री ने भारत नवीकरणीय ऊर्जा शिखर सम्मेलन एवं एक्सपो 2026 का किया उद्घाटन

विनोद कुमार सिंह

स्वच्छ ऊर्जा के वैश्विक नेतृत्व की ओर भारत की निर्णायक उड़ान,निवेश, नवाचार और तकनीकी आत्मनिर्भरता के त्रिकोण से विकसित भारत का ऊर्जा संकल्प, वैश्विक सहयोग को नई दिशा देने की तैयारी ऊर्जा किसी भी राष्ट्र की आर्थिक प्रगति, औद्योगिक विकास और सामाजिक समृद्धि का आधार होती है। आधुनिक युग में किसी देश की विकास क्षमता का आकलन केवल उसके सकल घरेलू उत्पाद या औद्योगिक उत्पादन से नहीं, बल्कि इस बात से भी किया जाता है कि वह अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं को किस सीमा तक सुरक्षित, सुलभ और पर्यावरण के अनुकूल बना सकता है। जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ते दबाव, जीवाश्म ईंधन की कीमतों में उतार-चढ़ाव और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की अनिश्चितताओं ने दुनिया को वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की ओर गंभीरता से सोचने के लिए विवश किया है। ऐसे समय में भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा को अपनी विकास नीति और ऊर्जा सुरक्षा का प्रमुख आधार बनाया है। इसी दिशा में नई दिल्ली के भारत मंडपम में 2 से 5 नवंबर 2026 तक आयोजित भारत नवीकरणीय ऊर्जा शिखर सम्मेलन एवं एक्सपो 2026 महत्त्वपूर्ण वैश्विक पहल के रूप में सामने आया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2 नवंबर को इस चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। 'निवेश करें, नवाचार करें, प्रेरित करें' इसकी केंद्रीय थीम है। यह आयोजन भारत की उपलब्धियों को दुनिया के सामने रखने के साथ स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश, तकनीकी साझेदारी और औद्योगिक विकास की नई संभावनाएँ खोलने का मंच बन रहा है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने आज के आधिकारिक वक्तव्य में भारत के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन की गति और सौर ऊर्जा की बढ़ती भूमिका को रेखांकित किया है। प्रधानमंत्री ने कहा, ÷भारत का स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन गति पकड़ रहा है और देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में सौर ऊर्जा की भूमिका बढ़ रही है।÷ उन्होंने छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्रों के विस्तार, ऊर्जा भंडारण और पारेषण में निवेश के महत्त्व को भी रेखांकित किया। प्रधानमंत्री के अनुसार यह परिवर्तन बिजली के बिल कम करने, रोजगार के अवसर पैदा करने और ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने में सहायक है। उन्होंने यह टिप्पणी केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी और माइक ब्लूमबर्ग के उस आलेख को साझा करते हुए की, जिसमें भारत की सौर ऊर्जा यात्रा और स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र की संभावनाओं का उल्लेख है। यह कथन भारत की ऊर्जा नीति के तीन महत्त्वपूर्ण पक्षों को सामने लाता है। पहला, स्वच्छ ऊर्जा का विस्तार; दूसरा, आम नागरिकों को उसका लाभ; और तीसरा, ऊर्जा क्षेत्र में निवेश तथा रोजगार के अवसरों का निर्माण। वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती भागीदारी भारत नवीकरणीय ऊर्जा शिखर सम्मेलन की व्यापकता इसकी अंतरराष्ट्रीय भागीदारी से स्पष्ट होती है। इसमें 130 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों, 40 से अधिक मंत्रियों, नीति-निर्माताओं, निवेशकों, वित्तीय संस्थानों और उद्योग जगत के प्रमुख व्यक्तियों की भागीदारी हो रही है। ऑस्ट्रेलिया, डेनमार्क, यूरोपीय संघ, फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड, नॉर्वे, स्वीडन और ब्रिटेन भागीदार देशों के रूप में शामिल हैं।

फीचर



महिलाओं को राशि के अनुसार दें उपहार

हर राशि की महिला का अपना अलग स्वभाव व पसंद होती है। इसलिए महिलाओं को उनकी पसंद के अनुसार उपहार दिये जाने चाहिये। ऐसे में अगर आप किसी लड़की को उसकी पसंद के कपड़े या फैशन की कोई वस्तु देना चाहते हैं, तो उसकी राशि के अनुसार ही दें।

इसमें सिर्फ कपड़े ही नहीं अन्य सभी समान भी आते हैं। राशियों के अनुसार महिलाओं की पसंद ऐसी होती है। मेष राशि- मेष राशि वाली महिलाओं में एक खास खूबी होती है। यह किसी भी नए फैशन ट्रेंड को अपनाने में सबसे आगे रहती हैं। फिर बात चाहे नए तरह के बैग खरीदने की हो या फिर दोस्तों के बीच फैशनेबल दिखने की। मेष राशि की महिलाएं नए ट्रेंड को लेकर काफी साहसी भी होती हैं और नए स्टाइल को लेकर इनमें किसी तरह की झिझक नहीं होती है। इस राशि की महिलाएं लाल रंग को पसंद करती हैं और अपने लुक को बेहतर बनाने के लिए चमकदार एसेसरीज को अधिक तवज्जो देती हैं। वृष राशि- इस राशि की महिलाएं ब्रांड और लेबल को लेकर बेहद सजग होती हैं। यह ब्रांडेड और गुणवत्तायुक्त कपड़े खरीदना ही पसंद करती हैं। मिथुन राशि- इस राशि की महिलाएं काफी मजाकिया और प्यार के प्रति संवेदनशील होने के साथ ही अपने अजीबो-गरीब फैशन सेंस के लिए जानी जाती हैं। वह सीजन के साथ बदलते फैशन ट्रेंड को पसंद करती हैं। साथ ही नए तरह के लुक और अलग स्टाईल को भी प्रचलन में लाती हैं और बाद में उन्हें अपना खुद का फैशन बताने लगती हैं। कर्क- कर्क राशि की महिलाएं परंपरागत और आरामदायक वस्त्रों को पसंद करती हैं। रूढ़ीवादी पसंद के बावजूद इस राशि की महिलाएं अपनी त्वचा पर विशेष ध्यान देती हैं। इस राशि की महिलाएं किसी भी ट्रेंड को ज्यादा समय तक नहीं अपनाती हैं और इनकी पसंदीदा एसेसरीज नेकलेस और मोती है। सिंह राशि- इस राशि की महिलाएं लक्जरी को पसंद करती हैं। इनके लिए यह जरूरी नहीं कि कपड़े और एसेसरीज महंगे ही हो, पर वह विशिष्ट जरूर हों।

प्रेरणा

गहराई में जाएं

गुरू के पास तीन शिष्य आए, बोले, गुरूदेव! हम साधना करना चाहते हैं। कोई साधना का सूत्र बताएं। गुरू ने सोचा, साधना का सूत्र बताने से पहले परीक्षा कर ली जाए। गुरू ने तीनों से एक प्रश्न पूछा, आंख और कान में कितना अंतर है। पहला व्यक्ति बोला, चार अंगुल का। दूसरे ने कहा, कान से आंख ज्यादा काम आती है। आंखों देखी बात बहुत स्पष्ट होती है। आंखों देखी और कानों सुनी बात में बहुत अंतर होता है। तीसरे का जवाब था, आंख से हम देख सकते हैं, किन्तु परमार्थ की बात कान से ही सुन सकते हैं। गुरू ने पहले व्यक्ति से कहा, तुम अभी व्यापार करो। तुम्हारा नाप-जोख में रस है। तुम साधना के अधिकारी नहीं हो। दूसरे व्यक्ति से कहा, तुम अभी न्याय का काम करो। लोगों के झगड़े सुलझाओ। आंख द्वारा देखे गए प्रमाण ज्यादा सच होते हैं। तीसरे व्यक्ति से कहा, तुम साधना के योग्य हो। मैं तुम्हें आत्मिक ज्ञान दूंगा, क्योंकि तुम परमार्थ की बात में रस लेते हो। यही कान, यही आंख सबके पास है। यदि आंख सच्चाई को देखने लग जाए, कान परमार्थ की बात को सुनने लग जाए तो नई बातें हमें प्राप्त हो सकती हैं। इसके लिए हमें गहराई में जाना होगा। सतह पर रहने से काम नहीं चलेगा। यदि हम अध्यात्म चिकित्सा या भाव चिकित्सा के क्षेत्र में प्रयोग प्रस्तुत करें तो अध्यात्म की उपयोगिता बढ़ेगी, यह विश्वास प्रबल होता है। यह भौतिकता का नहीं, अध्यात्म का भी एक साम्राज्य है और उसके बिना मनुष्य सुख और शांति का जीवन जी नहीं सकता।



अपनी बात



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत टीआई के परिवार के लिए बड़ी आर्थिक सहायता और राहत का ऐलान किया है। मुख्यमंत्री ने एक्स के माध्यम से जानकारी दी कि राज्य सरकार दिवंगत टीआई दिलीप पुरी के परिवार को 1 करोड़ की आर्थिक सहायता (मुआवजा) प्रदान करेगी। इसके साथ ही उनकी पत्नी को एसआई के पद पर अनुकंपा नियुक्ति दी जाएगी।



गृह मंत्री अमित शाह ने कहा-कांग्रेस देश की मतदाता सूची से बांग्लादेशी घुसपैठियों को बचाना चाहती है, क्योंकि ये उनका मुख्य वोट बैंक हैं। शाह ने स्पष्ट किया कि राहुल गांधी जितना चाहें जोर लगा लें, लेकिन भाजपा देश और मतदाता सूची से एक-एक घुसपैठिए को बाहर निकालकर ही दम लेगी। शाह ने कहा-भाजपा 2014 और 2019 में बिना एसआईआर के जीती, और 2024 के बाद महाराष्ट्र, हरियाणा, बिहार, बंगाल और असम जैसे राज्यों में भी विजय हासिल की।

बदलते मौसम में मौसमी बीमारियों का खतरा बढ़ा

वेब वार्ता, नई दिल्ली

बारिश और ठंडी हवाओं के चलते मौसम में अचानक आए बदलाव से मौसमी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। खांसी, जुकाम, वायरल बुखार, ब्रोंकाइटिस और अस्थमा के मरीजों की परेशानी बढ़ रही है। वहीं, डेंगू का संक्रमण भी चिंता का विषय बना हुआ है। पूर्वी दिल्ली के जीटीबी, स्वामी दयानंद, राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी और जग प्रवेश चंद्र समेत अन्य अस्पतालों में ऐसे मरीजों की संख्या बढ़ रही है।

जीटीबी अस्पताल के अतिरिक्त चिकित्सा अधीक्षक डॉ. प्रवीण कुमार के अनुसार, तापमान में अचानक गिरावट से शरीर को मौसम के अनुरूप ढलने में परेशानी होती है। इसका असर बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों पर अधिक पड़ता है। मधुमेह, ब्लड प्रेशर और सांस संबंधी बीमारियों से पीड़ित मरीज विशेष सावधानी बरतें। ठंड और नमी से एलर्जी, अस्थमा और ब्रोंकाइटिस की समस्या भी बढ़ सकती है। ऐसे मरीज नियमित दवाएं लें और परेशानी बढ़ने पर डॉक्टर से संपर्क करें।

डेंगू से बचाव भी जरूरी

बारिश के बाद जमा पानी में मच्छर पनपने का खतरा बढ़ जाता है। घरों के आसपास पानी जमा न होने दें। कूलर, गमलों और टंकियों की नियमित सफाई करें। मच्छरों से बचने के लिए पूरी बाजू के कपड़े पहनें और मच्छरदानी का इस्तेमाल करें।

बचाव के लिए बरतें सावधानी

-गुनगुना पानी पीएं और पौष्टिक भोजन करें।
-बच्चों और बुजुर्गों को सुबह-शाम ठंड में बाहर जाने से बचाएं।
-लगातार खांसी, तेज बुखार या सांस लेने में परेशानी होने पर डॉक्टर को दिखाएं।
-बिना चिकित्सकीय सलाह दवा न लें।

आईआईआईटी दिल्ली के 15वें दीक्षांत समारोह को उपराज्यपाल ने किया संबोधित

तकनीक का मूल्य जीवन बेहतर बनाने में करें: संधू

वेब वार्ता, नई दिल्ली

दिल्ली के उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू ने मंगलवार को आईआईआईटी दिल्ली के 15वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डिजिटल तकनीकों का वास्तविक मूल्य लोगों का जीवन बेहतर बनाने में है। यह समारोह जीवन के एक चरण के पूरा होने और दूसरे की शुरुआत का प्रतीक है। उप-राज्यपाल संधू ने छात्रों से अर्जित ज्ञान को व्यापक दुनिया में सार्थक रूप देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बदलते तकनीकी दौर में निरंतर सीखना और ढलना सबसे बड़ी ताकत होगी। ईमानदारी और नैतिकता बनाए रखना भी जरूरी है। महत्वाकांक्षा का वास्तविक अर्थ तब बढ़ता है, जब वह किसी बड़े उद्देश्य से जुड़ती है।



इस समारोह में माइक्रोसॉफ्ट इंडिया डेवलपमेंट सेंटर के प्रबंध निदेशक राजीव कुमार मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने छात्रों को बदलाव से घबराने के बजाए उसमें अवसर तलाशने की सलाह दी। आईआईआईटी दिल्ली के निदेशक प्रो. संदीप सेन ने बताया कि संस्थान छात्रों को मजबूत शैक्षणिक आधार प्रदान करने का उद्देश्य रखता है। उन्हें प्रश्न पूछने, खोज करने और विभिन्न विषयों में समन्वय स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। प्रो. सेन ने बताया कि संस्थान आर्टिफि-शियल इंटेलिजेंस पर काम कर रहा है। एआई के प्रभावों पर विचार के लिए एक समिति भी गठित की गई है।

दूसरे वर्ष से मशीन लर्निंग कोर्स को किया अनिवार्य

संस्थान के शैक्षणिक मामलों के डीन प्रो. सुमित जे.दारक ने कहा कि दीक्षांत समारोह छात्रों द्वारा अपनी पढ़ाई, परियोजनाओं और शोध में किए प्रयासों का उत्सव है। कहा कि स्नातक की पढ़ाई करने वाले छात्रों के लिए दूसरे वर्ष में मशीन लर्निंग कोर्स को अनिवार्य कर दिया है। नैनो चिप के कार्य को लेकर पहला चरण पूरा हो गया है। अब चिप फैब्रिकेशन लगाने का कार्य होना है। हम चाहते है कि जब छात्र संस्थान से जाए तो उनके हाथ में नैनो चिप हो। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए स्पेस टेक्नोलॉजी सेंटर के संबंध में 60 फीसदी कार्य पूरा किया जा चुका है। इस मौके पर प्रोफेसर प्रवेश बियानी सहित कई दूसरे अधिकारी मौजूद रहे।

830 छात्रों को दी गई डिग्री: दीक्षांत समारोह में कुल 830 छात्रों को डिग्री दी गई। इसमें 560 बीटेक, 237 एमटेक और 33 पीएचडी डिग्री लेने वाले छात्र थे। शैक्षणिक उत्कृष्टता और शोध योगदान के लिए मेधावी छात्रों को पदक और पुरस्कार दिए गए। कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग के सौरव मेहरा और इलेक्ट्रॉनिक्स एंड वीएलएसआई इंजीनियरिंग की रिया सचदेवा को कुलाधिपति स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। एमटेक में प्रतीक पाल को स्वर्ण पदक और सर्वश्रेष्ठ शोध-प्रबंध पुरस्कार मिला। डिग्री लेने के लिए आने वाले छात्र पारंपरिक वेषभूषा में दिखे। वहीं इस समारोह में पहली बार इलेक्ट्रॉनिक्स एंड वीएलएसआई इंजीनियरिंग प्रोग्राम के छात्रों को बीटेक की डिग्री दी गई।

संक्षिप्तवार्ता

28 स्कूलों में सुरक्षित आवागमन योजना शुरू

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के 28 स्कूलों के आसपास बच्चों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए 'सेफ वॉक टू स्कूल जोन' पायलट परियोजना शुरू की गई है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने सोमवार को वसुंधरा एन्क्लेव स्थित सोमरविले स्कूल से इसका शुभारंभ किया। परियोजना के तहत स्कूलों के आसपास बेहतर फुटपाथ, सुरक्षित पैदल पार पथ, सड़क संकेतक और रिफ्लेक्टिव मार्किंग की व्यवस्था की जाएगी। वाहन चालकों को धीमी गति से चलने के लिए जागरूक किया जाएगा। इस अवसर पर अरविंदर सिंह लवली और यशपाल कैंतुरा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

नो एंट्री में 433 वाहनों के चालान

नई दिल्ली। त्योहारी सीजन में यातायात व्यवस्था सुचारु रखने के लिए मध्य रेंज में नो एंट्री नियमों का उल्लंघन करने वाले 433 वाहनों के चालान किए गए हैं। इसके अलावा 76 वाहनों के परमिट निलंबित करने की कार्रवाई शुरू की गई है। इसके लिए 12 विशेष नाके लगाए गए थे। सदर बाजार, करोल बाग और चांदनी चौक में अतिरिक्त पुलिसकर्मियों और करीब 100 होमगार्ड की तैनाती की गई है। वहीं, पिछले सप्ताह अतिक्रमण हटाने के 27 अभियान चलाकर 389 रेहड़ियां हटाई गईं और 1974 चालान किए गए। इसके अलावा 112 वाहन टो किए गए।

आज से खुलेगी जामिया की लाइब्रेरी

नई दिल्ली। जामिया मिल्लिया इस्लामिया के छात्रों के लिए एक राहत भरी खबर है। विश्वविद्यालय की डॉ. जाकिर हुसैन लाइब्रेरी (नई इमारत) के सभी रीडिंग हॉल (रिसर्च रूम सहित) और इब्ने सीना हॉल (पुरानी लाइब्रेरी इमारत) आज यानी मंगलवार से दोबारा खुलने जा रहे हैं।विश्वविद्यालय प्रशासन (पुस्तका-लयाध्यक्ष) द्वारा जारी नोटिस के

पुलिस मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन करने वाले एसीपी मानस्वी वशिष्ठ हुए निलंबित

शाहदरा थाने में वकीलों और पुलिसकर्मियों के बीच हुई झड़प के बाद की गई कार्रवाई

वेब वार्ता, नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस मुख्यालय के बाहर अपने और एक थाना प्रभारी (एसएचओ) के तबादले के विरोध में पुलिसकर्मियों के साथ प्रदर्शन करने वाले सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) मानस्वी वशिष्ठ को निलंबित कर दिया गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने दो नवंबर को देर रात निलंबन का आदेश जारी किया था। एसीपी के निलंबन के आदेश के बाद दिल्ली पुलिस मुख्यालय में मंगलवार को दिनभर सन्नाटा पसरा रहा। मंत्रालय के आदेश में कहा गया है कि चूंकि दानिप्स (2019) के एंट्री ग्रेड अधिकारी मानस्वी वशिष्ठ के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू करने पर विचार किया जा रहा है, इसलिए सक्षम प्राधिकारी ने केंद्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1965 के नियम 10 के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का आदेश दिया है। मंत्रालय ने कहा कि निलंबन की अवधि के दौरान वशिष्ठ का मुख्यालय दिल्ली रहेगा और वह सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना मुख्यालय नहीं छोड़ सकेंगे। आदेश को अत्यंत तत्काल श्रेणी में जारी किया गया है।

आहत नहीं, मजबूत हुआ हूं, सत्य की जीत होगी : मनस्वी वशिष्ठ



दिल्ली पुलिस के एसीपी मनस्वी वशिष्ठ ने मंगलवार को एक वीडियो जारी करते हुए अपने निलंबित की पुष्टि करते हुए कहा कि "मैं आहत नहीं हुआ हूं, मजबूत हो गया हूं। देश का कानून चलेगा और न्याय होगा। सत्य की जीत होगी। उन्होंने अपने समर्थकों का शुक्रिया करते हुए कहा कि हम संपर्क सभा में मिले और अपनी बातें रखी है। इन बातों पर अमल होगा और हमे रास्त मिलेगा। उल्लेखनीय है कि 23 अक्टूबर को शाहदरा थाने में वकील और पुलिस में झड़प में वकील को सिर में चोट लगी थी। इसके बाद 28 अक्टूबर को एसीपी मनस्वी और एसएचओ अरुण कुमार का तबादला कर दिया गया था, जिसके विरोध में 2 नवंबर को दिल्ली पुलिस मुख्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया था। तबादले की इस कार्रवाई के खिलाफ एसीपी मनस्वी वशिष्ठ के नेतृत्व में दिल्ली पुलिस के अनेक अधिकारी और जवान सोमवार को जय सिंह रोड स्थित दिल्ली पुलिस मुख्यालय के बाहर इकट्ठा हुए थे। वे पूर्वी दिल्ली के शाहदरा में वकीलों के साथ हाल ही में हुए टकराव के मामले में पुलिस कमिश्नर अनुराग कुमार से मिलकर अपनी बात कहना चाहते थे। प्रदर्शन के दौरान पुलिस कर्मी तबादले के आदेश को वापस लेने की मांग कर रहे थे। तबादले के दौरान उनका हेडक्वार्टर दिल्ली रहेगा और बिना अनुमति दिल्ली नहीं छोड़ सकते और इस दौरान उन्हें आधा वेतन गुजारा भत्ते के तौर पर मिलेगा।

मानस्वी वशिष्ठ और शाहदरा थाने के प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार का 28 अक्तूबर को तबादला कर दिया गया था। यह कार्रवाई शाहदरा थाने में वकीलों और पुलि-सकर्मियों के बीच हुई झड़प के बाद की गई थी। दिल्ली की सभी जिला अदालतों के बार एसोसिएशनों की समन्वय समिति के अनुसार, विवाद की शुरुआत अधिवक्ता ललित बंसल को मारपीट में सिर पर गंभीर चोट लगने की घटना से हुई थी। इस मामले में शाहदरा थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। समिति के अनुसार, 23 अक्तूबर की शाम कई वकील मामले में नामजद लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग को लेकर थाने पहुंचे थे। समिति का दावा है कि एसीपी और थाना प्रभारी ने उन्हें आश्वासन दिया था कि उस समय थाने में मौजूद आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

हालांकि, अगले दिन वकीलों को पता चला कि आरोपियों को गिरफ्तार करने के बजाय कथित तौर पर छोड़ दिया गया है। इससे बार के सदस्यों में नाराजगी पैदा हुई। समिति के अनुसार, मामले की जांच और जवाबदेही की मांग को लेकर जब वकील दोबारा थाने पहुंचे, तो पुलिस अधिकारियों और वकीलों के बीच झड़प हो गई।

दोनों अधिकारियों की पुराने पदों पर बहाली की मांग की थी: मानस्वी वशिष्ठ और अरुण कुमार के तबादले के विरोध में सोमवार को सैकड़ों पुलिसकर्मी पुलिस मुख्यालय के बाहर जमा हुए थे। प्रदर्शनकारी दोनों अधिकारियों को उनके पुराने पदों पर बहाल करने की मांग कर रहे थे।

आनंद विहार स्टेशन पर यात्री सुविधा केंद्र तैयार, अब यहीं से मिलेगी प्लेटफॉर्म पर एंट्री

-दिवाली और छठ पर जनरल टिकट के यात्रियों को पहले होल्डिंग एरिया में पहुंचना होगा

वेब वार्ता, नई दिल्ली

दिवाली और छठ पर घर जाने वाले यात्रियों को अब आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर सीधे प्लेटफॉर्म पर जाने की अनुमति नहीं होगी। जनरल टिकट पर यात्रा करने वाले यात्रियों को सबसे पहले स्टेशन पर बनाए गए स्थायी होल्डिंग एरिया यानी यात्री सुविधा केंद्र पहुंचना होगा। रेलवे ने त्योहारों के दौरान उमड़ने वाली भीड़ को नियंत्रित करने और ट्रेन में चढ़ते समय होने वाली धक्का-मुक्की रोकने के लिए यह व्यवस्था की है।

उत्तर रेलवे के अधिकारियों के अनुसार, यात्री सुविधा केंद्र का निर्माण पूरा हो चुका है। फिलहाल यहां उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसे अगले एक से दो दिनों में शुरू करने की तैयारी है। इस केंद्र में जनरल टिकट के यात्रियों के लिए टिकट खरीदने, ट्रेन का इंतजार करने और सुरक्षा जांच की व्यवस्था होगी। स्टेशन के किसी भी प्रवेश द्वार से आने वाले अनारक्षित टिकट के यात्रियों को पहले यहां पहुंचना होगा। ट्रेन आने पर सुरक्षा जांच के बाद ही उन्हें प्लेटफॉर्म पर जाने की अनुमति मिलेगी। इससे प्लेटफॉर्म पर अनावश्यक भीड़ नहीं जुटेगी और यात्रियों का आवागमन व्यवस्थित रहेगा।

टिकट के लिए 26 काउंटर और 10 एटीवीएम: यात्री सुविधा केंद्र में 14 स्थायी और 12 अस्थायी टिकट काउंटर बनाए गए हैं। इसके अलावा 10 ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन (एटीवीएम) लगाई गई हैं। यात्री इन मशीनों से स्वयं टिकट खरीद सकेंगे। त्योहारों के दौरान यात्रियों की संख्या बढ़ने पर अतिरिक्त काउंटर भीड़ को नियंत्रित करने में मदद करेंगे।

कुणाल ने कर्नाटक को दिलाया स्वर्ण

नई दिल्ली। सेस्टोबॉल खिलाड़ी कुणाल रॉय ने राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर दिल्ली का नाम रोशन किया है। वाराणसी में 31 अक्टूबर से तीन नवंबर तक आयोजित 7वीं सीनियर नेशनल सेस्टोबॉल चैंपियनशिप में कुणाल ने कर्नाटक की टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए स्वर्ण पदक जीतने में अहम भूमिका निभाई। प्रतियोगिता में उन्होंने सबसे अधिक अंक हासिल कर टॉप स्कोरर बनने का गौरव भी प्राप्त किया। कुणाल ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान शानदार खेल का प्रदर्शन किया। उनके बेहतरीन तालमेल, मेहनत और महत्वपूर्ण अंकों की बदौलत कर्नाटक की टीम ने खिताब अपने नाम किया। कुणाल का लक्ष्य अब भारतीय टीम में जगह बनाकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करना है। उनका सपना भारत के लिए सेस्टोबॉल विश्व कप जीतना है।

दिल्ली में 7000 किलो मिलावटी खोया जब्त, सीएम रेखा गुप्ता ने किया निरीक्षण

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के खाद्य सुरक्षा विभाग ने मंगलवार को मोरी गेट स्थित खोया मंडी में बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 7,000 किलो मिलावटी और दुर्गंधयुक्त खोया जब्त कर उसे उसे नष्ट किया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मौके पर पहुंचकर पूरी कार्रवाई का निरीक्षण किया।

मुख्यमंत्री ने मौके पर अधिकारियों से कार्रवाई के प्रत्येक पहलू की जानकारी ली और यह सुनिश्चित किया कि संदिग्ध खाद्य सामग्री किसी भी स्थिति में खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में शामिल होकर लोगों तक न पहुंचे। उन्होंने कहा कि सरकार जनस्वास्थ्य के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेगी। त्योहारों के समय लोगों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। मिलावटखोरी करने वाले चाहे कितने भी प्रभावशाली क्यों न हों, उन्हें कानून के दायरे में लाकर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

खाद्य सुरक्षा विभाग की इस कार्रवाई का उद्देश्य खराब और संदिग्ध खाद्य सामग्री को बाजार के माध्यम से आम लोगों तक पहुंचने से रोकना और जनस्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। मोरी गेट की खोया मंडी में खाद्य सुरक्षा विभाग का यह चौथा ऑपरेशन है। विभाग की टीम ने मोरी गेट की खोया मंडी में अभियान के दौरान 44 निगरानी नमूने एकत्र किए। इनकी मौके पर ही 'फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स' मोबाइल टेस्टिंग सुविधा के माध्यम से प्रारंभिक जांच की गई, जिसमें 35 नमूने जांच में फेल पाए गए। इसके अलावा दो अन्य नमूने भी एकत्र किए गए, जिन्हें विस्तृत जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। मौके पर की गई प्रारंभिक जांच में संदिग्ध सामग्री में दूध पाउडर, वनस्पति और बाइंडिंग के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले पदार्थों से संबंधित जानकारी सामने आई है। इन सामग्रियों के संबंध में आगे की जांच के लिए नमूने प्रयोगशाला भेजे गए हैं।

मुख्यमंत्री ने खाद्य सुरक्षा विभाग की पूरी टीम को इस कार्रवाई के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की सतर्कता, मेहनत और समय पर की गई कार्रवाई से मिलावट जैसी गतिविधियों पर रोक लगाने में मदद मिलती है। उन्होंने टीम को आगे भी इसी तत्परता और प्रतिबद्धता के साथ काम करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि दीपावली की खुशियों में मिलावट करने वालों के लिए दिल्ली में कोई जगह नहीं है। सरकार का उद्देश्य केवल मिलावटी खाद्य पदार्थों को पकड़ना नहीं, बल्कि ऐसी गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाना भी है। मुख्यमंत्री के निर्देशों पर खाद्य सुरक्षा विभाग ने त्योहारों के मद्देनजर मिलावटखोरी के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया है। विभाग की ओर से अब तक की गई कार्रवाई के



उपराज्यपाल ने दिल्ली पुलिस-कर्मियों से किया संवाद, साहस और समर्पण को सराहा

वेब वार्ता, नई दिल्ली



दिल्ली के उप-राज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने मंगलवार को 'उत्सव सदन' किंग्सवे कैंप में पुलिसकर्मियों के साथ संवाद किया। इस मौके पर दिल्ली पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार समेत पुलिस के अधिकारी और जवान मौजूद रहे। उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी को सुरक्षित रखने वाले दिल्ली पुलिस के जवानों के साहस, समर्पण और प्रतिबद्धता को सराहा।

उपराज्यपाल ने दिल्ली पुलिस को बेहतर कार्य-परिस्थितियों, कल्याणकारी उपायों और आधुनिक संसाधनों के लिए निरंतर सहयोग का आश्वासन दिया। साथ ही उनसे आग्रह किया कि वे पारंपरिक और नए तरीकों के जरिए नागरिकों के साथ अपना जुड़ाव मजबूत करें। उन्होंने कहा कि पुलिसिंग का काम केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं होना चाहिए। इसका उद्देश्य लोगों का भरोसा जीतना, उन तक पहुंच सुनिश्चित करना और हर नागरिक की सेवा सहानुभूति, संवेदनशीलता और तत्परता के साथ करना होना चाहिए। उपरा-ज्यपाल ने कहा हमारा विजन एक ऐसी दिल्ली का है, जहां हर नागरिक खुद को सुरक्षित महसूस कर सकें।

1200 नर्सों और 954 सीनियर रेजिडेंट डॉक्टरों की नियुक्ति, 415 आयुष्मान आरोग्य मंदिर शुरू

दिल्ली में बढ़ेंगी एमबीबीएस की 225 और पीजी की 209 सीटें : रेखा गुप्ता

स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए 4000 से अधिक नए पद स्वीकृत

इरशान सईद, नई दिल्ली

दिल्ली में डॉक्टरों की उपलब्धता बढ़ाने और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए मेडिकल कॉलेजों में एम-बीबीएस और पीजी की सीटों का विस्तार किया जाएगा। एमबीबीएस की सीटें 595 से बढ़ाकर 820 और पीजी की सीटें 553 से बढ़ाकर 762 की जाएंगी। इस तरह मेडिकल कॉलेजों में एमबी-बीएस की 225 और पीजी की 209 अतिरिक्त सीटें उपलब्ध होंगी। इसके साथ ही स्वास्थ्य विभाग में 4000 से अधिक नए पद स्वीकृत किए गए हैं। 1200 से अधिक नर्सों और 954 सीनियर रेजिडेंट डॉक्टरों की नियुक्ति भी की गई है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को संत परमानंद अस्पताल में नवनिर्मित अत्याधुनिक आईवीएफ सेंटर के उद्घाटन के दौरान ये जानकारियां दीं। उन्होंने कहा कि दिल्ली को बेहतर मेडिकल हब बनाने के लिए सरकारी और निजी क्षेत्र की भागीदारी जरूरी है। सरकार का जोर अस्पतालों में इलाज की सुविधाएं बढ़ाने के साथ बीमारी की रोकथाम और लोगों को घर के आसपास प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने पर भी है।इसी दिशा में दिल्ली में 415 आयुष्मान आरोग्य मंदिर और 29 जन औषधि केंद्र शुरू किए गए हैं।

सीएम ने कहा, आयुष्मान भारत योजना के तहत केंद्र सरकार के पांच लाख रुपये के स्वास्थ्य कवर में दिल्ली सरकार ने पांच लाख रुपये अतिरिक्त जोड़कर इसे 10 लाख रुपये कर दिया



है। अब तक 8.94 लाख से अधिक आयुष्मान कार्ड स्वीकृत किए जा चुके हैं। वहीं, 70 वर्ष से अधिक उम्र के 3.09 लाख से ज्यादा बुजुर्ग आयुष्मान वय वंदना योजना से जुड़े हैं। विधवा और दिव्यांग पेंशन के 5.28 लाख से अधिक लाभार्थियों और उनके परिवारों को भी योजना में शामिल किया गया है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि पांच अस्पतालों के विस्तार के लिए 503.49 करोड़ रुपये की परियोजनाएं शुरू की गई हैं। जीबी पंत अस्पताल में आधुनिक उपकरण और न्यूरो आईसीयू की सुविधाएं विकसित की गई हैं। 16 सरकारी अस्पतालों में 300 डायलिसिस मशीनें उपलब्ध कराई गई हैं। वहीं, द्वारका स्थित इंदिरा गांधी अस्पताल में 805.99 करोड़ रुपये की लागत से मेडिकल कॉलेज विकसित किया जा रहा है।

डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं का भी विस्तार: दिल्ली में एक करोड़ से अधिक आभा आईडी बनाई जा चुकी हैं और 38 सरकारी अस्पतालों में डिजिटल हेल्थ मैनेजमेंट सिस्टम लागू किया गया है। नवजात शिशुओं की 56 तरह की मुफ्त जांच, 10 हजार मुफ्त कैंसर स्क्रीनिंग और 9 से 14 वर्ष की लड़कियों के लिए मुफ्त एचपीवी टीकाकरण की सुविधा भी दी जा रही है। संत परमानंद अस्पताल के नए आईवीएफ सेंटर में आईवीएफ और आईसीएसआई जैसी आधुनिक तकनीकों से बांझपन का उपचार किया जाएगा। यहां विशेषज्ञ डॉक्टरों और एम्ब्रायो-लॉजिस्ट की टीम जांच, उपचार और परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराएगी।

पुराने वाहनों पर रोक से यात्रियों की बढ़ी मुसीबत

❖ बीएस-6 से पुराने वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध से बस यात्रियों की बढ़ी परेशानीए यूपी गेट पर सबसे ज्यादा असर



वेब वार्ता। गाजियाबाद

दिल्ली में वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए 1 नवंबर से बीएस-6 मानक से पुराने वाहनों के प्रवेश पर लगाई गई पाबंदी का असर अब आम यात्रियों पर भी दिखाई देने लगा है। प्रतिबंध के चलते गाजियाबाद से दिल्ली आने-जाने वाले लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यूपी गेट समेत दिल्ली के सभी सीमावर्ती मार्गों पर वाहनों की जांच के कारण जाम की स्थिति बन रही है। सबसे अधिक असर यूपी गेट पर देखने को मिल रहा है। वहींए पुरानी बसों को दिल्ली में प्रवेश नहीं मिलने से यात्रियों को रास्ते में ही उतरना पड़ रहा है और उन्हें आगे की यात्रा के लिए दूसरे साधनों का सहारा लेना पड़ रहा है।

दिल्ली में 1 नवंबर से केवल बीएस-6 मानक वाले पेट्रोल और डीजल वाहनों के साथ विद्युत एवं सीएनजी वाहनों को प्रवेश की अनुमति दी जा रही है। इस व्यवस्था के तहत पुराने व्यावसायिक वाहनों की आवाजाही पर भी सख्ती बरती जा रही है। हरियाणा जाने वाले व्यावसायिक वाहनों को दिल्ली के रास्ते भेजने के बजाय पूर्वी परिधीय द्रुतगामी मार्ग से निकाला जा रहा है। इससे दिल्ली की सीमाओं पर वाहनों की जांच और आवाजाही का दबाव बढ़ गया है।

सीमा से लौटाई जा रहीं पुरानी बसें: प्रतिबंध का सबसे अधिक असर सार्वजनिक परिवहन से यात्रा करने वाले लोगों पर पड़ रहा है। पुरानी बसों को दिल्ली में प्रवेश की अनुमति नहीं मिलने के कारण पुलिस उन्हें सीमा से ही वापस लौटा रही है। दिल्ली के आनंद विहार और सराय काले खां जाने वाली बसों में सवार यात्रियों को बीच रास्ते में उतरना पड़ रहा है। इसके बाद उन्हें गंतव्य तक पहुंचने के लिए दूसरी बसए ऑटो या अन्य साधन लेने पड़ रहे हैं। इससे यात्रियों का समय और किराया दोनों बढ़ रहे हैं। मंगलवार को भी दिल्ली पुलिस ने 2 बसों को वापस लौटा दिया। इनमें अलीगढ़ डिपो की एक बस भी शामिल थीए जिसे आनंद विहार जाना था। यूपी गेट के पास दिल्ली पुलिस ने बस को रोककर यात्रियों को नीचे उतार दिया और बस को वापस भेज दिया। अचानक यात्रा बाधित होने से यात्रियों को काफी परेशानी हुई। इसके अलावा आनंद विहार और दिल्ली के अन्य मार्गों पर विभिन्न स्थानों से चलने वाली निजी एवं चार्टर्ड बसों की संख्या भी घट गई है। अधिकांश निजी बसें पुरानी होने के कारण अब उन्हें दिल्ली की सीमा तक ही संचालित किया जा रहा है। ऐसे में यात्रियों को सीमा पर उतरकर आगे के लिए दूसरा वाहन तलाशना पड़ रहा है।

बीएस-4 वाहनों के चालकों की भी बढ़ी परेशानी: प्रतिबंध के कारण बीएस-4 पेट्रोल वाहनों का इस्तेमाल करने वाले लोग भी परेशान हैं। पहले इन वाहनों को दिल्ली में प्रवेश करने में इस तरह की बाधा का सामना नहीं करना पड़ता थाए लेकिन नई व्यवस्था के बाद इनके चालकों को भी वैकल्पिक साधनों पर निर्भर होना पड़ रहा है।

रोक से कामकाज भी प्रभावित

प्रतिबंध का असर केवल बस यात्रियों तक सीमित नहीं हैए बल्कि निजी वाहनों से रोजाना दिल्ली जाने वाले लोगों का कामकाज भी प्रभावित हो रहा है। कोयल एंक्लेव निवासी अनिल चौहान दिल्ली के राजीव चौक स्थित एक निजी कंपनी में विपणन का काम करते हैं। उनका कहना है कि मेट्रो से कार्यालय पहुंचने में अधिक समय लग रहा है। निजी कार नहीं होने के कारण क्षेत्र में जाकर काम करने में भी दिक्कत हो रही है। वहीं सुपरटेक आइकन निवासी हिमांशु मित्तल ने बताया कि वह दिल्ली में शरीर की गतिविधियों से जुड़ी चिकित्सा का प्रशिक्षण ले रहे हैं। पहले वह अपनी मोटरसाइकिल से दिल्ली जाते थेए लेकिन प्रतिबंध के कारण अब उन्हें मेट्रो से यात्रा करनी पड़ रही है। इससे उनका काफी समय बर्बाद हो रहा है।

गौतमबुद्ध नगर समेत यूपी के आठ जिलों में होगा 4,844 करोड़ का निवेश

❖ यूपी रेरा ने 17 रियल एस्टेट प्रोजेक्टों को दी मंजूरी, बनेंगे 5726 फ्लैट व दुकानें



वेब वार्ता। ग्रेटर नोएडा

उत्तर प्रदेश भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण, यूपी रेराद्ध ने गौतमबुद्ध नगर समेत प्रदेश के आठ जिलों में 17 नए रियल एस्टेट प्रोजेक्टों को मंजूरी दी है। इनमें करीब 4,844 करोड़ का निवेश होगा। 5,726 फ्लैट और दुकानें बनेंगी। गौतमबुद्ध नगर में एक प्रोजेक्ट में 940 करोड़ का निवेश होगा।

यूपी रेरा के अफसरों ने बताया कि मंगलवार को यूपी रेरा की 217वींए 218वींए 219वीं बैठकों में इन 17 प्रोजेक्टों को मंजूरी दी गई। सबसे अधिक लखनऊ में नौ प्रोजेक्टों को मंजूरी मिली है। इनमें छह आवासीयए एक मिश्रित उपयोग और दो व्यावसायिक प्रोजेक्ट शामिल हैं। लखनऊ में लगभग 2,203 करोड़ रुपये के निवेश से 3,031 फ्लैट व दुकानों का निर्माण होगा।

वहीं गाजियाबाद में दो आवासीय प्रोजेक्टों में 943 करोड़ रुपये के निवेश से 1,016 फ्लैटों का निर्माण होगा। गौतमबुद्ध नगर में एक मिश्रित उपयोग प्रोजेक्ट में 940 करोड़ रुपये का निवेश होगा। इसमें 456 इकाइयां बनेंगी। कानपुर में 524 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश से 597 आवासीय इकाइयों का निर्माण होगा। मेरठ में 194 करोड़ रुपये के निवेश वाले एक आवासीय प्रोजेक्ट में 313 फ्लैट बनेंगे। उधर अयोध्या में 26 करोड़ रुपये के निवेश से 159 फ्लैट बनेंगे।

यूपी रेरा के चेयरमैन संजय भूसरेड्डी ने कहा कि प्राधिकरण रियल एस्टेट क्षेत्र को व्यवस्थितए पारदर्शी और विश्वसनीय बनाने के लिए निरंतर कदम उठा रहा है। घर खरीदारों को सुरक्षित और भरोसेमंद वातावरण दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। इन प्रोजेक्टों का निर्माण रेरा की निगरानी में पूरा होगा।

गेझा गांव के तालाब को ब्रह्म सरोवर के रूप में विकसित करेगा प्राधिकरण

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण सेक्टर.93 गेझा गांव का तालाब ब्रह्म सरोवर के रूप में विकसित करेगा। तालाब के जीर्णोद्धार और पुनर्विकास की योजना का प्राधिकरण ने प्रारूप तैयार करवाने के बाद निर्माण एजेंसी चयन को टेंडर जारी कर दिया है। 16 नवंबर तक आवेदन मांगे गए हैं। प्राधिकरण अधिकारियों के मुताबिक 1.81 एकड़ क्षेत्रफल में तालाब के विकास में संस्कृति विरासत व आधुनिक विकास का संगम दिखेगा। निर्माण लागत 5.99 करोड़ रुपये अनुमानित है। इसमें तटबंधों को पक्का कर चारों तरफ बाउंड्रीवॉल और पाथवे बनाए जाएंगे। तालाब के आसपास सुंदर लैंडस्केपिंगए हरित पट्टी; ग्रीन बेल्टद्ध और आकर्षक लाइटिंग की व्यवस्था की जाएगी। स्थानीय निवासियों और बुजुर्गों के टहलने के लिए ट्रैक तथा बैठने के लिए बेंचें लगाई जाएंगी। प्राधिकरण के जीएम एके अरोड़ा ने बताया कि टेंडर जारी कर एजेंसियों से आवेदन मांगे गए हैं। निर्माण एजेंसी का चयन कर काम शुरू करवाया जाएगा।

बिना पीयूसी वाले वाहनों को नहीं मिलेगा ईंधन



वेब वार्ता। गाजियाबाद

ग्रैप का दूसरा चरण लागू होने के बाद अब प्रदूषण नियंत्रण के लिए परिवहन विभाग के अधिकारी सड़क पर नजर आएंगे। पेट्रोल पंपों पर बिना पीयूसी वाहनों को ईंधन नहीं मिलेगा। इसके लिए परिवहन विभाग बुधवार से पेट्रोल पंपों पर विशेष जांच अभियान चलाएगा। परिवहन विभाग की टीमें तीन दिन तक लगातार पेट्रोल पंपों पर मौजूद रहकर वाहनों के प्रदूषण प्रमाणपत्र की जांच करेंगी। बिना वैध पीयूसी प्रमाणपत्र वाले वाहनों को पेट्रोल-डीजल देने से रोकने की कार्रवाई की जाएगी। जिले में फिलहाल 26 हजार से अधिक वाहन ऐसे हैं जो बिना पीयूसी के सड़कों पर संचालित हो रहे हैं। ऐसे में प्रदूषण नियंत्रण के लिए सख्ती की तैयारी की है। इस अभियान को लेकर मंगलवार को शासन स्तर पर वर्चुअल बैठक हुई। इसमें परिवहन आयुक्त ने अधिकारियों को अभियान के संबंध में दिशा-निर्देश दिए। आरटीओ प्रशासन प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि शासन के निर्देश पर बुधवार से तीन दिवसीय अभियान चलाया जाएगा। जिले के पेट्रोल पंपों पर परिवहन विभाग की टीमें तैनात की जाएंगी। टीमें ईंधन भरवाने पहुंचने वाले वाहनों के पीयूसी प्रमाणपत्र की जांच करेंगी।

करांटे चैंपियनशिप में जिले के खिलाड़ियों का जलवा

छह स्वर्ण समेत जीते 11 पदक

❖ चैंपियनशिप में मानव अकादमी के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन टीम को मिला बेस्ट टीम अवॉर्ड



वेब वार्ता। ग्रेटर नोएडा

गौतमबुद्ध नगर के 11 कराटे खिलाड़ियों ने नई दिल्ली में आयोजित पांचवीं दिल्ली एनसीआर कराटे चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में छह स्वर्ण और पांच रजत पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया।

इसके साथ ही अकादमी की टीम ने बेस्ट टीम अवॉर्ड भी अपने नाम किया। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर उनके परिवारोंए अकादमी और जिले में खुशी का माहौल है। नई दिल्ली के ईस्ट विनोद नगर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में एक नवंबर को आयोजित चैंपियनशिप में एनसीआर के विभिन्न क्षेत्रों से आए खिलाड़ियों ने अलग-अलग वर्गों और आयु श्रेणियों में हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में ग्रेटर नोएडा की मानव अकादमी ऑफ मार्शल आर्ट्स के 11 खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया। बालक और बालिका वर्ग के खिलाड़ियों ने अपने-अपने मुकाबलों में प्रतिद्वंद्वियों को चुनौती देते हुए छह स्वर्ण और पांच रजत पदक हासिल किए। शानदार प्रदर्शन के आधार पर अकादमी की टीम को बेस्ट टीम अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ियों में अनुष्का अंश इशिका मनंत आरुष और संजना शामिल रहे। वहीं रजत पदक जीतने वालों में आयुष सिंह प्रिया यश शर्मा प्रिया और अनुष्का शामिल हैं।

इन खिलाड़ियों ने अपने-अपने मुकाबलों में दूसरा स्थान हासिल किया। इस तरह अकादमी के खिलाड़ियों ने कुल 11 पदक जीतकर प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। टीम के कोच नितिन भाटी और अध्यक्ष संदीप कुमार ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए भविष्य की प्रतियोगिताओं में भी इसी तरह बेहतर प्रदर्शन करने की उम्मीद जताई।

संक्षिप्त समाचार

रोजगार मेले में 746 युवाओं का चयन

यमुना सिटी। श्री द्रोणाचार्य पीजी कॉलेज में रविवार को जेवर विधानसभा स्तरीय रोजगार मेला लगा। जिला सेवायोजन कार्यालय और महाविद्यालय की ओर से आयोजित इस मेले में 18 कंपनियों ने हिस्सा लिया। इसमें करीब पांच हजार युवाओं ने पंजीकरण कराया। इनमें से 1376 अभ्यर्थियों ने कंपनियों के सामने साक्षात्कार दिया। चयन प्रक्रिया के बाद 746 अभ्यर्थियों को चयनित और शॉर्टलिस्ट किया गया। जिला सेवायोजन अधिकारी मनीषा अत्रीए भाजपा जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्माए राकेश कुमार गर्गए मुंशीलाल गौतमए महाविद्यालय के प्रबंधक रजनीकांत अग्रवालए प्राचार्य डॉण गिरीश कुमार वत्स मौजूद रहे।

सुपरवाइजर को लोहे की रॉड से पीटा

नोएडा। फेज.2 थाना क्षेत्र के सी.15 होजरी कॉम्प्लेक्स स्थित एक प्लास्टिक कंपनी में विवाद के बाद सहकर्मी ने सुपरवाइजर पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया। मारपीट में सुपरवाइजर सोमवीर गंभीर रूप से घायल हो गए। हरियाणा के हिसार जिले के सिसर गांव निवासी नवीन कुमार के अनुसारए उनके बड़े भाई सोमवीर सी.15 होजरी कॉम्प्लेक्स स्थित ट्यूलिप प्लास्टिक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में सुपरवाइजर हैं। शनिवार को कंपनी में किसी बात को लेकर सोमवीर और वहां काम करने वाले मारुति नंदन तिवारी के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि इस दौरान मारुति ने लोहे की रॉड से सोमवीर पर हमला कर दिया। इससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। थाना प्रभारी राघवेंद्र सिंह ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज की गई है।

हादसे के सात दिन बाद दर्ज हुई प्राथमिकी

दनकौर। ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर ट्रक की टक्कर से कार मैकेनिक रईस की मौत के मामले में पुलिस ने सात दिन बाद प्राथमिकी दर्ज की है। 28 अक्तूबर को हुए हादसे में घायल रईस ने ग्रेटर नोएडा के जिम्स अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया था। मृतक के भाई हम्मस की शिकायत पर मंगलवार को ट्रक चालक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई।
हम्मस ने पुलिस को बताया कि वह और रईस 28 अक्तूबर की सुबह एक खराब वाहन की मरम्मत के लिए एक्सप्रेसवे पर गए थे। मरम्मत के बाद लौटते समय एक ट्रक ने उनकी कार में पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में रईस गंभीर रूप से घायल हो गया था। थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

यमुना एक्सप्रेसवे की दोनों लेन पर चल रही मरम्मत

यमुना सिटी। यमुना एक्सप्रेसवे पर सड़क की खामियों को दूर करने के लिए मरम्मत कराई जा रही है। कई स्थानों पर सड़क खराब होने से वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इसे देखते हुए एक्सप्रेसवे प्रबंधन की ओर से मरम्मत कार्य शुरू कराया गया है। एक्सप्रेसवे पर लगातार वाहनों की आवाजाही के चलते कई स्थानों पर सड़क की सतह खराब हो गई थी। इससे वाहनों के आवागमन में दिक्कत आ रही थी। अब क्षतिग्रस्त हिस्सों को दुरुस्त किया जा रहा हैए जिससे
वाहन चालकों को सुरक्षित और सुगम सफर मिल सके।

साइलेंट स्ट्राइकर्स ने चार विकेट से जीता मुकाबला

नोएडा। सेक्टर-80 स्थित इंपीरियल क्रिकेट मैदान में मंगलवार सुबह अल्टीमेट क्रिकेट बैटर सीजन-5 का लीग मैच हुआ। मुकाबला साइलेंट स्ट्राइकर्स ने 4 विकेट से अपने नाम किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए मिरेकल स्ट्राइकर्स 160 रन पर ऑल आउट हो गई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी साइलेंट स्ट्राइकर्स ने 6 विकेट के नुकसान पर 165 रन बनाकर जीत दर्ज की। मुकाबले में साइलेंट स्ट्राइकर्स के गौतम 65 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द मैच बने।

जाइंट वॉरियर्स ने 83 रन से जीता मैच

नोएडा। सेक्टर.113 स्थित वीओसी क्रिकेट मैदान में सोमवार वीओसी वीकडे नाइट सीजन.6 का लीग मुकाबला खेला गया। मुकाबले में जाइंट वॉरियर्स ने 83 रन से जीता हासिल की। पहले बल्लेबाजी करने उतरी जाइंट वॉरियर्स 283 रन पर ऑल आउट हो गई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी डीएचएस इलेवन 10 विकेट गंवा कर 200 रन ही बना सकी। मुकाबले में जाइंट वॉरियर्स के गोलू 202 रन बनाकर बेस्ट बैटर बने।
वहीं नितिन 3 विकेट गिराकर बेस्ट बॉलर रहे।

आयुष ने कराटे में जीते दो स्वर्ण पदक

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर इकोटेक.11 स्थित उमा पब्लिक स्कूल की कराटे अकादमी के खिलाड़ी आयुष रावल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक जीते। नोएडा के सेक्टर.132 स्थित जेबीएम ग्लोबल स्कूल में 30 और 31 अक्टूबर को आयोजित आह्वान स्पोर्ट्स कार्निवल-2026 की कराटे प्रतियोगिता में आयुष ने काता और कुमिते दोनों स्पर्धाओं में पहला स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में 100 से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। आयुष ने अपनी तकनीकए अनुशासन और खेल कौशल के दम पर दोनों स्पर्धाओं में प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ा। उनकी इस उपलब्धि पर विद्यालय में खुशी का माहौल है। प्रधानाचार्य सुनीता शर्मा ने आयुष को सम्मानित कर बधाई दी। उन्होंने उम्मीद जताई कि आयुष भविष्य में भी बेहतर प्रदर्शन कर स्कूल और जिले का नाम रोशन करेंगे।

छात्राओं ने कोरियाई व्यंजन बनाना सीखा

नोएडा। सेक्टर.44 स्थित महामाया बालिका इंटर कॉलेज में मंगलवार को कोरियन एजुकेशन सेंटर के सहयोग से कोरियन व्यंजन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें छात्राओं ने कोरियन व्यंजन तोकबोकी और किम्बाप बनाना सीखा। कार्यशाला का उद्देश्य छात्राओं को दूसरे देशों की संस्कृति और खान-पान से परिचित कराना था। विद्यालय की उप. प्रधानाचार्या डॉण छाया जैन ने कोरियन एजुकेशन सेंटर से आए अतिथियों का स्वागत किया। कार्यशाला के दौरान छात्राओं ने कोरियाई संस्कृति खान-पान और पारंपरिक व्यंजनों से जुड़ी जानकारी प्राप्त की।

स्टाफ नर्स के रिश्वत मांगने के मामले में जांच शुरू

गाजियाबाद। स्टाफ नर्स के रिश्वत मांगने के मामले में सीएमओ ने वायरल वीडियो की जांच के आदेश दिए हैं। इस संबंध में भोजपुर ब्लॉक पीएचसी के प्रभारी को पत्र जारी किया गया है। जिसमें तमाम तत्यों पर जांच के निर्देश दिए गए हैं। भोजपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ;पीएचसीद्ध में प्रसव के बाद स्टाफ नर्स पर प्रसूता के परिजनों से रिश्वत मांगने का आरोप है। इस मामले का करीब 50 सेकंड का वीडियो सोशल वायरल होने के बाद स्वास्थ्य विभाग में खलबली मची है। परिजनों की शिकायत और वीडियो का संज्ञान लेकर सीएमओ ने जांच के आदेश दिए हैं। वीडियो में पीएचसी के एक कक्ष में महिला कर्मचारी प्रसूता की बहन से लड़का होने पर नेग के रूप में 2100 रुपये से मांगे। स्टाफ ने धमकी दी कि बच्चा कम समय व कम वजन का है। पैसे नहीं देने पर बच्चे को रेफर करने की चेतावनी की बात भी वीडियो में कही गई। हालांकि हिन्दुस्तान वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता।

महिला पर चलाई गोली आरोपी गिरफ्तार

दादरी। कोतवाली दादरी क्षेत्र के अग्रसेन कॉलोनी में एक महिला पर गोली चलाकर जानलेवा हमला किया गया। घटना 2 नवंबर को दोपहर के समय हुई। पुलिस ने इस मामले में नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार मिश्रा ने बताया कि जगविंदर अपने परिवार के साथ अग्रसेन कॉलोनी में रहते हैं। वे मूल रूप से गाजियाबाद के रिस्तल गांव के निवासी हैं। घटना के दिन जगविंदर की पत्नी पूजा मकान की छत पर खड़ी थी। तभी चिटहेरा गांव निवासी संदीप भाटी वहां पहुंचा। उसने जान से मारने की नीयत से तमंचे से गोली चला दी। पूजा बाल.बाल बच गईं और गोली चलने पर शोर मचाया गया। आरोपी मौके से फरार हो गया था। पीड़ित ने पुलिस को डायल 112 पर घटना की सूचना दी थी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और प्राथमिकी दर्ज की। पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए आरोपी संदीप भाटी को रूपवास बाईपास रोड से गिरफ्तार कर लिया।

स्पा की आड़ में सजता था देह व्यापार का बाजार

वेब वार्ता। ग्रेटर नोएडा

❖ आरोपी को नहीं मिली राहत

स्पा सेंटर की आड़ में देह व्यापार कराने के मामले में आरोपी लोकेश शर्मा की अग्रिम जमानत अर्जी सत्र अदालत ने खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि प्रथम दृष्टया आरोपी की संलिप्तता से इनकार नहीं किया जा सकता और अपराध गंभीर प्रकृति का है। आरोपी के खिलाफ थाना बीटा.2 में दर्ज में मुकदमा दर्ज है।

अभियोजन के अनुसार 18 जुलाई 2026 को मुखबिर की सूचना पर एएचटीयूए महिला थाना टीम और स्थानीय पुलिस ने ग्रेटर नोएडा के जीएनएस प्लाजा स्थित कई स्पा सेंटरों पर दबिश दी। मौके से कुल 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया गयाए जबकि स्पा संचालकों सागर तिवारी अनूप शर्मा एक महिला और लोकेश शर्मा के नाम प्रकाश में आए थे। तलाशी में चारों स्पा सेंटरों से 62E720 रुपये नकद 30 सील पैकए अपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई थी। इस संबंध में 19 जुलाई को एसीपी प्रणाली गंगवार की ओर से एफआईआर दर्ज कराई गई थी।

पूछताछ में यहां मिली महिलाओं ने आरोप लगाया कि उन्हें नौकरी के नाम पर स्पा में लाकर पैसों का लालच और दबाव देकर देह व्यापार कराया जाता था। वहीं पकड़े गए पुरुषों ने पुलिस के सामने ग्राहकों को बुलाकर महिलाओं से देह व्यापार कराने की बात बताई। विदेशी महिला ने खुद को केन्या के नैरोबी की निवासी बताया और कहा कि पासपोर्ट व वीजा तत्काल उपलब्ध नहीं है। दोनों पक्षों की बहस सुनने और अभियोजन पत्रों के अवलोकन के बाद अदालत ने आरोपी को जमानत देने से मना कर दिया।

कबाड़ वाहनों का निस्तारण

स्वास्थ्य विभाग के लिए बनी चुनौती

वेब वार्ता। गाजियाबाद

❖ विभाग पांच बार नीलामी करा चुका है पर एक भी खरीदार सामने नहीं आया

जिले के सरकारी अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में खड़े कबाड़ वाहनों का निस्तारण स्वास्थ्य विभाग के लिए चुनौती बन गया है। सड़क किनारे और अस्पताल परिसरों में खड़ी 41 निष्प्रयोज्य एंबुलेंसों को बेचने के लिए विभाग पांच बार नीलामी करा चुका है लेकिन एक भी खरीदार सामने नहीं आया।

44 लाख रुपये की सरकारी बोली निर्धारित होने के बावजूद पुरानी और अनुपयोगी एंबुलेंस संयुक्त जिला अस्पतालए सीएचसीए पीएचसी सहित विभिन्न स्थानों पर खड़ी हैं। लंबे समय से खुले में खड़े रहने के कारण वाहन जंग खा रहे हैं। इनकी देखरेख और सुरक्षित रखरखाव भी विभाग के लिए सिरदर्द बना हुआ है।

विभाग ने पहले इन वाहनों की सूची तैयार कर इन्हें निष्प्रयोज्य घोषित कराया। इसके बाद बिक्री की प्रक्रिया शुरू की गई। स्वास्थ्य विभाग ने जेम पोर्टल के माध्यम से तीन बार ई.टेंडर और दो बार खुली नीलामी के माध्यम से कबाड़ वाहनों की बिक्री का प्रयास किया। लेकिन किसी खरीदार ने रुचि नहीं दिखाई। बार-बार नीलामी विफल होने से वाहनों का निस्तारण अटक गया है। एंबुलेंस सेवा के नोडल अधिकारी ज्ञानेंद्र मिश्र ने बताया कि नीलामी की प्रक्रिया कई बार असफल हो चुकी है। अब परिवहन विभाग में पंजीकृत स्क्रैप सेंटर से संपर्क किया गया है। उम्मीद है कि जल्द ही पुरानी 102 व 108 एंबुलेंस और वाहनों को स्क्रैप करा दिया जाएगा।

ईनामी आरोपी 11 साल बाद चढ़ा पुलिस के हत्थे

हरदोई। बिलग्राम पुलिस ने थाना क्षेत्र में 2015 में हुई दलित युवती के साथ छेड़छाड़ और दुष्कर्म की घटना में ग्यारह वर्ष से फरार चल रहे अज्ञात ईनामी आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। प्राप्त विवरण में 23 जुलाई 2015 को वादी की तहरीर के आधार पर थाना बिलग्राम पर धारा 366 भादवि0 बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया था। विवेचनात्मक कार्यवाही के दौरान धारा 376 भादवि व 3 (2) (5) एक्ट की बढ़ोत्तरी की गयी है। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा द्वारा प्रकाश में आये राधेश्याम यादव पुत्र फागू की गिरफ्तारी हेतु 1000/ रूपये का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस द्वारा उपरोक्त अभियोग से संबंधित 1000 रूपये के इनामिया प्रकाश में आये राधेश्याम यादव पुत्र फागू निवासी ग्राम भटगवां थाना डुमरियागंज जनपद सिद्धार्थ नगर को गिरफ्तार किया गया है।

दीपावली की मिठास में मिलावट का खतरा

खाद्य सुरक्षा विभाग की सक्रियता पर उठे सवाल

वेब वार्ता। बड़हलगंज, गोरखपुर

❖ सिंथेटिक दूध और मिलावटी खोये से मिठाई बनने की आशंका

दीपावली नजदीक आते ही नगर और आसपास के बाजारों में मिठाइयों की मांग बढ़ने लगी है। दुकानों पर तरह-तरह की मिठाइयां सजने लगी हैं तो दूसरी ओर मिलावटखोरी की आशंका ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। सिंथेटिक दूध और मिलावटी खोये से मिठाइयां तैयार कर बाजार में खपाए जाने की चर्चाओं के बीच खाद्य सुरक्षा विभाग की निगरानी और कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

त्योहारी सीजन में मिठाइयों की खपत बढ़ने का फायदा उठाकर कुछ मुनाफाखोर कारोबारी लोगों की सेहत से खिलवाड़ कर सकते हैं। बाजारों में मिठाइयों के निर्माण, भंडारण और बिक्री को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हैं। हालांकि, मिलावट संबंधी आशंकाओं की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकती है। ऐसे में खाद्य सुरक्षा विभाग की जिम्मेदारी है कि वह मिठाई की दुकानों के साथ ही गोदामों और निर्माण स्थलों पर भी नियमित निगरानी रखे। मिलावट का सबसे अधिक खतरा बच्चों, बुजुर्गों और आम परिवारों की सेहत पर पड़ सकता है। लोगों का सवाल है कि त्योहारी सीजन को देखते हुए विभाग ने अब तक कितनी दुकानों की जांच की है? कितने खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर प्रयोगशाला भेजे गए और कितने कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई? विभाग को जांच और कार्रवाई का ब्योरा भी सार्वजनिक करना चाहिए।लोगों का कहना है कि त्योहार के समय केवल औपचारिक छापेमारी से मिलावटखोरी पर अंकुश नहीं लगाया जा सकता।

यातायात नियमों का पालन करें: एडीजी

वेब वार्ता। गोरखपुर

❖ एडीजी, डीआईजी और एसएसपी ने हरी झंडी दिखाकर निकाली बाइक रैली

यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए मंगलवार को यातायात माह के तहत पुलिस लाइन से बाइक रैली निकाली गई। एडीजी जोन रामकुमार, डीआईजी रेंज एस. चन्नप्पा और एसएसपी डॉ. कौस्तुभ ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। इस दौरान अधिकारियों ने लोगों से यातायात नियमों का पालन करने और सड़क सुरक्षा को अपनी आदत में शामिल करने की अपील की। रैली को रवाना करने के बाद एडीजी रामकुमार ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल यातायात पुलिस की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें प्रत्येक नागरिक की भागीदारी जरूरी है।

यातायात नियम लोगों की सुरक्षा के लिए बनाए गए हैं। वाहन चलाते समय की गई छोटी सी लापरवाही भी किसी परिवार की खुशियां छीन सकती है। इसलिए सभी वाहन चालक अपनी जिम्मेदारी समझें और नियमों का पालन करें। उन्होंने कहा कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चार पहिया वाहन में सीट बेल्ट का प्रयोग अनिवार्य रूप से करें। हेलमेट और सीट बेल्ट चालान से बचने के लिए नहीं, बल्कि दुर्घटना के समय जीवन बचाने के लिए हैं। वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करें। निर्धारित गति सीमा का पालन करें और जल्दबाजी में अपनी व दूसरों की जिंदगी खतरे में न डालें। नशे की हालत में वाहन चलाने, गलत दिशा में जाने और दोपहिया वाहन पर तीन सवारी बैठाने से बचें। एडीजी ने विशेष रूप से युवाओं से सड़क पर स्टंटबाजी और प्रतिस्पर्धा नहीं करने की अपील की। कहा कि मॉडिफाइड साइलेंसर और प्रेशर हॉर्न का इस्तेमाल न करें। स्कूल, अस्पताल और भीड़भाड़ वाले इलाकों में वाहन सावधानी से चलाएं। एंबुलेंस और अग्निशमन वाहनों को तत्काल रास्ता दें। उन्होंने अभिभावकों से भी अपील की कि वे स्वयं हेलमेट और सीट बेल्ट का इस्तेमाल करें, ताकि बच्चे उनसे सीख सकें। रैली में एसपी ट्रैफिक अमित श्रीवास्तव, सीओ यातायात कीर्तिनिधि आनंद, टीआई मनोज कुमार राय, आरआई अभिजीत पांडेय, टीएसआई रामवृक्ष यादव सहित यातायात पुलिस के महिला और पुरुषकर्मी शामिल हुए। यातायात संबंधी सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर 8081208567 जारी किया गया है।

स्कूलों और बाजारों में भी चलेगा जागरूकता अभियान

एडीजी जोन राजकुमार ने कहा कि यातायात माह का उद्देश्य केवल रैली निकालना या चालान करना नहीं, बल्कि लोगों के व्यवहार में स्थायी बदलाव लाना है। इसके लिए स्कूलों, कॉलेजों, बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। स्कूली बच्चों को ट्रैफिक सिग्नल, जेब्रा क्रॉसिंग और सड़क पार करने के सुरक्षित तरीकों की जानकारी दी जाएगी।

कभी कुंभ के लिए ही बसता था हरिद्वार का अस्थायी जिला

अब चार जिलों में फैले मेले का यहीं से होता है संचालन





मेला प्रशासन का प्रयास है कि श्रद्धालुओं को पूरे मेला क्षेत्र में बेहतर सुविधाएं मिलें। इसके साथ ही घाट, सड़क और पुल जैसे आधारभूत ढांचे का विकास भी किया जा रहा है, ताकि मेले के साथ संबंधित क्षेत्रों को भी इसका लाभ मिल सके।

दयानंद सरस्वती, अपर मेला अधिकारी हरिद्वार

वेब वार्ता। हरिद्वार

आज जिस हरिद्वार से कुंभ मेले की तैयारियों और व्यवस्थाओं का संचालन होता है, कभी उसी हरिद्वार को कुंभ के दौरान ही जिले का दर्जा दिया जाता था। मेला समाप्त होते ही यह विशेष प्रशासनिक व्यवस्था भी खत्म हो जाती थी। उस दौर में कुंभ जैसे विशाल आयोजन की फाइलें सहारनपुर से लखनऊ तक दौड़ती थीं। फैसलों में लगने वाला वक्त कई बार मेले की तात्कालिक जरूरतों पर भारी पड़ता था। वक्त बदला, हरिद्वार की प्रशासनिक पहचान बदली और 1988 में पूर्ण जनपद बनने के साथ ही अस्थायी जिला बनाने की परंपरा समाप्त हो गई। उत्तर प्रदेश के दौर में हरिद्वार सहारनपुर जिले की रुड़की तहसील के अंतर्गत एक परगना था। कुंभ का आयोजन विशाल स्तर पर होता था, लेकिन प्रशासनिक अधिकारों और व्यवस्थाओं का दायरा सीमित था। अधिकारियों को मेले से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों की मंजूरी के लिए सहारनपुर से लखनऊ तक जाना पड़ता था। तत्कालीन समय में महामारियों, आगजनी और भगदड़ जैसी घटनाओं की चुनौतियां भी मेले की व्यवस्थाओं को जटिल बनाती थीं। ऐसे में कुंभ के दौरान हरिद्वार में ही प्रशासनिक फैसले लेने की जरूरत महसूस हुई। इसी जरूरत के चलते 1938 के कुंभ में हरिद्वार को कुछ विशेष प्रशासनिक अधिकार दिए गए। वर्ष 1950 में उत्तर प्रदेश के गठन के बाद कुंभ के दौरान हरिद्वार को अस्थायी जिले का दर्जा देने की व्यवस्था शुरू हुई। इससे मेला अवधि में प्रशासनिक कामकाज स्थानीय स्तर पर निपटाने का रास्ता खुला। आखिरकार 28 दिसंबर 1988 को हरिद्वार को पूर्ण जिले का दर्जा मिल गया और अस्थायी जिला बनाने की जरूरत खत्म हो गई।

चार जिलों में फैला कुंभ, केंद्र हरिद्वार

उत्तराखंड गठन के बाद हरिद्वार नए राज्य का हिस्सा बना। आज कुंभ मेला क्षेत्र केवल हरिद्वार तक सीमित नहीं है, बल्कि पौड़ी, टिहरी और देहरादून जिलों तक फैला है। घाटों, पुलों और सड़कों से जुड़े विकास कार्य इन जिलों में भी कराए जा रहे हैं। इसके बावजूद मेले की प्रशासनिक गतिविधियों का मुख्य केंद्र हरिद्वार ही है। कुंभ के लिए स्थायी मेला अधिष्ठान गठित है, जिसमें कुल 82 स्थायी और अस्थायी पद स्वीकृत हैं।

कुंभ से पहले गंगा किनारे बढ़ेंगी स्नान की सुविधाएं

- छठ पूजा घाट 200 मीटर, जटवाड़ा पुल पर 300 मीटर और दुर्गा मंदिर के पास बनेगा 30 मीटर लंबा घाट
- अपर मेलाधिकारी ने किया निरीक्षण, गंगनहर बंदी के दौरान काम में तेजी लाने पर जोर



वेब वार्ता। हरिद्वार

बहादराबाद और ज्वालापुर में तीन घाटों का निर्माण कराया जा रहा है। इन घाटों के तैयार होने से धार्मिक आयोजनों के दौरान स्नान के लिए उपलब्ध स्थान बढ़ेगा और स्थानीय लोगों को भी सुविधा मिलेगी। मंगलवार को अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती ने निमार्णाधीन घाटों का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति देखी। बहादराबाद में बैरियर संख्या छह के निकट करीब 200 मीटर लंबे छठ पूजा घाट का निर्माण किया जा रहा है। वहीं ज्वालापुर में जटवाड़ा पुल के अपस्ट्रीम क्षेत्र में लगभग 300 मीटर लंबा घाट बनाया जा रहा है। दुर्गा मंदिर के समीप करीब 30 मीटर लंबे घाट का निर्माण भी जारी है। अपर मेलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था को निर्धारित समयसीमा में काम पूरा करने और निर्माण की गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान गंगनहर बंदी की अवधि को निर्माण के लिहाज से महत्वपूर्ण बताते हुए जलमग्न रहने वाले हिस्सों का काम इसी दौरान तेजी से पूरा करने पर जोर दिया गया। उन्होंने निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी के साथ गुणवत्ता जांच के लिए थर्ड पार्टी निरीक्षण कराने को भी कहा। घाटों के निर्माण से स्थानीय नागरिकों के साथ पर्वों और धार्मिक आयोजनों में आने वाले श्रद्धालुओं को लाभ मिलने की उम्मीद है। निरीक्षण के दौरान सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता अनुभव नौटियाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

हल्द्वानी, कालाढूंगी और लालकुआं में भाजपा टिकट के लिए दावेदारों की कतार



वेब वार्ता। हल्द्वानी

वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा में टिकट की दावेदारी तेज होने लगी है। हल्द्वानी, कालाढूंगी और लालकुआं विधानसभा सीटों पर पार्टी के कई नेताओं ने अपनी दावेदारी पेश की है।

खासकर हल्द्वानी सीट पर वर्तमान मेयर से लेकर पूर्व मेयर, दर्जा राज्य मंत्री और संगठन के पदाधिकारी टिकट की दौड़ में शामिल हैं।हल्द्वानी सीट से मेयर गजराज सिंह बिष्ट, पूर्व मेयर जोगेंद्र पाल रौतेला, दर्जा राज्य मंत्री रेनू अधिकारी, शंकर कोरंगा, मोहन पाठक, जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, पूर्व जिलाध्यक्ष प्रदीप बिष्ट, भुवन जोशी, शांति भट्ट और निश्चल पांडे ने दावेदारी जताई है।वहीं कालाढूंगी सीट से विकास भगत, सुरेश भट्ट, आनंद सिंह दरमवाल, बेला तोलिया और सुरेश तिवारी के नाम सामने आए हैं। लालकुआं से दीपेंद्र कोश्यारी और मुकेश बेलवाल समेत अन्य नेताओं ने टिकट मांगा है। रायशुमारी के दौरान कालाढूंगी और लालकुआं के मौजूदा विधायकों की गैरमौजूदगी भी चर्चा में रही।

स्वीकृत नक्शे के विपरीत विकसित हो रही अर्धकुंभ एंक्लेव कॉलोनी

एचआरडीए की कार्यशैली पर उठे सवाल, जूस कंट्री के पीछे धड़ल्ले से चल रही प्लॉटिंग

- अधीनस्थ अधिकारियों की अनदेखी से बिल्डरों की मनमानी को मिल रहा बढ़ावा



वेब वार्ता। हरिद्वार

अवैध निर्माण और अनधिकृत कॉलोनियों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर हरिद्वार-रुड़की विकास प्राधिकर के दावों के बीच जूस कंट्री के पीछे विकसित की जा रही अर्धकुंभ एंक्लेव कॉलोनी का मामला विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहा है।

आरोप है कि कॉलोनी में प्राधिकरण से स्वीकृत मानचित्र के विपरीत निर्माण और प्लॉटिंग का काम तेजी से किया जा रहा है। इसके बावजूद मौके पर अब तक कोई प्रभावी विभागीय कार्रवाई नजर नहीं आ रही है। प्राधिकरण की उपाध्यक्ष सोनिका की ओर से अवैध निर्माण और अनधिकृत कॉलोनियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। इसके बावजूद अधीनस्थ अधिकारियों की निगरानी और कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं। जिस क्षेत्र में खुलेआम प्लॉटिंग की जा रही है, वहां जिम्मेदार अधिकारियों की नजर क्यों नहीं पड़ रही है, यह बड़ा सवाल है। सबसे अहम सवाल यह है कि जब प्राधिकरण के उच्चाधिकारी अवैध प्लॉटिंग पर अंकुश लगाने के निर्देश दे रहे हैं तो फिर धरातल पर उनका पालन क्यों नहीं हो रहा है? क्या संबंधित अधिकारियों को कॉलोनी में चल रही गतिविधियों की जानकारी नहीं है या फिर जानकारी होने के बावजूद कार्रवाई से परहेज किया जा रहा है? अब देखना होगा कि एचआरडीए के अधिकारी मामले का संज्ञान लेकर जांच और कार्रवाई करते हैं या कॉलोनी में प्लॉटिंग का सिलसिला इसी तरह जारी रहता है।

स्थापना दिवस पर नैनीताल में दिखेगी उत्तराखंड की संस्कृति, सजेगा हिमालय फूड फेस्टिवल



वेब वार्ता। नैनीताल

राज्य स्थापना दिवस की वर्षगांठ पर नैनीताल में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आयोजन की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने मंगलवार को जिला कार्यालय सभागार में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय से तैयारियां समय पर पूरी करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने बताया कि मुख्य सरकारी भवनों को एलईडी लाइटों से रोशन किया जाएगा। सुबह नौ बजे तल्लीताल स्थित शहीद स्मारक पर राज्य आंदोलनकारियों को श्रद्धांजलि दी जाएगी। इसके बाद सुबह 10 बजे डीएसए मैदान में मुख्य समारोह होगा। डीएसए मैदान से मैराथन दौड़ आयोजित की जाएगी, जिसमें स्कूली विद्यार्थियों के साथ एनसीसी और एनएसएस कैडेट भी शामिल होंगे। दोपहर 12 बजे नैनी झील में नौकायन प्रतियोगिता और एक बजे डीएसए मैदान में हिमालय फूड फेस्टिवल शुरू होगा। इसमें पहाड़ी व्यंजनों के स्टॉल लगाए जाएंगे। हल्द्वानी के गौलापार स्टेडियम से भी मैराथन आयोजित होगी। जिलाधिकारी ने सुरक्षा, यातायात, चिकित्सा, विद्युत और सफाई व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए।

दीपावली पर आग से बचाव को फायर सर्विस अलर्ट

हल्द्वानी। दीपावली पर अग्निकांड की घटनाओं की रोकथाम और लोगों की सुरक्षा के लिए फायर स्टेशन हल्द्वानी की टीम ने शहर में विशेष जन-जागरूकता अभियान चलाया। एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी के निर्देश पर मुख्य अग्निशमन अधिकारी गौरव किरार के पर्यवेक्षण और अग्निशमन अधिकारी मिंदर पाल के नेतृत्व में अभियान चलाया गया।

इस दौरान फायर सर्विस की टीम ने शहर के प्रमुख बाजारों, भीड़भाड़ वाले संवेदनशील इलाकों और रिहायशी कॉलोनियों में पहुंचकर व्यापारियों, नागरिकों और बच्चों को आतिशबाजी के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी। टीम ने लोगों से पटाखे खुले स्थानों पर जलाने और संकरी गलियों व बालकनी में आतिशबाजी नहीं करने की अपील की। साथ ही पटाखे जलाते समय पानी और मिट्टी से भरी बाल्टी रखने, सूती कपड़े पहनने और बच्चों को बड़ों की निगरानी में ही पटाखे चलाने की सलाह दी।

लोकतंत्र की हत्या करने वाले आज निकाल रहे हैं लोकतंत्र बचाओ यात्रा : गरिमा मेहरा दसौनी

वेब वार्ता। देहरादून

उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी की मुख्य प्रवक्ता गरिमा मेहरा दसौनी ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के 6 नवंबर को प्रस्तावित देहरादून दौरे और परेड ग्राउंड से निकलने वाली ह्यलोकतंत्र बचाओ यात्राह्न पर तीखा हमला बोला है।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को कमजोर करने वाली राजनीति करने वाले आज लोकतंत्र बचाने का नारा दे रहे हैं, जो अपने आप में बड़ा राजनीतिक विरोधाभास है। दसौनी ने वर्ष 2016 में उत्तराखंड की तत्कालीन हरीश रावत सरकार को गिराने के कथित प्रयासों का जिक्र करते हुए कहा कि जनता के जनादेश से बनी सरकार को राजनीतिक जोड़तोड़, विधायकों की खरीद-फरोख्त और दलबदल के जरिए अस्थिर करने की कोशिश की गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि तत्कालीन केंद्र की भाजपा सरकार की भूमिका भी



- अमित शाह के देहरादून दौरे पर कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता ने उठाए सवाल

इस पूरे घटनाक्रम में सवालों के घेरे में रही। उन्होंने कहा कि विभिन्न राज्यों में निर्वाचित सरकारों को अस्थिर करने की घटनाओं के बीच अमित शाह का लोकतंत्र बचाओ यात्रा का नेतृत्व करना जनता के सामने कई सवाल खड़े करता है।कांग्रेस प्रवक्ता ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट के 25 हजार लोगों के पदयात्रा में शामिल होने के दावे पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि भीड़ जुटाने से लोकतंत्र की रक्षा नहीं होती। लोकतंत्र संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता, जनादेश के सम्मान और नागरिक अधिकारों की सुरक्षा से मजबूत होता है। उन्होंने 6 नवंबर को धनतेरस के दिन कार्यक्रम आयोजित किए जाने पर आपत्ति जताते हुए कहा कि इस पर्व पर बाजारों में खरीदारी के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं।

ऐसे में शहर के बीचोंबीच बड़े राजनीतिक आयोजन और पदयात्रा से यातायात प्रभावित होने, व्यापारियों के कारोबार और आम जनता की सुविधाओं पर असर पड़ने की आशंका है। उन्होंने सवाल किया कि इस असुविधा की जिम्मेदारी कौन लेगा और क्या भाजपा को व्यापारियों तथा श्रद्धालुओं की परेशानियों की चिंता नहीं है? दसौनी ने भाजपा की डबल इंजन सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उत्तराखंड की जनता ने भाजपा को दो बार प्रचंड बहुमत दिया और पांचों लोकसभा सीटों पर भी लगातार समर्थन दिया।

विधानसभा चुनाव को लेकर डीएम के निर्देश



वेब वार्ता। अल्मोड़ा

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर अल्मोड़ा विकास भवन मेंअल्मोड़ा जिलाधिकारी अंशुल सिंह की अध्यक्षता में नोडल अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें चुनाव तैयारियों की समीक्षा की गई। जिला अधिकारी अंशुल सिंह ने बताया कि,आगामी विधानसभा चुनावों के लिए मतदान केंद्रों की संख्या बढ़ाई गई है।

पहले जिले में 949 पोलिंग बूथ थे, और 11 नए पोलिंग बूथों का प्रस्ताव भेजा गया है, जिससे कुल संख्या बढ़कर 960 हो जाएगी। एफएलसी के नियमानुसार आवश्यक अनुपात यानी 25% अतिरिक्त बीयू/सीयू और 35% अतिरिक्त वीवीपैट का पूरा ध्यान रखा गया है और वर्तमान स्थिति पूरी तरह ठीक है।मॉक पोल और नोडल अधिकारियों की बैठक राजनीतिक दलों के लिए मॉक पोल की प्रक्रिया कल से शुरू होने वाली है। इसके अलावा, सभी नोडल अधिकारियों के साथ आज बैठक की गई ताकि उन्हें उनके दायित्वों, इलेक्शन प्लान और इलेक्शन हैंडबुक के बारे में पूरी तरह से जागरूक किया जा सके।

तीन दुकानों में चोरी का खुलासा, शातिर चोर गिरफ्तार

- 70 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर पुलिस ने दबोचा आरोपी, लाखों का सामान बरामद



वेब वार्ता। देहरादून

राजधानी देहरादून के वसंत विहार क्षेत्र में तीन अलग-अलग दुकानों में हुई चोरी की घटनाओं का दून पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया। पुलिस ने चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले 22 वर्षीय आरोपी सुमित उर्फ सत्यम उर्फ चीरवा को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चोरी का लैपटॉप, दो मोबाइल फोन, चांदी की पायल, चेन और 4,300 रुपये की नकदी बरामद की गई है।

पुलिस के अनुसार, 31 अक्टूबर की रात अज्ञात चोरों ने जीएमएस रोड स्थित तीन दुकानों के ताले तोड़कर ज्वेलरी, नकदी, लैपटॉप, मोबाइल फोन और अन्य सामान चोरी कर लिया था। इस संबंध में एक नवंबर को अंकित सिंह, अंशुल पालीवाल और अश्वनी कुमार ने थाना वसंत विहार में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने तीनों मामलों में बीएनएस की संबंधित धाराओं में मुकदमे दर्ज कर जांच शुरू की। लगातार हुई चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए एसएसपी देहरादून के निर्देश पर पुलिस की अलग-अलग टीमें गठित की गईं। टीमों ने घटनास्थलों का निरीक्षण करने के साथ आसपास लगे करीब 70 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। संदिग्धों की पहचान के लिए मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया और पूर्व में चोरी की घटनाओं में शामिल रहे आरोपियों का सत्यापन भी किया गया। पुलिस की जांच और मुखबिर की सूचना के आधार पर दो नवंबर को चेकिंग के दौरान मलिक चौक के पास आरोपी सुमित उर्फ सत्यम उर्फ चीरवा को चोरी के सामान सहित गिरफ्तार कर लिया गया। नशे की लत पूरी करने के लिए की चोरी: पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह नशे का आदी है और अपनी नशे की लत पूरी करने के लिए चोरी की घटनाओं को अंजाम देता था। वह रात में मौका देखकर दुकानों के ताले तोड़ता और सामान चोरी कर लेता था। चोरी किए गए सामान को बेचने की फिराक में था, लेकिन उससे पहले ही पुलिस ने उसे दबोच लिया। आरोपी पूर्व में भी चोरी के मामले में जेल जा चुका है और कुछ दिन पहले ही जमानत पर बाहर आया था।गिरफ्तार आरोपी की पहचान सुमित उर्फ सत्यम उर्फ चीरवा पुत्र रामकृपाल, निवासी देहराखास, थाना पटेलनगर, देहरादून, उम्र 22 वर्ष के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी के खिलाफ चोरी, नकबजनी, एनडीपीएस एक्ट और आर्म्स एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में पहले से नौ आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

टिहरी में 46,953 बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियो की खुराक

वेब वार्ता। टिहरी गढ़वाल

जनपद में आगामी 22 नवंबर को उपराष्ट्रीय सघन पल्स पोलियो प्रतिरक्षण अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत शून्य से पांच वर्ष तक के 46,953 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी वरुणा अग्रवाल की अध्यक्षता में जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक हुई, जिसमें अभियान की तैयारियों की समीक्षा की गई। जनपद में कुल 523 बूथ बनाए गए हैं, जिनमें पर्वतीय क्षेत्र में 473 और ढालवाला क्षेत्र में 50 बूथ शामिल हैं। इनके संचालन के लिए 105 सुपरवाइजर और 1,992 कार्मिक तैनात किए जाएंगे।सीडीओ ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि अभियान से पहले सभी तैयारियां पूरी कर ली जाएं और कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक पीने से वंचित न रहे। बूथों पर 22 नवंबर को सुबह नौ से शाम चार बजे तक खुराक पिलाई जाएगी। इसके बाद पर्वतीय क्षेत्रों में 23 और 24 नवंबर तथा ढालवाला क्षेत्र में 29 नवंबर तक घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को दवा दी जाएगी। इसके लिए पर्वतीय क्षेत्रों में 946 और ढालवाला में 17 टीमें गठित की गई हैं। उन्होंने दुर्गम क्षेत्रों, प्रवासी परिवारों और निर्माण स्थलों पर रहने वाले श्रमिकों के बच्चों तक भी अभियान पहुंचाने के निर्देश दिए। बैठक में राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनक्यूएएस) के तहत स्वास्थ्य केंद्रों की व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की गई। सीडीओ ने चिह्नित कमियों को प्राथमिकता से दूर कर आवश्यक संसाधन और सुविधाएं मानकों के अनुरूप उपलब्ध कराने को कहा, ताकि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।

दीवारों की पेंटिंग से पहले जर्जर सड़कों की मरम्मत कराए प्रशासन

- 94 लाख रुपये के सौंदर्यीकरण बजट पर उठाए सवाल, गौरव राणा के नेतृत्व में युवाओं ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन



वेब वार्ता। ऋषिकेश

शहर की बदहाल सड़कों का मुद्दा उठाते हुए पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष गौरव राणा के नेतृत्व में युवाओं ने सोमवार को उपजिलाधिकारी ऋषिकेश को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने मांग की कि दीवारों की पेंटिंग और सौंदर्यीकरण पर खर्च होने वाले 94 लाख रुपये से पहले शहर की जर्जर सड़कों की मरम्मत कराई जाए।

ज्ञापन में कहा गया कि बीस बीघा, बापू ग्राम, शिवाजी नगर, गुमानीवाला, भट्टोवाला और बाजार क्षेत्र सहित कई स्थानों पर सड़कें गड्ढों से बदहाल हैं, जिससे स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों और वाहन चालकों को रोजाना परेशानी झेलनी पड़ रही है। गौरव राणा ने कहा कि शहर की प्राथमिक जरूरत बेहतर सड़कें और सुरक्षित आवागमन है। पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष हिमांशु जाटव ने कहा कि त्योहारों के दौरान पर्यटकों और श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ने से यातायात का दबाव भी बढ़ेगा। ऐसे में समय रहते सड़कों की मरम्मत जरूरी है। छात्रसंघ महासचिव रेहान बंदोलिया ने प्रशासन से मांग की कि संबंधित विभाग को निर्देश देकर सड़कों का स्थलीय निरीक्षण कराया जाए और क्षतिग्रस्त मार्गों पर प्राथमिकता से काम शुरू कराया जाए। ज्ञापन देने वालों में युवा कांग्रेस महानगर अध्यक्ष हिमांशु कश्यप, मानव रावत, उदित झा, तरुण त्यागी, अखिल रावत, अतुल डोभाल, सुंदर साहनी, दीपक कुशवाहा, अनमोल, शुभम कुमार, ऋतिक कुशवाहा, नितिन, अमन, भव्य रावत, इशांत, अक्षत, निखिल रावत, हर्ष और अर्पित बंदोलिया सहित अन्य युवा मौजूद रहे।

कुंभ से पहले ऋषिकेश में विकास कार्यों में तेजी महापौर शंभू पासवान ने गिनाईं योजनाएं

वेब वार्ता। ऋषिकेश

नगर निगम कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में महापौर शंभू पासवान ने शहर में चल रही विभिन्न विकास योजनाओं और भविष्य की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि शहर को बेहतर और व्यवस्थित बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं, जिससे नागरिकों को अस्थायी असुविधा हो रही है, लेकिन भविष्य में इसके दीर्घकालिक लाभ मिलेंगे। कुंभ मेला नजदीक है, इसलिए सभी कार्यों को तेजी से पूरा किया जा रहा है। उन्होंने शहरवासियों से नगर निगम का सहयोग करने की अपील की।

महापौर ने बताई प्रमुख योजनाएं: गौशाला निमार्ण: आवारा गोवंश के संरक्षण के लिए जमीन मिल चुकी है, जल्द निर्माण शुरू होगा। गुमानीवाला बाईपास नाला: लंबे समय से चली आ रही समस्या के समाधान के लिए लगभग 1 करोड़ 80 लाख की लागत से नया नाला बनाया जा रहा है। सीवर लाइन: शहर में पुरानी और ओवरफ्लो लाइनों को हटाकर नई सीवर लाइनें डाली जा रही हैं। विद्युत लाइन भूमिगत: छतों से गुजरने वाले तारों को हटाने के लिए 440 वोल्ट, 11 हजार और 33 हजार वोल्ट की लाइनों को भूमिगत किया जा रहा है।महापौर ने कहा कि निगम प्रशासन पूरी पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ शहर की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए कटिबद्ध है। किसी भी असुविधा पर सीधे निगम कार्यालय से संपर्क करें। प्रेस वार्ता के दौरान नगर आयुक्त विजय नाथ शुक्ला मौजूद रहे।



70 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी सपा

देहरादून। समाजवादी पार्टी उत्तराखंड की 70 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। पार्टी शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे बुनियादी मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाएगी। सपा प्रदेश अध्यक्ष अब्दुल मतीन सिद्दीकी ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा ने विकास के नाम पर आम जनता को ठगने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति बेहतर नहीं है तथा बेरोजगारी एक गंभीर समस्या बनी हुई है। इन मुद्दों को लेकर समाजवादी पार्टी जनता के बीच अपनी बात रखेगी और चुनाव मैदान में उतरेगी। सिद्दीकी ने गैरसैंण को प्रदेश की स्थायी राजधानी बनाने के मुद्दे पर भी भाजपा सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार गैरसैंण राजधानी के मामले में गंभीर नहीं है। सरकार की कथनी और करनी में अंतर है। प्रदेश की जनता आज भी बुनियादी सुविधाओं और विकास की उम्मीद लगाए बैठी है।

एसीएमई सोलर की बीकानेर में 66.68 मेगावाट नई सौर ऊर्जा इकाई शुरू

नई दिल्ली। नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एसीएमई सोलर होल्डिंग्स ने राजस्थान के बीकानेर जिले में अपनी सौर ऊर्जा क्षमता का विस्तार किया है। कंपनी की अनुषंगी एसीएमई रिन्यूटेक प्राइवेट लिमिटेड ने 66.68 मेगावाट की अतिरिक्त सौर ऊर्जा इकाई का सफलतापूर्वक परिचालन शुरू किया है। इस नई क्षमता के साथ हाइब्रिड परियोजना की कुल परिचालन क्षमता बढ़कर 200.04 मेगावाट हो गई है। इसके परिणामस्वरूप एसीएमई सोलर की कुल परिचालन क्षमता अब करीब 3,190 मेगावाट हो गई है। यह परियोजना बीकानेर के केलां गांव में स्थित है और इसके लिए एनटीपीसी लिमिटेड के साथ 3.36 रुपये प्रति किलोवाट-घंटा की दर से बिजली खरीद समझौता (पीपीए) किया गया है। नई शुरू की गई क्षमता की वाणिज्यिक परिचालन तिथि (सीओडी) 4 नवंबर, 2026 निर्धारित है। कंपनी को उम्मीद है कि वह वित्त वर्ष 2026-27 की तीसरी तिमाही तक परियोजना की पूरी 300 मेगावाट सौर ऊर्जा क्षमता को चरणबद्ध तरीके से परिचालन में ले आएगी।

एसएफसी एनवायरनमेंटल टेक का शेयर आठ फीसदी बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली। अपशिष्ट जल शोधन समाधान उपलब्ध कराने वाली कंपनी एसएफसी एनवायरनमेंटल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का शेयर अपने 330 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले करीब आठ प्रतिशत की बढ़त के साथ मंगलवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर ने निर्गम मूल्य से 7.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 354.05 रुपये पर कारोबार शुरू किया। एनएसई में यह 7.60 प्रतिशत की बढ़त के साथ 355.10 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार पूंजीकरण 4,161.69 करोड़ रुपये रहा। एसएफसी एनवायरनमेंटल टेक्नोलॉजीज के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को पिछले सप्ताह गुरुवार को बोली के अंतिम दिन 9.47 गुना अभिदान मिला था। कंपनी के 668 करोड़ रुपये के आईपीओ का मूल्य दायरा 313 से 330 रुपये प्रति शेयर था।

डज्नी में बड़ी छंटनी की तैयारी, 20 फीसदी लागत कटौती का लक्ष्य

नई दिल्ली। मीडिया उद्योग की दिग्गज कंपनी वॉल्ट डिज्नी एक और बड़े दौर की छंटनी की तैयारी कर रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार कंपनी ने अपने प्रबंधकों को सालाना परिचालन खर्च में 20 फीसदी तक की कटौती करने का लक्ष्य दिया है, जिसके परिणामस्वरूप हजारों कर्मचारियों की नौकरियां प्रभावित हो सकती हैं। इस भारी लागत कटौती को हासिल करने के लिए बड़े पैमाने पर नौकरियों में कटौती सहित कई तरीके अपनाए जाएंगे। इस छंटनी का असर डिज्नी के अलग-अलग व्यवसायों पर पड़ेगा, जिनमें थीम पार्क, टेलीविजन नेटवर्क और फिल्म स्टूडियो जैसे प्रमुख विभाग शामिल हैं। कंपनी के सीईओ का लक्ष्य इस बचत से मिले फंड को फिल्म, टेलीविजन प्रोग्रामिंग, मुख्य टेक्नोलॉजी इंफ्रास्ट्रक्चर और थीम पार्क डिवीजनों में निवेश करना है, ताकि उपभोक्ताओं का अनुभव और बेहतर बनाया जा सके।

भागीदारी का विरोधाभास: महिलाएं काम तो कर रही हैं, पर सुरक्षित नहीं!

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत में महिला कर्मचारियों की संख्या पिछले सात वर्षों में लगभग दोगुनी हो गई है, लेकिन यह वृद्धि एक विरोधाभास लिए हुए है। इंडियन काउंसिल फॉर रिसर्च ऑन इंटरनैशनल इकनॉमिक रिलेशंस (इक्रियर) के एक नए अध्ययन 'द पार्टिसिपेशन पैराडॉक्स' के अनुसार, इस दौरान महिलाओं की नौकरियां कम सुरक्षित, कम वेतन वाली और काम के कम घंटों वाली हो गई हैं। यह अध्ययन बताता है कि महिलाएं अब ज़्यादा वेतन वाला काम कर रही हैं, लेकिन घर के अवैतनिक काम का बोझ कम नहीं हुआ है, जिससे उनके आराम और आत्म-देखभाल के समय में भारी कटौती हुई है। आवधिक श्रम बल सर्वे (पीएलएफएस) के आंकड़ों का हवाला देते हुए अध्ययन में बताया गया है कि कामकाजी महिलाओं की संख्या 2017-18 के 10.4 करोड़ से बढ़कर 2025 तक 20.1 करोड़ हो गई है, जो लगभग दोगुनी है। हालांकि, यह वृद्धि मुख्य रूप से ग्रामीण इलाकों में केंद्रित रही है और लगभग पूरी तरह से कृषि क्षेत्र में रोजगार मिला है।

पुरुषों के मामले में जहां ढांचागत बदलाव देखे जा रहे हैं, वहीं महिलाओं के मामले में ऐसा नहीं है। अध्ययन के मुताबिक कार्यबल में शामिल होने वाली अधिकांश अतिरिक्त महिलाओं ने स्वरोजगार और अवैतनिक पारिवारिक श्रम के माध्यम से प्रवेश किया है, जो सबसे असुरक्षित और सबसे कम वेतन वाली श्रेणियां हैं। ग्रामीण महिलाओं में नियमित वेतन वाली नौकरियों का हिस्सा वास्तव में कम हुआ है। शहरी क्षेत्रों में सेवा-आधारित आर्थिक वृद्धि के बावजूद, यह कहना कठिन है कि महिलाओं



को अवसरों में सुधार के कारण रोजगार मिला है।

शोधकर्ताओं का मानना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को कामगारों की अनिवार्य जरूरतों के कारण काम मिला है, चाहे वह कृषि हो या परिवार द्वारा चलाए जा रहे उद्यम हों। काम के घंटों के आंकड़ों से भी यही बात पुष्ट होती है। ग्रामीण महिलाओं के काम के साप्ताहिक घंटे में 6 घंटे से अधिक की गिरावट आई है, जो किसी भी समूह में सबसे बड़ी गिरावट है। अध्ययन में निष्कर्ष निकाला गया है कि प्रति कर्मचारी घटते घंटों के साथ बढ़ती भागीदारी का अर्थ है कि कर्मचारियों की संख्या उन क्षेत्रों में बढ़ी है जहां कम कुशलता वाले काम होते हैं। कृषि कार्य से लोगों को बाहर निकालने में विनिर्माण क्षेत्र महत्वपूर्ण रहा है, लेकिन वहां भी महिलाओं की प्रमुख भूमिका नहीं है।

मुकेश अंबानी ने रचा कीर्तिमान एक दिन में 6.3 अरब डॉलर कमाए

रिलायंस के दमदार तिमाही नतीजों और शेयर में जोरदार उछाल से संपत्ति बढ़ी

एजेंसी ■ मुंबई

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने हाल ही में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उन्होंने एक ही दिन में 6.3 अरब डॉलर (लगभग 55,000 करोड़ रुपये से अधिक) की संपत्ति अर्जित कर दुनिया में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले अरबपति का गौरव हासिल किया है।

यह बढ़ोतरी उनकी प्रमुख कंपनी के बेहतर तिमाही नतीजों के बाद शेयर में आई जोरदार तेजी का परिणाम है। फोर्ब्स की रियल-टाइम अरबपतियों की ताजा सूची के अनुसार मुकेश अंबानी अब 88.8 अरब डॉलर की कुल संपत्ति के साथ दुनिया के 23वें सबसे अमीर व्यक्ति और भारत के सबसे धनी शख्स बन गए हैं। इस सूची में गौतम अदाणी 79.12 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ 26वें स्थान पर हैं। संपत्ति में इस वृद्धि के मामले में वैश्विक स्तर पर स्पेन के अमानसियो ओर्टेगा (1.7 अरब डॉलर) और चीन के झोंग शांशान (1.5 अरब डॉलर) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। सोमवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर 11.64 प्रतिशत चढ़कर 1,299 रुपये पर बंद हुआ, जो छह साल से अधिक समय में



इसका सबसे अच्छा प्रदर्शन रहा। यह उछाल कंपनी के सितंबर तिमाही के शानदार नतीजों के बाद आया, जिसमें एकीकृत शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 33.8 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 29,550 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। कंपनी के तेल से रसायन और दूरसंचार व्यवसायों में मजबूत प्रदर्शन ने इस वृद्धि में अहम भूमिका निभाई। कंपनी के तेल से रसायन (ओ2सी) कारोबार में मजबूत प्रदर्शन और दूरसंचार व्यवसाय में वृद्धि ने खुदरा कारोबार की अपेक्षाकृत कमजोर स्थिति की भरपाई कर दी। फोर्ब्स ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि मुकेश अंबानी 1,250 अरब डॉलर (राजस्व) वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और संचालक हैं, जिसका कारोबार पेट्रोरसायन, तेल एवं गैस, दूरसंचार, खुदरा, मीडिया और वित्तीय सेवाओं जैसे विविध क्षेत्रों में फैला हुआ है। यह उनकी संपत्ति में इस जबरदस्त उछाल का मुख्य कारण रहा है।

आंध्र प्रदेश को मिली 1614 करोड़ की दक्षिण कोरियाई निवेश लॉटरी, तमिलनाडु चूका

नई दिल्ली। भारत में निवेश के लिए राज्यों के बीच चल रही कड़ी प्रतिस्पर्धा में आंध्र प्रदेश ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। दक्षिण कोरिया की तीन प्रमुख ऑटो-पार्ट्स कंपनियों ने तमिलनाडु को पछाड़कर आंध्र प्रदेश में 1,614 करोड़ रुपये का निवेश करने का फैसला किया है। ये कंपनियां दुनिया की दिग्गज कार निर्माता हुंडई और किया को गाड़ियों के पुर्जे सप्लाई करती हैं। इस निवेश के तहत राज्य के अनंतपुर जिले में नई मैन्युफैक्चरिंग फैक्ट्रियां स्थापित की जाएंगी। इसमें ह्वासन 850 करोड़ रुपये का निवेश करेगी, सियोयोन 514 करोड़ रुपये लगाएगी, और इवामेट 250 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कुल मिलाकर, यह 1,614 करोड़ का निवेश 1,418 संभावित रोजगार सृजित करेगा। तमिलनाडु, जो ऑटोमोबाइल कंपनियों का एक बड़ा केंद्र है और वहां हुंडई के प्लांट भी मौजूद हैं, इन कंपनियों को अपने यहां निवेश के लिए लुभा रहा था। हालांकि, आंध्र प्रदेश सरकार के विशेष प्रयासों ने बाजी पलट दी। राज्य के मंत्री नारा लोकेश ने दक्षिण कोरिया का दौरा कर इन कंपनियों को आंध्र प्रदेश में आमंत्रित किया, जिसके बाद इकोनॉमिक डेवलपमेंट बोर्ड ने लगातार बातचीत की।

भारत में सोने की मांग 29 फीसदी घटी, मूल्य में 3 फीसदी की वृद्धि



आयात शुल्क, ऊंची कीमतें और पीएम की अपील बनी वजह

एजेंसी ■ मुंबई

विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) के अनुसार भारत में जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान सोने की मांग सालाना आधार पर 29 प्रतिशत घटकर 162.5 टन रह गई। आयात शुल्क में बढ़ोतरी, कीमतों में तेज उछाल और प्रधानमंत्री की खरीदारी कम करने की अपील इसके प्रमुख कारण रहे। हालांकि, इस अवधि में सोने की कुल मांग का मूल्य 3 प्रतिशत बढ़कर 2,41,900 करोड़ रुपये हो गया, जो उपभोक्ताओं की सोने के प्रति निरंतर प्राथमिकता को दर्शाता है। डब्ल्यूजीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 की इसी तिमाही में सोने की मांग 229.8 टन थी, जबकि समीक्षाधीन तिमाही में औसत भाव करीब 1.49 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रहा। कुल आभूषण मांग 20 फीसदी घटकर 99.9 टन पर आ गई, पर मूल्य के लिहाज से यह 16 फीसदी बढ़कर 1,48,700 करोड़ रुपये दर्ज की गई। डब्ल्यूजीसी के एक अधिकारी ने कहा कि उपभोक्ता अब हल्के वजन के आभूषणों और पुराने सोने के बदले नए आभूषण लेने जैसी रणनीतियों को अपना रहे हैं। उन्होंने बताया कि तीसरी तिमाही के अंत में कीमतों में आई गिरावट और आगामी त्योहारों व शादी के मौसम से मांग को समर्थन मिलने की उम्मीद है। डब्ल्यूजीसी ने पूरे साल के लिए भारत में सोने की मांग 625 से 675 टन रहने का अनुमान लगाया है।

वैश्विक संघर्षों की आंच में झुलसा करेली गुड़, दाम 4100 रुपए के पार



समुद्री मार्ग बाधित होने से कच्चे माल की किल्लत, निर्यात पर भी खतरा

एजेंसी ■ भोपाल

पश्चिम एशिया और रूस-यूक्रेन में जारी संघर्ष का सीधा असर मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर जिले के प्रसिद्ध करेली गुड़ पर दिखाई दे रहा है। इन युद्धों के चलते उर्वरकों की कीमतों में भारी उछाल आया है, जिससे गन्ने की खेती की लागत बढ़ गई है और गुड़ के दाम पिछले साल के मुकाबले 10-15 प्रतिशत बढ़कर 4,100 रुपये प्रति क्विंटल के पार पहुंच गए हैं। पिछले साल इसी समय करेली मंडी में गुड़ का भाव 3,500 रुपये प्रति क्विंटल चल रहा था। यह बढ़ोतरी किसानों और व्यापारियों दोनों के लिए चिंता का विषय बन गई है। किसानों का कहना है कि गन्ने की खेती में प्रति एकड़ 60,000 रुपये का खर्च आता है, जिसमें मजदूरी, सिंचाई और खासकर उर्वरकों की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। गुड़ कारोबारी भी मानते हैं कि उर्वरक कीमतों में तेज वृद्धि ने इस साल गुड़ को महंगा कर दिया है। होर्मुज स्ट्रेट, लाल सागर और काला सागर जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों के बंद होने से सल्फर और रॉक फॉस्फेट जैसे उर्वरक बनाने वाले कच्चे माल की किल्लत पैदा हो गई है। खेतान केमिकल्स के ब्रांड मैनेजर मयंक जोशी के अनुसार, युद्ध से पहले 6,000-10,000 रुपये प्रति टन मिलने वाला सल्फर अब 1 लाख रुपये प्रति टन हो गया है, जबकि रॉक फॉस्फेट भी तीन गुना महंगा होकर 14,000-15,000 से 30,000-35,000 रुपये प्रति टन पर पहुंच गया है। कच्चे माल की कीमतें बढ़ने से उर्वरक कंपनियों ने उत्पादन घटा दिया है, जिससे बाजार में कीमतें और बढ़ गई हैं। स्थानीय किसान प्रवासी मजदूरों पर निर्भर हैं, जिनकी मजदूरी भी बढ़ी है। एक एकड़ खेत में बोआई का मेहनताना ही करीब 6,000 रुपये देना पड़ता है। मध्य प्रदेश का लगभग 75 फीसदी गन्ना नरसिंहपुर में ही बोया जाता है, जहां 2,000 से अधिक गुड़ उत्पादन इकाइयां हैं। हालांकि, राज्य में कोई घोषित गन्ना नीति नहीं होने से किसानों को अपनी उपज की कीमत के लिए मिल मालिकों पर निर्भर रहना पड़ता है। जीआई टैग प्राप्त करेली गुड़ का बड़ी मात्रा में खाड़ी देशों और मॉरीशस जैसे देशों में निर्यात होता है, लेकिन उत्पादन लागत में वृद्धि अब इसके निर्यात पर भी प्रतिकूल असर डाल सकती है।

दीपावली से पहले छोटे नोटों की कमी अफवाह, पीआईबी ने बताया फर्जी

नई दिल्ली। दीपावली से ठीक पहले सोशल मीडिया पर एक फर्जी संदेश तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने व्यापारियों और आम जनता को परेशान कर दिया है। यह संदेश भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नाम पर फैलाया जा रहा है, जिसमें दावा किया गया है कि जल्द ही 10, 20 और 50 रुपए के छोटे मूल्य वाले नोटों की भारी कमी होने वाली है। वायरल संदेश में आरबीआई का लोगो, नाम और गवर्नर के हस्ताक्षर का इस्तेमाल कर इसे विश्वसनीय बनाने की कोशिश की गई है। इसमें कहा गया है कि सरकार के कैशलेस समाज के विजन के तहत छोटे नोटों की छपाई कम की जा रही है और ग्राहकों को यूपीआई जैसे डिजिटल भुगतान अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। हालांकि, इस फर्जीवाड़े का खुलासा पीआईबी फैक्ट चेक ने किया है। पीआईबी ने अपने एक्स हैंडल पर स्पष्ट किया है कि आरबीआई ने छोटे नोटों की उपलब्धता को लेकर ऐसी कोई घोषणा नहीं की है। यह पूरी तरह से एक अफवाह है।

ईरान पर अमेरिकी हमले से कच्चे तेल में फिर उबाल

ब्रेंट क्रूड 105 डॉलर के पार, अमेरिका ने हमले को बताया बचाव का कदम

एजेंसी ■ नई दिल्ली

अमेरिका द्वारा ईरान के केश्म द्वीप पर किए गए हमले की खबर से मंगलवार को शुरुआती एशियाई कारोबार में कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर बड़ा उछाल देखने को मिला। इस घटना ने पश्चिम एशिया में पिछले आठ महीने से जारी संघर्ष के और गहराने की आशंका पैदा कर दी है, जिससे क्षेत्र से वैश्विक कच्चे तेल की आपूर्ति लंबे समय तक प्रभावित रहने की चिंता बढ़ गई है। यह उछाल सोमवार को ब्रेंट क्रूड में आई 7.63 फीसदी की बड़ी गिरावट के बाद आया है, जो 104.77 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ था। ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स 0.5 फीसदी बढ़कर 105.25 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 0.5 फीसदी की तेजी के साथ 96.93 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने



अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि अमेरिका ने ईरान के केश्म द्वीप पर हमला किया है। कुछ अधिकारियों के मुताबिक, ये हमले बचाव के मकसद से किए गए थे, ताकि ईरान को होर्मुज स्ट्रेट में कारोबारी जहाजों पर हमला करने से रोका जा सके। केसीएम ट्रेड के चीफ मार्केट एनालिस्ट टिम वाटरर ने कहा कि इस खबर से कच्चे तेल की कीमतों में युद्ध से जुड़ा जोखिम फिर बढ़ गया है। वैश्विक आपूर्ति और राजनीतिक दबाव होर्मुज स्ट्रेट में जारी तनाव वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए एक बड़ा संकट बना हुआ है, क्योंकि संघर्ष शुरू होने से पहले दुनिया के कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की कुल आपूर्ति का करीब पांचवां हिस्सा इसी समुद्री रास्ते से गुजरता था। पश्चिम एशिया में किसी भी नई सैन्य कार्रवाई की खबर का असर कच्चे तेल की कीमतों पर तुरंत दिखाई देता है। अमेरिका में मंगलवार को मध्यावधि चुनाव हो रहे हैं और ईरान युद्ध के कारण पेट्रोल की ऊंची कीमतें राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप पर संघर्ष खत्म करने का दबाव बढ़ा रही हैं, ऐसे में यह हमला राजनीतिक रूप से भी अहम है।

विदाई पत्र में टाटा संस की 17 सितंबर की बोर्ड बैठक को 'कलंक का दिन' बताया

खंबाटा ने टाटा ट्रस्ट्स के ट्रस्टी के तौर पर दोबारा नियुक्ति से किया इनकार

एजेंसी ■ नई दिल्ली

टाटा संस में 66 फीसदी हिस्सेदारी के साथ सबसे बड़े शेयरधारक टाटा ट्रस्ट्स में नेतृत्व को लेकर विवाद गहरा गया है। वरिष्ठ वकील डेरियस खंबाटा ने सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट के ट्रस्टी के तौर पर दोबारा नियुक्ति से इनकार कर दिया है। उनका कार्यकाल इसी माह खत्म हो जाएगा। अपने विदाई पत्र में, खंबाटा ने टाटा संस की 17 सितंबर की बोर्ड बैठक को 'कलंक का दिन' बताया, जिससे इस बड़े समूह के अंदर चल रही सत्ता और नियंत्रण की खींचतान एक बार फिर उजागर हो गई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खंबाटा के जाने के बाद, एसडीटीटी में पांच ट्रस्टी होंगे। टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा एसडीटीटी में एक 'स्थायी ट्रस्टी' हैं। इस मुद्दे पर कुछ ट्रस्टियों ने महाराष्ट्र चैरिटी कमिश्नर के सामने आपत्ति जताई है। अन्य मौजूदा ट्रस्टियों में वाइस-चेयरमैन विजय सिंह और वेणु श्रीनिवासन के साथ-साथ भास्कर भट और नेविल टाटा शामिल हैं। जहां पहले टाटा ट्रस्ट्स में ट्रस्टियों का नवीनीकरण एक सामान्य प्रक्रिया थी, वहीं पिछले दो सालों में आम सहमति न बन पाने पर वोटिंग करनी पड़ी है, जिससे विवाद पैदा हुए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक अपने विदाई पत्र में खंबाटा ने 28 जुलाई, 2025 को ट्रस्टों द्वारा लिए गए प्रस्तावों के समर्थन में अपने अडिग



रुख का जिक्र किया। इन प्रस्तावों में आरबीआई के साथ बातचीत करके टाटा संस की लिस्टिंग का विरोध करना और शापूरजी पलोनजी समूह को उनकी मांगी गई नकद राशि उपलब्ध कराना शामिल था। इसके साथ ही एन चंद्रशेखरन को टाटा संस के चेयरमैन के तौर पर तीसरे कार्यकाल के लिए समर्थन देने का प्रस्ताव भी पारित किया गया था। खंबाटा ने लिखा- अगस्त और सितंबर 2026 की हैरान कर देने वाली घटनाओं ने पिछली बातों को पीछे छोड़ दिया है।

अगस्त 2026 में चंद्रशेखरन ने टाटा संस बोर्ड को लिखा था कि वे तीसरे कार्यकाल के लिए दोबारा नियुक्ति नहीं चाहेंगे, लेकिन इसके एक महीने बाद, टाटा संस बोर्ड की एक बैठक में चंद्रशेखरन को तीसरा कार्यकाल देने का प्रस्ताव पास किया गया, जिसका नोएल टाटा ने विरोध किया। जुलाई 2025 का वह प्रस्ताव, जिसका जिक्र खंबाटा ने अपने पत्र में किया है, एसडीटीटी और एसआरटीटी दोनों की सर्वसम्मति से पास किया गया था। खंबाटा ने ही 28 मई, 2025 की बैठक में टाटा संस की संभावित लिस्टिंग के खिलाफ चेतावनी दी थी और इसे ट्रस्टों के अस्तित्व के लिए खतरा बताया था। उन्होंने लिखा यहां पूरा 'टाटा मॉडल' ही दांव पर लगा था। 17 सितंबर की बोर्ड बैठक में टाटा संस की लिस्टिंग पर भले ही कोई वोटिंग नहीं हुई, लेकिन दो नॉमिनी निदेशकों - नोएल टाटा और वेणु श्रीनिवासन ने ट्रस्टी के तौर पर अपने कर्तव्यों का हवाला देते हुए एक-दूसरे का विरोध किया।

भारत में मीठी ड्रिंक्स से दूरी बना रहे लोग, जीरो शुगर की मांग दोगुनी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत का 60 हजार करोड़ रुपए का सॉफ्ट ड्रिंक बाजार एक बड़े बदलाव से गुजर रहा है। उपभोक्ता अब मीठे पेय पदार्थों के बजाय जीरो और लो शुगर ड्रिंक्स को ज्यादा पसंद कर रहे हैं, जिससे पेप्सीको और कोका-कोला जैसी बड़ी कंपनियों को फायदा हो रहा है। पेप्सीको के कुल वॉल्यूम में जीरो और लो शुगर ड्रिंक्स की हिस्सेदारी जुलाई से सितंबर 2026 तिमाही में बढ़कर 88 फीसदी हो गई, जो पिछले साल 44 फीसदी थी। कोका-कोला की डाइट और लाइट ड्रिंक्स की बिक्री में भी तेज उछाल आया है, जहां डाइट कोक की बिक्री में 150 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है और इनकी कुल हिस्सेदारी 60 फीसदी के पार पहुंच गई है। इस बदलाव के पीछे उपभोक्ताओं में बढ़ती स्वास्थ्य जागरूकता के साथ-साथ चीनी की बढ़ती कीमतें भी एक बड़ा कारण हैं। पिछले साल 40-50 रुपए किलो मिलने वाली चीनी अब 58-65 रुपए किलो तक पहुंच गई है। पेप्सी की बॉटलिंग पार्टनर वरुण बेवरेजेज जैसी कंपनियों को जीरो शुगर उत्पादों से महंगी चीनी लागत के दबाव को कम करने में मदद मिली है।

संक्षिप्त वार्ता

आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में अफगानिस्तान पहली बार छठे स्थान पर पहुंचा

दुबई। अफगानिस्तान क्रिकेट टीम का प्रदर्शन लगातार बेहतर होता जा रहा है। इसका अंदाजा इसी से होता है कि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा एकदिवसीय टीम रैंकिंग में अफगानिस्तान क्रिकेट टीम पहली बार छठे स्थान पर पहुंच गई है। ये अफगान टीम की अब तक की सबसे अच्छी रैंकिंग है। इस ऐतिहासिक छलांग के साथ ही अफगानिस्तान की टीम ने श्रीलंका को भी रैंकिंग में पीछे छोड़ दिया है। अफगानिस्तान ने साल 2009 में अपना पहला एकदिवसीय मैच खेला था, और तब से ही उसका प्रदर्शन निरंतर बेहतर होता रहा है। इन सालों में उन्होंने न केवल एकदिवसय बल्कि टी20 फॉर्मेट में भी अपनी पहचान बनाई है, जिससे वैश्विक क्रिकेट पटल पर उनकी उपस्थिति लगातार मजबूत हुई है।

न्यूजीलैंड को झटका, पहले एकदिवसीय से बाहर हुए सलामी बल्लेबाज कॉनवे

हैम्लिटन। भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ बुधवार से शुरु हो रही एकदिवसीय सीरीज के पहले ही मेजबान न्यूजीलैंड टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। उसके प्रमुख सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे सिर मे चोट लगने के कारण पहले मैच से बाहर हो गये हैं। कॉनवे अभ्यास सत्र के दौरान ही अपने साथी खिलाड़ी मैट हेनरी से टकरा गए थे। यह मेजबान टीम के लिए चिंता का कारण है क्योंकि उसके दो खिलाड़ी पहले ही एकदिवसीय सीरीज से बाहर हो गये थे। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने कहा है कि ईडन पार्क में अभ्यास के दौरान कॉनवे और हेनरी आपस में टकरा गए थे। इस टक्कर में कॉनवे के सिर में चोट लगी थी जिसके बाद तुरंत उनका इलाज किया और आगे की जांच के लिए उन्हें अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद कॉनवे को कनकशन (सिर की चोट के कारण मस्तिष्क पर पड़ने वाले प्रभाव) की बात कही जिसके बाद उन्हें पहले मैच से बाहर कर दिया गया। ।

लाबुशेन का टेस्ट करियर खतरे में पड़ा

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के युव बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन का टेस्ट करियर खतरे में पड़ता दिख रहा है। टेस्ट डेब्यू के बाद से ही शानदार शुरुआत करने वाले लाबुशेन का बल्ला पिछले कुछ साल से शांत है जिससे कारण वह लगातार असफल हो रहे हैं। ऐसे में टीम में उनकी जगह पर भी सवाल उठने लगे हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में समाप्त हुई टेस्ट सीरीज में भी वह रन नहीं बना पाये। यहां तक कि अंतिम टेस्ट में जब टीम को उनकी जरुरत थी तब भी उन्होंने निराश किया। केपटाउन में खेले गए इस तीसरे टेस्ट में वह केवल 4 रन ही बना पाये। ऐसे में तय है कि अब चयनसमिति उन्हें शायद ही आगे अवसर दे। केपटाउन टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को करारी हार झेलनी पड़ी और इसके साथ ही टीम तीन मैचों की सीरीज 2-1 से हार गयी। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया की पूरी बल्लेबाजी बिखर गयी। लाबुशेन का प्रदर्शन विशेष रूप से चिंताजनक रहा। पूरी सीरीज में, लाबुशेन 6 पारियों में केवल 131 रन ही बना सके, जिसमें उनका सबसे अधिक स्कोर 39 रन रहा। ऐसे में उनकी लगातार खराब फॉर्म ने टीम प्रबंधन के लिए मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

अब तक सबसे तेज अर्धशतक का रिकार्ड पाकिस्तानी खिलाड़ी फातिमा सना के नाम था

प्रेमा ने महिला टी20 क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक लगाकर बनाया रिकार्ड

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की बल्लेबाज प्रेमा रावत ने एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। प्रेमा ने हैदराबाद के खिलाफ केवल 14 गेंदों में तेजी से 50 रन बनाये। इस प्रकार वह सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाली खिलाड़ी बन गयीं। प्रेमा ने ये रन भारतीय सीनियर महिला टी20 ट्रॉफी में उत्तराखंड की ओर से खेलते हुए बनाये। वहीं अब तक सबसे तेज अर्धशतक का रिकार्ड पाकिस्तानी खिलाड़ी फातिमा सना के नाम था। सना ने 15 गेंदों में अर्धशतक लगाया था। हालांकि महिला टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक का रिकॉर्ड अभी भी सना के नाम ही है क्योंकि प्रेमा ने जो रिकार्ड बनाया है। वह घरेलू क्रिकेट का है। प्रेमा ने पुणे के एमसीए



क्रिकेट स्टेडियम में नंबर-4 पर बल्लेबाजी करते हुए विरोधी गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। उन्होंने अपनी 14 गेंदों की पारी में 6 शानदार चौके और 4 छक्के लगाए, इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 357 का रहा।

प्रेमा की इस आक्रामक पारी से उत्तराखंड ने निर्धारित 20 ओवरों में दो विकेट पर 187 रन बनाये। इसके जवाब में हैदराबाद की टीम 98 रन ही बना सकी और इस तरह प्रेमा की पारी से उत्तराखंड ने 89 रनों से मुकाबला जीत लिया। मैच जीत लिया। प्रेमा के अलावा, उत्तराखंड की ओर से राघवी बिस्ट ने नाबाद 72 रन जबकि करीना ने 44 रन और नीलम भारद्वाज ने 19 रन बनाये। प्रेमा ने इस मैच में बल्लेबाजी के अलावा अपनी स्पिन गेंदबाजी से भी कमाल किया। उन्होंने चार ओवर में केवल 12 रन देकर दो विकेट लिए। उनकी टीम की अन्य गेंदबाजों की बात करें तो निशा मिश्रा और सफीना अजीज ने भी दो-दो विकेट लिए, जबकि पूजा राज और करीना को एक-एक विकेट मिला।

न्यूजीलैंड सीरीज में रोहित बना सकते है कई बड़े रिकार्ड



हैम्लिटन। अनुभवी सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार से शुरु हो रही पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज में कई बड़े रिकॉर्ड्स अपने नाम कर सकते हैं। पहला मैच ऑकलैंड के ईडन पार्क स्टेडियम में खेला जाएगा। रोहित एकदिवसीय क्रिकेट में सर्वाधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड पहले से ही अपने नाम कर चुके हैं, जिसमें उनके 381 छक्के शामिल हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ यदि वह 19 और छक्के लगा देते हैं, तो वह एकदिवसीय क्रिकेट इतिहास में 400 छक्के पूरे करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन जाएंगे। इसके अलावा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 21,000 रन पूरे करने के लिए रोहित को इस सीरीज में 348 रन की जरुरत है। उन्होंने अपने 517 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में अब तक 20,652 रन बनाए हैं। यदि वह यह आंकड़ा हासिल कर लेते हैं, तो वह भारत के लिए सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और राहुल द्रविड़ के बाद 21 हजार या उससे अधिक रन बनाने वाले चौथे बल्लेबाज बन जाएंगे। यह उन्हें भारतीय क्रिकेट के दिग्गजों की सूची में और ऊपर ले जाएगा। तीसरा महत्वपूर्ण रिकॉर्ड एसईएनए (साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) देशों में 5,000 रन पूरे करने से जुड़ा है।

भारत-न्यूजीलैंड पहला एकदिवसीय आज

मैच भारतीय समय अनुसार सुबह 7 :30 बजे से शुरु होगा

एजेंसी ■ ऑकलैंड

शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज के पहले मैच में उतरेगी। ऑकलैंड के ईडन पार्क में होने वाले इस मैच में सभी की नजरें अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली पर टिकी रहेंगी। ये दोनो ही लंबे समय के बाद खेलते दिखेंगे। प्रशंसकों को इनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें रहेंगी। भारतीय टीम का लक्ष्य इस मैच मे जीत के साथ ही सीरीज की शुरुआत करना रहेगा हालांकि उसकी राह आसान नहीं है क्योंकि भारतीय गेंदबाज पिछले कुछ समय से लय में नहीं दिख रहे हैं। इसके अलावा प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी इस सीरीज में नहीं खेलेंगे। बुमराह को आगामी टेस्ट सीरीज को देखते हुए आराम दिया गया है। आराम दिया गया है। इसके अलावा प्रसिद्ध कृष्णा और हर्षित राणा चोटिल होने के कारण टीम में शामिल नहीं हैं। ऐसे में, अनुभवी मोहम्मद सिराज के अलावा अर्शदीप सिंह, गुरनूर बराड़, अंशुल कंबोज और औकिब नबी पर ही गेंदबाजी की जिम्मेदारी रहेगी। इसमें से सिराज और अर्शदीप को छोड़ दिया जाये तो बाकि गेंदाबाज अनुभवहीन हैं। इस टेस्ट सीरीज में कार्यभार प्रबंधन को देखते हुए कई अनुभवी खिलाड़ियों को बारी-बारी से आराम दिया जाएगा क्योंकि इसके बाद उन्हें टेस्ट



सीरीज खेलनी है। ऐसे में युवाओं की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। कप्तान शुभमन गिल ने भी संकेत दिया है कि टेस्ट टीम में शामिल कुछ खिलाड़ी आखिरी दो एकदिवसीय मुकाबलों में नहीं खेलेंगे। कप्तान ने कहा, अगर एकदिवसीय सीरीज और टेस्ट सीरीज के बीच थोड़ा ज्यादा अंतराल होता तो हम सभी पांच मैच खेलते। लेकिन कम समय को देखते हुए, हमें खिलाड़ियों के कार्यभार का प्रबंधन करना होगा। इसका सीधा असर टीम के संयोजन पर पड़ सकता है।

भारतीय टीम के लिए पांच मैचों की ये सीरीज अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए अहम मानी जा रही है। इस सीरीज से टीम को अपनी कमजोरियों का पता चलेगा और कहां सुधार की जरुर है उसका भी अंदाजा होगा।

दोनों ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, अंशुल कंबोज, औकिब नबी, गुरनूर बराड़, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, ईशान किशन, कुलदीप यादव और नमन धीर।
न्यूजीलैंड: मिचेल सैंटनर (कप्तान), टिम सीफर्ट, हेनरी निकोल्स, टॉम लैथम (विकेटकीपर), विल यंग, ग्लेन फिलिप्स, डैरिल मिचेल, माइकल ब्रेसवेल, जैकब डफी, काइल जैमीसन, मैथ्यू फिशर, मैट हेनरी, ब्लेयर टिकनर और नाथन स्मिथ।

न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में बदली-बदली नजर आयेगी भारतीय टीम

भारतीय क्रिकेट टीम अब बुधवार से न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। इसमें पहले तीन मैचों में टीम की कप्तानी शुभमन गिल करेंगे। वहीं अंतिम दो मैचों में श्रेयस अय्यर कमान संभालेंगे। इस सीरीज के लिए भारतीय टीम में भी बदलाव नजर आयेगा। अभी तक भारतीय टीम श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पांच टी20 मैचों की सीरीज खेल रही थी। उनकी टीम में शामिल 9 खिलाड़ी एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम में नहीं होने के कारण स्वदेश लौट गये हैं। ये खिलाड़ी हैं वैभव सूर्यवंशी, तिलक वर्मा, अभिषेक शर्मा, शिवम दुबे, संजू सैमसन, प्रिंस यादव, मयंक यादव, भुवनेश्वर कुमार और वरुण चक्रवर्ती। वहीं शुभमन की कप्तानी वाली इस टीम में अनुभवी बल्लेबाजों विराट कोहली, रोहित शर्मा की वापसी हुई है। इसके अलावा टीम में ऋतुराज गायकवाड़, अंशुल कंबोज, केएल राहुल, गुरनूर बराड़ और मोहम्मद सिराज को भी शामिल किया गया है। पांच मैचों के लिए बीसीसीआई दो कप्तान रखें हैं। इसके अलावा अंतिम दो मैचों के लिए टीम में भी बदलाव किया गया है। पहले एकदिवसीय के लिए एक अलग टीम है। वहीं सरे और तीसरे एकदिवसीय के लिए अलग टीम है। चौथे और पांचवें एकदिवसीय के लिए एक और अलग टीम है।

मैक्सवेल ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया



एजेंसी ■ सिडनी

ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने अंतराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। इसी के साथ ही मैक्सवेल का 14 साल का सफर समाप्त हो गया। मैक्सवेल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के साथ-साथ फर्स्ट-क्लास और लिस्ट-ए क्रिकेट भी नहीं खेलेंगे। वह केवल टी20 फ्रेंचाइजी लीग खेलते रखेंगे, जिससे उनके प्रशंसकों को उन्हें खेलते देखने आ अवसर मिलता रहेगा। मैक्सवेल ने अपने एक दशक से अधिक लंबे करियर में ऑस्ट्रेलिया की ओर से कुल 286 मैच खेले हैं। जिसमें उन्होंने कई मैचों में टीम को जीत दिलायी।

मैक्सवेल ने सोशल मीडिया में एक वीडियो जारी कर संन्यास के पीछे के कारणों का खुलासा किया है। इसमें उन्होंने कहा है कि साल 2028 में ओलंपिक और विश्व कप जैसे बड़े आयोजन होने हैं, जिसके लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम को युवा खिलाड़ियों के लिए जगह बनाने की जरुरत होगी। इसी कारण अब समय आ गया है कि युवाओं के लिए जगह बनायी जाये। मैक्सवेल ने साथ ही कहा, मैं चाहता था कि मुझे मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर अपना विदायी मैच खेलने का अवसर मिले, लेकिन मैं अच्छे से समझता हूं कि प्रबंधन किस दिशा में आगे बढ़ रहा है। यह दिखाता है कि एक खिलाड़ी के रूप में वे टीम के भविष्य की जरूरतों को समझते हैं और टीम हित को सबसे ऊपर रखते हैं।

गौरतलब है कि मैक्सवेल का करियर ऐतिहासिक रहा है, जिसमें उन्होंने ऑस्ट्रेलिया को तीन विश्व कप जिताने में अहम भूमिका निभाई। वे 2015 और 2023 में दो बार एकदिवसीय विश्वपकप विजेता टीम का हिस्सा रहे, और इसके अलावा, 2021 में ऑस्ट्रेलिया की टी20 वर्ल्ड कप विजेता टीम में भी शामिल थे। अपने 286 अंतर्राष्ट्रीय मैचों के करियर में, उन्होंने तीनों प्रारुपों में कुल 7226 रन बनाए और गेंदबाजी में 136 विकेट भी लिए, जिससे वह ऑस्ट्रेलिया के सबसे प्रभावशाली ऑलराउंडरों में से एक साबित हुए।

रणजी ट्रॉफी : हर्ष दुबे ने 9 विकेट लेकर मध्यप्रदेश को 209 रनों पर समेटा



एजेंसी ■ नागपुर

युवा स्पिनर हर्ष दुबे की घातक गेंदबाजी से विदर्भ ने यहां रणजी ट्रॉफी क्रिकेअ के चौथे दौर के मुकाबले में मध्यप्रदेश की टीम को पहले दिन ही 209 रनों पर आउट कर दिया। इस 24 वर्षीय गेंदबाज हर्ष ने अपनी स्पिन गेंदबाजी से 9 विकेट लिए और प्रतिस्पर्धी मध्य प्रदेश टीम को केवल 209 रनों पर समेट दिया।

एलीट ग्रुप-ए के इस अहम मुकाबले में, मध्य प्रदेश के कप्तान रजत पाटीदार ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी कर बड़ा स्कोर बनाने का फैसला किया पर हर्ष ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। हर्ष ने मध्यप्रदेश टीम के मध्य क्रम और निचले क्रम के बल्लेबाजों को समेट दिया। उन्होंने 23.1 ओवर में केवल 53 रन देकर 9 विकेट लिए। यहां तक कि कप्तान रजत पाटीदार और सारांश जैन भी उनका शिकार बने।

यह हर्ष दुबे के प्रथम श्रेणी करियर का सबसे अच्छा गेंदबाजी प्रदर्शन है, जिसने उनके पिछले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के आंकड़े (नवंबर 2024 में हिमाचल प्रदेश के खिलाफ 36 रन देकर 6 विकेट) को पीछे छोड़ दिया। इतना ही नहीं, यह विदर्भ के लिए रणजी ट्रॉफी में किसी भी गेंदबाज द्वारा किया गया अब तक का सबसे बेहतरीन गेंदबाजी स्पेल भी है।

हालांकि, हर्ष दुबे के ऐतिहासिक बॉलिंग स्पेल के बावजूद, दिन का खेल समाप्त होने तक विदर्भ की टीम भी मुश्किल में घिरती हुई नजर आई। मध्य प्रदेश के 209 रनों के जवाब में, स्टंप्स तक विदर्भ ने अपने चार विकेट केवल 54 रनों पर खो दिए थे। खेल समाप्त होने के समय ध्रुव शोरे 21 रन और कप्तान अक्षय वाडकर 9 रन बनाकर खेल रहे थे। मध्य प्रदेश की ओर से बाएं हाथ के स्पिनर कुमार कार्तिकेय ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट लिए।

इंग्लैंड के पूर्व मिडफील्डर ने बताया मैनचेस्टर यूनाइटेड के खराब प्रदर्शन का कारण

लंदन। इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल की विजेता रही चैंपियन मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए वर्तमान दौर बेहद खराब रहा है। लगातार खराब प्रदर्शन के कारण टीम लीग तालिका में 16वें स्थान पर फिसल गयी है। इसी को देखते हुए, इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज डिफेंडर जेमी कैरागर ने कहा है कि क्लब को उसकी गलत ट्रांसफर नीति के कारण नुकसान हुआ है। सत्र की शुरुआत से ही यूनाइटेड के परिणाम अच्छे नहीं रहे हैं। इसी कारण लीगा अंक तालिका मे काफी पीछे है। इस खराब फॉर्म के बीच, कैरागर ने कहा कि टीम को समर ट्रांसफर विंडो में तीन खिलाड़ियों की जगह पर केवल दो ही खिलाड़ियों को साइन करना चाहिए था और उनमें से एक पुर्तगाली डिफेंडर मातियस फर्नांडीस होना चाहिये था। साथ ही कहा कि यूनाइटेड ने समर विंडो में मिडफील्ड को मजबूत करने के लिए कार्लोस बालेपा, यूरी टीलेमान्स और आंद्रे सैंटोस जैसे तीन खिलाड़ियों पर करीब मोटी रकम खर्च कर दी पर ये असफल रहे।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक को देखते हुए भारतीय हॉकी टीम में बदलाव होंगे : कोच फुल्टन

एजेंसी ■ मोहाली

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा है कि साल 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक को देखते हुए टीम में कई बदलाव किये जाने हैं। इसी के तहत ही फरवरी में होने वाले प्रो लीग के घरेलू चरण के लिए एक बिल्कुल नई टीम का चयन किया जाएगा। इस लीग में भारत को जर्मनी, अर्जेंटीना, ग्रेट ब्रिटेन और स्पेन की टीमें शामिल रहेंगी। फुल्टन ने कहा, ''हम फरवरी में प्रो लीग के लिए एक नई टीम का चयन करेंगे। हमारे पास अभ्यास के लिए बहुत कम समय होगा क्योंकि खिलाड़ी अपनी अपनी फ्रेंचाइजी में वापस चले जाएंगे।'' उन्होंने साथही कहा कि प्रो लीग में खेलने वाली यही नई टीम 2027-28 के ओलंपिक चक्र की शुरुआत करेगी, जो सीधे लॉस एंजिलिस ओलंपिक की तैयारियों से जुड़ा है। यह रणनीति टीम को लंबे समय के लिए तैयार करने और युवा प्रतिभाओं को



अंतरराष्ट्रीय मंच पर अनुभव प्रदान करने के लिए अपनाई जा रही है।

साथ ही कहा कि इस बड़े बदलाव की शुरुआत न्यूजीलैंड दौरे से हो सकती है, जहाँ भारतीय टीम एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी (एसीटी) के समाप्त होने के बाद इस महीने एक विशेष अंतरराष्ट्रीय टेस्ट सीरीज खेलेगी। यह दौरा भारत के 1926 में हुए पहले ऐतिहासिक हॉकी दौरे के 100 साल पूरे होने की याद में रखा गया है। इसके तहत की ऑकलैंड में 19, 21 और 22 नवंबर को तीन टेस्ट मैच खेले जाएंगे। फुल्टन ने यह भी साफ किया कि न्यूजीलैंड जाने वाली टीम को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है और इसकी घोषणा जल्द ही की जाएगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हर टीम बदलाव के दौर से गुजरती है और भारतीय टीम ने पहले भी ऐसे बदलाव किए हैं।

कोच ने बताया, ''हमने तीन बार एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी खेली है और तीनों बार हमारी टीम बदली हुई थी। चेन्नई (2023) में खेलने वाली टीम हुलुनबुइर (2024) में खेलने वाली टीम से अलग थी। पिछली टीम के बाद से हमने नौ खिलाड़ियों को बदला है। अब यह टीम भी अलग होगी।'' यह दिखाता है कि टीम प्रबंधन लगातार खिलाड़ियों को आजमा रहा है और सर्वश्रेष्ठ संयोजन की तलाश में है।गौरतलब है कि इस साल के विश्व कप में भारत का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था, जहाँ टीम आठवें स्थान पर रही थी। हालाँकि टीम ने एशियाई खेलों का खिताब बरकरार रखा और 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई कर लिया, जो टीम के लिए एक बड़ी उपलब्धि थी।

अब दूसरे टेस्ट के आधार पर होगा फैसला

न्यूजीलैंड दौरे के लिए ऋषभ फिटनेस टेस्ट में रहे असफल

एजेंसी ■ बेंगलुरु

भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की खेल में वापसी टल सकती है। इसका कारण है कि ऋषभ न्यूजीलैंड दौरे के लिए हुए पहले फिटनेस टेस्ट में असफल रहे हैं। उनका ये टेस्ट बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में हुआ। अब उन्हें एक औरा फिटनेस टेस्ट देने का अवसर मिलेगा। इसके आधार पर ही तय होगा कि वह दौरे पर जाएंगे या नहीं। अगर वह इस बार टेस्ट में फेल होते हैं तो वह दौरे पर नहीं जा सकेंगे।

वह अक्टूबर की शुरुआत में ईरानी कप मैच के दौरान मांसपेशियों में खिंचाव (साइड स्ट्रेन) की समस्या से जूझ रहे हैं। इस चोट के बाद, वह 23 अक्टूबर से ही सीओई में रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। अब उनकी फिटनेस ही तय करेगी कि वह न्यूजीलैंड दौरे पर जा पाएंगे या नहीं। अगर वह दूसरे फिटनेस टेस्ट में फिट घोषित होते हैं, तो वह टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए न्यूजीलैंड ए के खिलाफ तीसरे चार-दिवसीय मैच में इंडिया ए टीम से जुड़ जाएंगे, जो 7 नवंबर को



लिंकन में शुरू होगा। इसके बाद, भारतीय टीम का पहला टेस्ट मैच 19 नवंबर को वेलिंगटन में शुरू होगा, जिसके लिए उनकी मौजूदगी काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

गौरतलब है कि 12 अक्टूबर को जब इस क्रिकेटर के पहली बार चोटिल होकर बाहर होने की पुष्टि हुई थी, तब चयनकर्ताओं ने न्यूजीलैंड ए के खिलाफ पहले दो चार-दिवसीय मैचों के लिए कुमार कुशाग्र को टीम में शामिल किया था। हालांकि, उन मैचों में कुशाग्र नहीं खेले और टीम के कप्तान ध्रुव जुरेल ने विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाली, जो मुख्य टेस्ट टीम का भी हिस्सा हैं। चयनकर्ताओं ने पंत को इंडिया ए टीम और न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए भी चुना था, लेकिन यह स्पष्ट कर दिया था कि उनका खेलना उनकी फिटनेस पर ही निर्भर करेगा। यही वजह है कि उन्हें इंडिया ए और न्यूजीलैंड ए के बीच शुरुआती दो मैचों से बाहर रखा गया था। इस बीच, भारतीय टीम के लिए एक राहत भरी खबर भी सामने आई है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह रविवार को न्यूजीलैंड के लिए रवाना हो गए हैं और उनके इंडिया ए के लिए तीसरा चार-दिवसीय मैच खेलने की उम्मीद है।

ट्रेड डील के जरिये पंजाब किंग्स जा सकते हैं हार्दिक पांड्या

मुम्बई। अनुभवी ऑलरांउडर हार्दिक पांड्या आईपीएल के अगले सत्र मे पंजाब किंग्स की ओर से खेलते हुए नजर आ सकते हैं। पांड्या को ट्रेडिंग के जरिय पंजाब किंग्स लेने जा रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार दोनों फ्रेंचाइजियां इस डील को अंतिम रूप देने के लिए बातचीत में लगी हैं। पांड्या के बदले में पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और बल्लेबाज विष्णु विनोद को मुंबई इंडियंस ले सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस ट्रेड पर पंजाब और मुंबई के प्रबंधन सहमत नजर आ रहा है। आईपीएल अधिकारियों की मंजूरी के बाद, हार्दिक के इस ट्रेड की आधिकारिक पुष्टि इसी सप्ताह हो सकती है। माना जा रहा ह कि इस ट्रेड डील की पहल मुंबई इंडियंस ने की है। रिपोर्ट के मुताबिक, मुंबई ने एक तेज गेंदबाज को टीम में शामिल करने के लिए पंजाब को पांड्या को ट्रेड करने का प्रस्ताव दिया था। जब यह प्रस्ताव पंजाब किंग्स के सामने आया, तो बदले में अर्शदीप सिंह और विष्णु विनोद को मुंबई भेजने पर बातें हुई।

कार्यकर्ताओं ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में रखीं समस्याएं



भोपाल। भाजपा प्रदेश कार्यालय में सोमवार को प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे पार्टी कार्यकर्ताओं ने अपनी समस्याएं और सुझाव रखे। मंत्री गौतम टेटवाल ने कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनकी शिकायतें सुनीं और संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। जिन मामलों में विभागीय कार्रवाई की आवश्यकता है, उन्हें संबंधित विभागों को भेजा गया। मंत्री टेटवाल ने कहा कि कार्यकर्ताओं के माध्यम से प्राप्त जनसमस्याओं का गंभीरता से परीक्षण कर प्राथमिकता के आधार पर समाधान के प्रयास किए जाएंगे। आमजन की समस्याओं का निराकरण और उन्हें योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ दिलाना प्राथमिकता है।

निर्णय मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई श्रीकृष्ण पाथेय न्यास कार्यसमिति की बैठक, भगवान श्रीकृष्ण पर केंद्रित डिजिटल प्लेटफॉर्म संचालित होगा

उज्जैन में बनेगी श्रीकृष्ण पर केंद्रित अत्याधुनिक रिसर्च लाइब्रेरी

● वेब वार्ता, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण पर केंद्रित शोध वृत्त चित्र, नाट्य और संगीत श्रृंखलाओं के लिए समर्पित यूट्यूब डिजिटल प्लेटफॉर्म का संचालन शुरू करने की योजना है। इसके साथ ही दुर्लभ पांडुलिपियों और शोध पत्रों के लिए उज्जैन में अत्याधुनिक रिसर्च लाइब्रेरी की स्थापना की जाएगी।

इन गतिविधियों को जन भागीदारी और विभिन्न शासकीय योजनाओं के समन्वय से व्यापक अभियान के रूप में संचालित किया जाएगा। भगवान श्रीकृष्ण के विचार वर्तमान में भी हमारा पथ प्रदर्शन कर रहे हैं। श्रीकृष्ण द्वारा उज्जैन के सांदीपनि गुरुकुल में शिक्षा ग्रहण करने के साथ ही प्रदेश के विभिन्न स्थानों में यात्राएं की गई। जन सामान्य के लिए ऐसे सभी स्थानों का महत्व तीर्थ के समान है। प्रदेश में स्थित ऐसे स्थानों को तीर्थ के रूप में विकसित किया जाए। जीवन प्रबंधन हो या अर्थव्यवस्था का संचालन सभी क्षेत्रों में भगवान कृष्ण के विचार आज भी सामयिक है। कृषि, गौ-संवर्धन सहित उनकी दक्षता वाली कलाओं और विद्याओं पर केंद्रित विचार सत्र और संगोष्ठियां प्रादेशिक व राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की जाए। मुख्यमंत्री ने यह निर्देश सोमवार को श्रीकृष्ण पाथेय न्यास की कार्य समिति की मंत्रालय में हुई बैठक में दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के मंदिरों का संरक्षण, संवर्धन और प्रबंधन इस रूप में हो, जिससे श्रद्धालु इन केंद्रों से भावनात्मक रूप से जुड़ें और उन्हें सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हों। उन्होंने कहा कि मंदिरों से जुड़ी भूमियों का उपयोग मंदिर की बेहतर व्यवस्था करने पर विचार किया जाए। इसके अंतर्गत ऐसी भूमि पर कृषि के साथ अन्य व्यावसायिक गतिविधियां संचालित करने की भी कार्य योजना तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि बड़े मंदिरों की आय के कुछ भाग का उपयोग क्षेत्र की गौशालाओं और आसपास के वृंदावन गांव की व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए किया जा सकता है।



प्रदेश में स्थापित होगी वीर भारत फैलोशिप

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में सोमवार को मंत्रालय में वीर भारत न्यास कार्यसमिति की बैठक हुई। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राचीनतम से आधुनिक इतिहास के मुख्य आयामों और भारत का राष्ट्र स्वरूप स्थापित करने में अपना योगदान देने वाले चिंतकों, कलाकारों, वैज्ञानिकों से जुड़ी गतिविधियों और देश-प्रदेश की संस्कृति पर कार्य के लिए वीर भारत फैलोशिप प्रदान की जाएगी। प्रतिवर्ष दो फैलोशिप प्रदान की जाएंगी, फैलोशिप की राशि 12 लाख रुपए प्रति अध्येता होगी, यह फैलोशिप एक वर्ष की अवधि के लिए दी जाएगी। बैतूल में केंद्र सरकार के सहयोग से आरण्यक युगयुगीन जनजातीय संग्रहालय बनेगा। जिसमें जनजातीय इतिहास गैलरी, जनजातीय स्वाधीनता आंदोलन, शोध केन्द्र व डिजीटल रिपॉजिटरी स्थापित होंगी। मुख्यमंत्री ने इस आश्रय के प्रस्ताव को वीर भारत न्यास की कार्यकारी समिति की बैठक में अनुमोदित किया। बैठक में भारतीय इतिहास, संस्कृति और वैभवपूर्ण विरासत को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से उज्जैन कोठी महल में स्थापित हो रहे वीर भारत संग्रहालय के निर्माण को भी स्वीकृति दी गई। यह संग्राहलय इस केन्द्रीय भाव को प्रतिपादित करेगा कि भारत के इतिहास में वीरता का अर्थ कभी केवल युद्ध के साहस तक सीमित नहीं रहा।

छह दिन तक मनेगा दीपोत्सव,8 नवंबर को दीपावली पर लक्ष्मी पूजन का विशेष संयोग

6 नवंबर को धनतेरस से होगी पर्वों की शुरुआत,10 को गोवर्धन पूजा और 11 नवंबर को भाईदूज; प्रदोष काल और स्थिर लग्न में होगा मां लक्ष्मी का पूजन

वेब वार्ता, भोपाल

दीपों का पर्व दीपावली इस बार छह दिनों तक मनाया जाएगा। तिथियों के घटने-बढ़ने और पंचांग की गणना के चलते इस बार दीपोत्सव के पारंपरिक क्रम में बदलाव देखने को मिलेगा। पर्वों की शुरुआत 6 नवंबर को धनतेरस से होगी, जबकि 8 नवंबर को दीपावली मनाई जाएगी। इसके बाद 10 नवंबर को गोवर्धन पूजा और 11 नवंबर को भाईदूज का पर्व मनाया जाएगा। खास बात यह है कि दीपावली पर प्रदोष काल के साथ स्थिर लग्न का संयोग बन रहा है, जिसे मां लक्ष्मी की आराधना के लिए शुभ माना गया है। मां चामुंडा दरबार के पुजारी पं. रामजीवन दुबे के अनुसार, इस बार 8 नवंबर को अमावस्या तिथि के साथ प्रदोष काल और वृषभ स्थिर लग्न का संयोग रहेगा। अमावस्या तिथि 8 नवंबर को सुबह 11.28 बजे शुरू होकर 9 नवंबर को दोपहर 12.31 बजे तक रहेगी। ऐसे में 8 नवंबर को अमावस्या के दौरान शाम और रात्रि में लक्ष्मी पूजन के लिए अनुकूल समय रहेगा। ज्योतिषाचार्यों ने इसी पंचांग गणना के आधार पर 8 नवंबर को दीपावली मनाने का निर्णय बताया है।

लक्ष्मी पूजन: शाम 5.54 से 7.50 बजे तक शुभ मुहूर्त

पं. रामजीवन दुबे के अनुसार, 8 नवंबर को लक्ष्मी पूजन का शुभ मुहूर्त शाम 5.54 से 7.50 बजे तक रहेगा। वहीं, प्रदोष काल शाम 6.02 से रात 8.34 बजे तक रहेगा। इस दौरान वृषभ लग्न का संयोग भी रहेगा। धार्मिक मान्यता के अनुसार स्थिर लग्न में मां लक्ष्मी का पूजन करने से घर में सुख-समृद्धि और धन-धान्य की वृद्धि होती है। वहीं, रात्रि में विशेष पूजा और तंत्र साधना करने वाले श्रद्धालुओं के लिए निशीथ काल का मुहूर्त रात 11.39 से 12.31 बजे तक रहेगा। इस अवधि में भी अमावस्या तिथि विद्यमान रहेगी। दीपावली पर घरों और प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई, दीपदान, गणेश-लक्ष्मी पूजन और पारंपरिक अनुष्ठान किए जाएंगे।

गोवर्धन पूजा और भाईदूज की तारीख में भी बदलाव

इस बार अमावस्या के बाद प्रतिपदा तिथि 9 नवंबर को दोपहर 12.31 बजे शुरू होगी। प्रतिपदा तिथि के दोपहर में आरंभ होने के कारण गोवर्धन पूजा 10 नवंबर को उदयातिथि के अनुसार की जाएगी। इसके अगले दिन 11 नवंबर को भाईदूज के साथ चित्रगुप्त पूजन होगा। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, पर्वों की तारीख निर्धारित करने में तिथि के आरंभ और समाप्त होने के समय के साथ उदयातिथि का विशेष ध्यान रखा जाता है। दीपावली के दौरान हस्त, चित्रा, स्वाति और विशाखा नक्षत्रों का संयोग भी रहेगा। पंचांग की गणना के अनुसार अलग-अलग तिथियों और नक्षत्रों के कारण इस बार पर्वों का क्रम कुछ अलग दिखाई देगा। ऐसे में श्रद्धालुओं के लिए सही तिथि और मुहूर्त के अनुसार धार्मिक अनुष्ठान करना महत्वपूर्ण रहेगा।

पर्वों का कार्यक्रम

- 6 नवंबर, धनतेरस: कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि सुबह 10.30 बजे शुरू होगी।
- 7 नवंबर, रूप चतुर्दशी: चतुर्दशी तिथि सुबह 10.38 बजे शुरू होकर 8 नवंबर को सुबह 11.28 बजे तक रहेगी।
- 8 नवंबर, दीपावली: अमावस्या तिथि सुबह 11.28 बजे शुरू होगी। इसी दिन दीपोत्सव और लक्ष्मी पूजन होगा।
- 9 नवंबर, रामा-श्यामा: अमावस्या दोपहर 12.31 बजे तक रहेगी। इसके बाद प्रतिपदा शुरू होगी।
- 10 नवंबर, गोवर्धन पूजा: उदयातिथि के अनुसार गोवर्धन पूजा की जाएगी।
- 11 नवंबर, भाईदूज: द्वितीया तिथि दोपहर 3.53 बजे तक रहेगी। इसी दिन चित्रगुप्त पूजन भी होगा।

नवंबर माह में डेढ़ लाख सदस्यता के क्लब में आ सकता भोपाल एयरपोर्ट

काफी महीनों बाद यात्री संख्या पहुंची 136687 पर, ली राहत की सांस

वेब वार्ता, भोपाल

पिछले चार पांच माह से यात्रियों के आवागमन को लेकर चिंतित राजा भोज एयरपोर्ट के राहतभरी खबर यह है कि जहां वह केवल एक लाख सदस्यता क्लब में रह गया था, वहीं अक्टूबर माह में उसने सवा लाख यात्री सदस्यता क्लब में जगह बना ली है। ऐसी संभावना है कि दीपावली, छठ पूजा, गुरुनानक जयंती के अलावा शुरू हो रही शादियों की सीजन में वह डेढ़ लाख सदस्यता क्लब में शामिल हो सकता है। रविवार को राजा भोज एयरपोर्ट डायरेक्टर ने माह अक्टूबर के आंकड़े जारी किए तब उसमें संख्या सवा लाख से पार करते हुए 1 लाख 36 हजार 687 पर पहुंच गई। इनमें पूरे माह अर्थात 31 दिन तक 542 फ्लाइट में आने वालों की संख्या 70970 एवं 640 उड़ानों में भोपाल से जाने वाले यात्रियों का आंकड़ा 65717 रिकार्ड किया गया। वैसे अक्टूबर 2025 की तुलना में अक्टूबर 2026 अधिक आशाजनक रहा अगर बात की अक्टूबर 2025 की तो इस दौरान केवल एक लाख 20 हजार 216 यात्रियों का आवागमन हुआ जबकि अक्टूबर 2026 में



136687 यात्रियों ने सफर किया इस तरह अक्टूबर 2025 की तुलना में अक्टूबर 2026 में 16471 यात्रियों का अधिक आवागमन हुआ। सितम्बर की तो इसमें काफी निराशा का सामना करना पड़ा था क्योंकि पूरे माह केवल 104075 यात्रियों का ही आवागमन हुआ था इनमें से 439 फ्लाइट से 53115 आने वाले तथा 439 उड़ानों से 50963 यात्री शामिल थे। लेकिन अक्टूबर माह में न केवल 25 अक्टूबर से विंटर सीजन प्रारंभ हुआ, जिसके बाद हैदराबाद के लिए 72 सीटर एयरक्राफ्ट की जागह 186 सीटर एयर बस प्रारंभ की गई इतना ही नहीं दिल्ली के लिए नोएडा को मिलकार कुल 8 उड़ाने हो गई और टोटल फ्लाइट की संख्या भी 23 अर्थात दोनों फेर मिलाकर 46 तक पहुंच गई। हालांकि विंटर सीजन 29 अक्टूबर 2025 में भोपाल से गोवा के लिए उड़ान का शुभारंभ हुआ था, जिसे 27 मार्च 2026 को बंद कर दिया गया। ऐसी संभावना थी कि इस बार के विंटर शैड्यूल में गोवा उड़ान की सौगात फिर से मिलेगी पर ऐसा नहीं हो सका और विंटर शैड्यूल ने भोपाल से गोवा की यात्रा करने वालों को निराश किया। 6 नवम्बर को धनतेरस ओर 8 नवम्बर को दीपावली है, और दीपावली से एक सप्ताह पहले से ही खासतौर पर दिल्ली, मुम्बई व हैदराबाद के अलावा बैंगलुरू की उड़ानें फुल जा रही हैं।

शराब माफिया के विरुद्ध निडरता के साथ प्रभावी कार्रवाई करें पुलिस: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि युवा पुलिस अधिकारी सोशल मीडिया पर सक्रिय रहते हुए रील बनाने से अधिक रियल प्रॉब्लम सुलझाने पर ध्यान दें। सोशल मीडिया का उपयोग आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान और उनकी सहायता के लिए करें। पुलिस अधिकारी गरीबों, महिलाओं और बच्चों की मदद के लिए देवदूत की तरह कार्य करें। ऐसे अधिकारी बनें, जिनका सम्मान समाज के प्रत्येक वर्ग में हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी, भौंरी के परेड ग्राउंड में मंगलवार को



आयोजित 44वें एवं 45वें बैच के उप पुलिस अधीक्षकों के दीक्षांत परेड समारोह को संबोधित कर रहे थे। इससे पूर्व दीक्षांत परेड समारोह में राष्ट्रीय निशान टोली के आगमन के साथ पुलिस बैंड ने राष्ट्रगान %जन गण मन% की धुन प्रस्तुत की। इस अवसर पर प्रशिक्षु पुलिस अधिकारियों को शपथ दिलाई गई। इसके बाद नव प्रशिक्षित अधिकारियों ने अनुशासन, समर्पण और कर्तव्य निष्ठा का परिचय देते हुए सधे हुए कदमों और उत्कृष्ट तालमेल से परेड मार्च किया।

युवा अधिकारियों पर है प्रदेश की सुरक्षा और नागरिकों की सेवा की जिम्मेदारी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश पुलिस के 48 प्रशिक्षु अधिकारी प्रशिक्षण पूर्ण कर प्रदेश की सेवा के लिए तैयार हैं। यह युवा अधिकारियों के लिए पब्लिक सर्विस में प्रवेश का महत्वपूर्ण अवसर है। पुलिस सेवा में आने के साथ ही उनके कंधों पर प्रदेश की सुरक्षा और नागरिकों की सेवा की जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी अधिकारियों को प्रशिक्षण पूर्ण करने पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

टीआई की हत्या के बाद पुलिस कार्रवाई तेज, फरार आरोपियों पर दस-दस हजार का इनाम, हरदा से गुजरात तक फैला तस्करी का नेटवर्क

स्पेशल डीजी पहुंचे खातेगांव, पांच जिलों की पुलिस टीमें पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी

● वेब वार्ता, भोपाल

खातेगांव में टीआई दिलीप पुरी की हत्या मामले में पांच जिलों की पुलिस टीमें शराब की खेप के स्रोत और तस्करी के पूरे नेटवर्क की पड़ताल कर रही हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए शासन ने जांच की जिम्मेदारी स्पेशल डीजी उपेंद्र जैन को सौंपी है। स्पेशल डीजी उपेंद्र जैन खुद खातेगांव पहुंचे और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने साफ कहा कि हर पहलू पर काम किया जा रहा है और कुछ लोगों को चिन्हित किया जा चुका है। पुलिस इस मामले को अधूरा नहीं छोड़ेगी। हर हाल में सच्चाई सामने लाई जाएगी और घटना के पीछे जो भी लोग हैं, उन तक पहुंचा जाएगा।

तीन पार्टनरों की भागीदारी 30-30 प्रतिशत, एक की 10 प्रतिशत: विवेचना में आई जानकारी के अनुसार उक्त अवैध शराब टिमरनी जिला हरदा से आ रही थी एवं गुजरात ले जाई जा रही थी। शराब ठेका

1 नम आंखों से दी विदाई...



2 स्पेशल डीजी पहुंचे जांच करने...



पाटेन्द्र जायसवाल निवासी जिला बड़वानी के नाम पर है और इसमें इनके साथ राहुल जायसवाल, मनीष जायसवाल और मोहिन जायसवाल प्रत्येक की भागीदारी 30-30 प्रतिशत है एवं पाटेन्द्र जायसवाल की भागीदारी मात्र 10 प्रतिशत है। इनमें से मनीष जायसवाल इंदौर में रहता है, मोहिन जायसवाल गुजरात में रहता है और पाटेन्द्र जायसवाल जिला बड़वानी में रहता है। राहुल जायसवाल टिमरनी जिला हरदा का निवासी है। राहुल जायसवाल के विरुद्ध जिला हरदा में आबकारी की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत आपराधिक प्रकरण भी दर्ज हैं। राहुल जायसवाल हरदा में रह कर अवैध शराब की गुजरात तक तस्करी के नेटवर्क का संचालन करता है। राहुल जायसवाल की मुख्य भूमिका है जो तीनों दुकानों से अवैध शराब सप्लाई का नेटवर्क संचालित करता है। आयशर चालक का नाम गजेन्द्र उर्फ अक्कू रावत है जो अलीराजपुर का निवासी है। जिसको केरम सिंह के द्वारा वाहन उपलब्ध करवाया गया था। केरमसिंह चांगोड़ निवासी जिला अलीराजपुर को पुलिस अभिरक्षा में लेकर उससे पूछताछ की जा रही है।

पिता और बहन ने कहा- सीबीआई जांच हो

शराब माफियाओं द्वारा थाना प्रभारी दिलीप पुरी की निर्ममतापूर्वक हत्या करने के बाद परिवार के हर सदस्य और ग्रामीणों में सिस्टम के प्रति नाराजगी देखने को भी मिली। दिलीप के पिता ओमप्रकाश पुरी ने सवाल उठाते हुए कहा कि हत्यारों को फांसी की सजा से कम कुछ भी मंजूर नहीं है। वहीं सरकार शराब माफियाओं के खिलाफ बुलडोजर की कार्रवाई करें। वहीं दिलीप के पिता ओमप्रकाश पूरी ने पूरे घटनाक्रम की सीबीआई जांच की भी मांग की है। शहीद दिलीप पुरी की बहन दीपिका ने कहा कि भाई के हत्यारों पर सरकार सख्त कारवाई करें और हत्यारों को फांसी की सजा दी जाए। बहन दीपिका ने घटना को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि शराब माफियाओं के साथ-साथ घटना वाले दिन जो साथी मेरे भाई के साथ मौके पर मौजूद थे, उनकी भी जांच की जाना चाहिए। मेरे भाई की हत्या कर दी गई। इस तरह का कोई हादसा या घटना होती है तो सभी को चोट आती है इसलिए हर पहलू पर जांच हो।

सीपीआर दिया, नहीं बची जान

घायल टीआई दिलीप पुरी को पुलिसकर्मी तत्काल समीप के अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां उन्हें सीपीआर दिया गया, लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। दिलीप पुरी मूल रूप से धार जिले की सरदारपुर तहसील के ग्राम बरमण्डल के निवासी थे। परिवार में पत्नी कविता और बेटा-बेटी हैं। उनके पिता ओमप्रकाश पुरी किसान होने के साथ कांग्रेस नेता हैं। दिलीप पुरी का अंतिम संस्कार बरमण्डल में राजकीय सम्मान के साथ किया गया। उनके छोटे भाई इंदौर में निजी नौकरी करते हैं।

पुलिस ने दिया गार्ड ऑफ ऑनर

कर्तव्य का पालन करते हुए दिलीप पुरी शहीद हो गए। ड्यूटी पर तैनात टीआई दिलीप पुरी का शव पोस्टमार्टम के बाद परिजन को सौंप दिया गया। इसके बाद पुलिस की ओर से गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। तिरंगे में लिपटे शव को देखकर उनकी पत्नी और बच्चे फफक पड़े। वहीं उनके साथी पुलिसकर्मी और अन्य पुलिस अफसरों की आंखें भी भर आईं। सोमवार को जब गांव के लाड़ले दिलीप की मौत की सूचना पहुंची तो पूरे गांव में मातम छा गया। मुक्तिधाम पर पुत्र ने मुखाग्नि दी। इस दौरान ग्रामीण और परिवार के सदस्य मुक्तिधाम पर मौजूद थे।

672 रिक्त पदों पर राजस्व निरीक्षकों को तत्काल पदोन्नति देने की मांग

वैकल्पिक तौर पर पदोन्नति कोटा 75 प्रतिशत करने की मांग

- सीधी भर्ती के पद रोककर एक बार सभी पद पदोन्नति से भरने का प्रस्ताव

वेब वार्ता, भोपाल

प्रदेश में नायब तहसीलदारों के 672 पद खाली हैं, लेकिन पदोन्नति का इंतजार कर रहे राजस्व निरीक्षकों को अब तक अवसर नहीं मिल पाया है। मध्यप्रदेश राजस्व निरीक्षक संघ ने इन सभी रिक्त पदों पर राजस्व निरीक्षकों को पदोन्नति देने की मांग उठाई है। संघ ने मुख्यमंत्री और राजस्व मंत्री को प्रस्ताव भेजकर एक बार सीधी भर्ती के पद रोककर सभी रिक्त पद पदोन्नति से भरने का आग्रह किया है। संघ का तर्क है कि इससे शासन को अनुभवी अधिकारी मिलेंगे, प्रशिक्षण पर लगने वाला समय और संसाधन बचेंगे तथा कर्मचारियों का मनोबल भी बढ़ेगा। संघ के अनुसार, नायब तहसीलदार के 538 सीधी भर्ती और 22 पदोन्नति के पद, जबकि नायब तहसीलदार (भू संसाधन प्रबंधन) के 69 सीधी भर्ती और 43 पदोन्नति के पद रिक्त हैं। अधिकांश राजस्व निरीक्षक नायब तहसीलदार के समकक्ष वेतन लाभ पा रहे हैं।

मिठाई-नमकीन की दुकानों पर खाद्य विभाग का छापा

भोपाल। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने 1 और 2 नवंबर को अलग-अलग क्षेत्रों में 10 खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर 19 नमूने जांच के लिए एकत्र किए। इनमें दही, पनीर, रसगुल्ला, बेसन लड्डू, नमकीन सेव, सोनपापड़ी, गजक, चिक्की, सूजी, लौंग सेव, बादाम बर्फी, पेड़ा और मावा शामिल हैं। टीम ने अशोका गार्डन स्थित बाबा डेयरी, अवधपुरी के कानपुर स्वीट्स, कोलार के जय बाबा सेलिब्रेशन और कुंदन नमकीन, मिसरोद के सदुरु किराना, बैरागढ़ के मोहन नमकीन, बागसेवनिया के साक्षी स्वीट्स, रोहित नगर के हीरा नमकीन से नमूने लिए गए।

ट्रेन से ज्यादा किराया बस और हवाई जहाज में दे रहे यात्री

दिवाली और छठ की वजह से ट्रेन, बस और हवाई जहाजों में भीड़

वेब वार्ता, भोपाल

पांच दिन बाद दिवाली है। उसके अगले सप्ताह छठ पर्व आयोजित होगा। इन दोनों महत्वपूर्ण पर्व के कारण ट्रेनों में एक से 17 नवंबर तक आरक्षण पूर्ण हो चुके हैं। उक्त तिथियों में भोपाल से जयपुर, अहमदाबाद, दक्षिण भारत, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और बिहार- उत्तर प्रदेश के लिए किसी भी ट्रेन में स्लीपर, एसी में रिग्रेट यानि आरक्षण पूर्ण हो चुका है।

यात्रियों की सुविधा के लिए पश्चिम मध्य रेल भोपाल प्रशासन ने 12 जोड़ी विशेष ट्रेनें चला रही है, लेकिन इनमें भी आरक्षण पूर्ण हो चुका है। दोनों पर्वो को लेकर ट्रेन,



बसों और एयरपोर्ट पर यातायात बढ़ गया है। कमलापति और भोपाल स्टेशन से इस समय रोजाना 45 से 75 हजार यात्रियों की आवाजाही हो रही है। वही बसों में भी सीटें पहले से आरक्षित हो चुकी है। ट्रेनों और बसों में जगह नहीं मिलने हवाई जहाज से लोग जा रहे हैं। एयरपोर्ट पर भी इस समय यात्रियों की भीड़ नजर आ रही है।

मनमानी किराया वसूल रहे बस संचालक

शासन के निर्देश के बाद भी निजी बस संचालक भोपाल से जयपुर, अहमादाबाद, पुणे, दिल्ली आदि के लिए मनमानी किराया वसूल रहे हैं। अन्य दिनों में जहां 700- 800 रुपए में यात्री जाते थे, उन्हें इस समय 3000 से 4000 रुपए तक देने पड़ रहे हैं। मनमानी किराया का विरोध यात्री इसलिए नहीं कर पा रहे हैं, कि उन्हें त्योहार मनाना जरूरी है। ट्रेन और बस में भीड़ के कारण सफर नहीं कर पाने वाले वीआईपी यात्री हवाई सेवा का सहारा ले रहे हैं। हालांकि ऐसे यात्रियों से एयर कंपनियां निर्धारित किराए से उपर चार गुना राशि वसूल रही है। राजाभोज एयरपोर्ट से रोज 46 उड़ानों की अवाजाही हो रही है। इस समय एयरपोर्ट से रोज तीन हजार यात्रियों की आवाजाही हो रही है।

रेलवे ट्रेनों में जगह नहीं | भोपाल मंडल से चलने वाली और पमरे के 14 स्टेशनों से गुजरने वाली लगभग 190 जोड़ी ट्रेनों में 90 फीसदी नो रूम की स्थिति बनी हुई है। मजबूरी में लोग ढाई से चार जनरल कोच में भेड़-बकरियों की सफर कर रहे हैं। हालांकि रेलवे ने कुछ ट्रेनों में आरक्षित कोचों की संख्या बढ़ाई है, लेकिन वह ढाक के तीन पात कहावत जैसी स्थिति के समान है। ट्रेनों में पैर रखने की जगह नहीं है।

स्वामी, प्रकाशक: अली आदिल खान द्वारा साईं प्रिंटिंग प्रेस डी-85, सेक्टर-8, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर 201301 से मुद्रित और एच-41ए, अबुल फज़ल एन्क्लेव, जामिया नगर, दक्षिण पूर्व दिल्ली-110025 से प्रकाशित। संपादक: अली आदिल खान
RNI No: DELMUL/2012/47011 | Email :timesofpedia@gmail.com | समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार तथा समस्त विवाद दिल्ली न्यायलय के अधीन होंगे।